राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 14
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शनिवार 30 जूलाई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 सांसद मनोज तिवारी की शिकायत पर दिल्ली सरकार द्वारा स्कूलों में बनाए गए कच्चे कमरों की लोकायुक्त कोर्ट द्वारा जांच के आदेश
पेज 5 इटावा में थाने के टॉयलेट में रखी मिली अम्बेडकर की मूर्ति, दारोगा समेत तीन पुलिसकर्मी सस्पेंड
पेज 7 इजरायल के सुप्रीम कोर्ट ने आतंकियों की नागरिकता रद्द करने का दिया आदेश

18 राज्यों में अगले 3-4 दिन भारी बारिश का अलर्ट

राजस्थान में रेस्क्यू के लिए सेना उतरी; हिमाचल में बादल फटा, जम्मू में स्कूल बंद

नई दिल्ली । देश के कई राज्यों में बारिश का कहर जारी है। मौसम विभाग ने दिल्ली, हरियाणा, पंजाब सहित उत्तर भारत में 1 अगस्त तक तक भारी बारिश की संभावना जताई है। राजस्थान में बाढ़ से हालात खराब हो गए हैं। जम्मू में बारिश की वजह से स्कूल बंद करने के आदेश दिए गए हैं। इधर, हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में गुरुवार को बादल फटने से 6 लोग घायल हो गए।

साउथ के राज्यों में भारी बारिश

मौसम विभाग ने तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, दक्षिण कर्नाटक, केरल और माहे में भी बारिश की चेतावनी जारी की है। शुक्रवार और शनिवार को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में भारी बारिश होने की संभावना जताई है।

इसके अलावा अगले 5 दिनों तक पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में छिटपुट बारिश की संभावना जताई गई है।

राजस्थान- सामान्य से 66त्न अधिक बारिश

भारी बारिश के कारण रूपनगर में लोग घरों में फंस गए। सेना के 40 जवानों ने इन्हें नाव के जरिए निकाला। राजस्थान में बारिश का दौर तो धीमा पड़ गया, लेकिन जोधपुर में तीन दिन तक हुई बारिश के कारण सड़कें दरिया बन गई हैं। गुरुवार को यहां 2 मिमी बारिश हुई। प्रदेश में 1 जून से 28 जुलाई तक बारिश सामान्य से 66 प्रतिशत अधिक हो चुकी है।

मध्य प्रदेश के 46 जिलों में भारी बारिश और बिजली गिरने का यलो अलर्ट

मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश के 46 जिलों में बारिश और बिजली गिरने का यलो अलर्ट जारी किया है। विदिशा, रायसेन, शिवपुरी, बालाघाट और सागर जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है।

बिहार में 31 जुलाई तक तेज बारिश की संभावना

बिहार के अलग-अलग इलाकों में बारिश हुई है। इससे लोगों को तेज धूप और उमस भरी गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार 31 जुलाई तक पटना समेत राज्य के कई इलाकों में अच्छी बारिश होने की पूरी संभावना है।

गुजरात : अब तक 70 प्रतिशत बारिश हो चुकी

गुजरात में अब तक 70 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। नर्मदा डैम का जलस्तर भी 130.86 मीटर तक पहुंच गया है।

अभी भी बारिश के सीजन के 2 महीने बाकी हैं, ऐसे में राज्य में पीने का पानी और सिंचाई के लिए होने वाली तकलीफ दूर हो गई है।

हिमाचल प्रदेश : कुल्लू में बादल फटा, 6 लोग घायल

हिमाचल प्रदेश में बारिश का कहर जारी है। कुल्लू जिले में गुरुवार को बादल फटने से 6 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना अनी अनुमंडल के निरमंड तहसील के चनैघड़ में हुई। इसमें कम से कम 12 घर तबाह हो गए।

जम्मू-कश्मीर : चिनाब खतरे के निशान से ऊपर

जम्मू-कश्मीर के कई जिलों में गुरुवार को भारी बारिश हुई। अखनूर में चिनाब नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

प्रशासन ने लोगों को नदी के करीब नहीं जाने की सलाह दी है। वहीं, किश्तवाड़ में तेज बारिश के कारण बाढ़ के खतरे को देखते हुए स्कूल बंद कर दिए गए।

यूपी में तीन दिन तक झमाझम बारिश का अलर्ट, राज्य में अब तक 55 प्रतिशत कम बारिश

उत्तर प्रदेश में मौसम विभाग ने 54 जिलों में अगले तीन दिनों तक बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश में एक जून से अभी तक 55 प्रतिशत कम बारिश हुई है। प्रदेश के 33 जिलों में सामान्य से 70 प्रतिशत कम बारिश हुई है। बारिश के लिए गोरखपुर में मेढ़क और मेढ़की की शादी तक करा दी गई थी। इसके बावजूद बारिश नहीं हुई थी।

राष्ट्रपत्नी वाले बयान पर अधीर ने माफी मांगी

राष्ट्रपति को भेजी चिट्ठी में लिखा- ऐसा गलती से कहा, मेरी माफी कबूल करें

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने राष्ट्रपत्नी वाले बयान पर शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को चिट्ठी भेजकर माफी मांग ली है। अधीर ने चिट्ठी में लिखा- मैंने गलती से आपके लिए गलत शब्द का इस्तेमाल किया। मेरी जुबान फिसल गई थी। मैं माफी मांगता हूं और आपसे इसे स्वीकार करने का अनुरोध करता हूं।

बुधवार को दिल्ली के विजय चौक पर विरोध-प्रदर्शन के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए अधीर रंजन ने राष्ट्रपति मुर्मू के लिए राष्ट्रपत्नी शब्द का इस्तेमाल किया था। सत्ताधारी भाजपा सांसदों ने इसका जमकर विरोध किया,

साथ ही अधीर और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से माफी मांगने की मांग की थी।

अधीर को महिला आयोग भी दे चुका नोटिस

राष्ट्रपति मुर्मू के लिए अशोभनीय शब्द का उपयोग करने पर राष्ट्रीय महिला आयोग भी अधीर को नोटिस भेज चुका है। उनसे 3 अगस्त सुबह साढ़े 11 बजे तक जवाब मांगा है। इसी मामले में मध्य प्रदेश के डिंडोरी में भी एक भाजपा कार्यकर्ता की शिकायत पर अधीर रंजन पर एफआईआर दर्ज की गई है।

अधीर रंजन ने क्या कहा था?

बुधवार को अधीर जब सदन से बाहर निकले तो मीडिया ने उनसे पूछा था कि आप राष्ट्रपति भवन जा रहे थे, पर जाने नहीं दिया गया। तब उन्होंने कहा था कि आज भी जाने की कोशिश करेंगे। हिंदुस्तान की 'राष्ट्रपत्नी' सबके लिए हैं। हमारे लिए क्यों नहीं।

गुरुवार को विवाद बढ़ने पर उन्होंने कहा कि हिंदी मेरी मातृभाषा नहीं है। मेरी जुबान फिसल गई थी, मुझे फांसी पर चढ़ा दीजिए। सत्ताधारी दल तिल का ताड़ बनाने की कोशिश कर रहे हैं। मैंने राष्ट्रपति से मिलने का समय मांगा है। उनसे ही माफी मांगूंगा, पाखंडियों से नहीं।

स्मृति से सोनिया बोलीं- डोंट टॉक टु मी

गुरुवार को संसद की कार्यवाही स्थगित होने के बाद संसद परिसर में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के बीच नोकझोंक हो गई। दरअसल, सोनिया भाजपा सांसद रमा देवी से सवाल कर रही थीं कि अधीर रंजन के मामले में उनका नाम क्यों लिया गया। इस पर स्मृति ईरानी बीच में आ गईं और सोनिया से कहा- मैंने लिया आपका नाम, बताइए? इस पर सोनिया ने कहा- डोंट टॉक टु मी।

हाईकोर्ट ने कांग्रेस नेताओं से ट्वीट डिलीट करने को कहा

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता जयराम रमेश, पवन खेड़ा और नेट्टा डिसूजा को 24 घंटे के भीतर उन ट्वीट को हटाने का निर्देश दिया, जिसमें उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता एवं केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की पुत्री पर गोवा में कथित तौर पर फर्जी बार लाइसेंस के आधार पर एक रेस्तरां चलाने का आरोप लगाया था। ईरानी ने कांग्रेस के तीनों नेताओं को कानूनी नोटिस भेजकर बिना शर्त माफी मांगने और अपनी पुत्री पर लगे आरोपों को तत्काल वापस लेने की मांग की है। उन्होंने दावा किया कि उनकी पुत्री का नाम किसी भी दस्तावेज में नहीं है। ईरानी की ओर से पेश हुए वकील ने कहा कि कांग्रेस नेताओं के झूठे आरोपों ने मंत्री और एक व्यक्ति की सार्वजनिक जीवन की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाई और उनकी मर्यादा को ठेस पहुंची है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से तीन श्रद्धालुओं की मौत, 23 घायल

एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या में शुक्रवार देर शाम तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर बिजली के पोल से टकराकर पलट गई। हादसे में 3 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जबकि 23 श्रद्धालु घायल हो गए। घायलों में 5 की हालत नाजुक बताई जा रही है। ट्रैक्टर-ट्रॉली कुल 26 श्रद्धालु सवार थे।

खड़बड़िया चौराहे के पास हुआ हादसा

घटना इनायतनगर थाना क्षेत्र के खबड़िया चौराहे के पास की है।

गहनागन मेला से श्रद्धालुओं से भरी ट्रॉली सुल्तानपुर जा रही थी। मृतकों की पहचान माधुरी (20) उम्र और लीलावती(47) उम्र और हुबराजी पत्नी पुदई (50) उम्र के रूप में हुई है। मृतक सुल्तानपुर जिले के बल्दीराय तहसील के पिरोकला गांव के बताए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिल्कीपुर में भर्ती करवाया।

डॉक्टरों ने बताया कि 5 लोगों की हालत गंभीर देखते हुए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया है। गहनागन मेले से वापस जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली बिजली के पोल से ओवरटेक करते वक्त टकरा गई। इस दौरान टैक्टर-ट्रॉली में बैठे श्रद्धालु जब तक कुछ समझ पाते तब तक विद्युत पोल ट्राली पर जा गिरा। ट्राली में बैठे महिला और पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गए।

मरीजों का ग्लूकोज पी गए चूहे

700 करोड़ की लागत से बने अस्पताल में चूहों का आतंक, अब तक 1500 मारे गए

एजेंसी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर में 700 करोड़ की लागत से बने मेडिकल कॉलेज में चूहे मुसीबत बन गए हैं। बीते दिनों उन्होंने सीटी स्कैन मशीन का तार काट दिया। इससे दो दिन तक जांच बंद रही थी। अब चूहे मरीजों के लिए खतरा बन रहे हैं। ये उन्हें चढ़ाए जाने वाले ग्लूकोज तक को पी जा रहे हैं।

1500 चूहे मारे, 5-6 हजार अभी भी मौजूद

चूहों से निजात पाने के लिए मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने इन्हें मारने का टेंडर निकाला। इसके लिए 10 से 12 लाख रुपए का बजट रखा गया है। फिलहाल रायपुर की एक निजी कंपनी ने टेंडर लिया है, जो अब चूहे मारने और दफनाने में लगी हुई है।

बीते एक महीने में 1500 से अधिक चूहे मारकर दफनाए जा चुके हैं। अस्पताल प्रबंधन का अनुमान है कि अभी करीब 4 से 5 हजार चूहे

अस्पताल में मौजूद हैं।

हर दिन 50 से 60 चूहों को मार रहे

इतने बड़े मेडिकल कॉलेज में चूहों को मारना भी आसान नहीं है। इस काम के लिए 6 लोगों की टीम लगी है। एहतियात बरतते हुए यह टीम जगह-जगह पैच बनाकर वहां चूहे मारने वाली दवा डाल रही है। Bayer cake, rodent trap and bo&, rodent glue का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। मेडिकल कॉलेज सुपरिन्टेंडेंट टीकू साहू ने बताया कि रोजाना 50-60 चूहे मारे जा रहे हैं।

अब भी 4 से 5 हजार चूहे मौजूद

1500 चूहों को मारने के बाद भी परेशानियां कम नहीं हुई हैं। चूहे अब भी मरीजों को परेशान कर रहे हैं। वार्ड में भर्ती मरीजों के बेड तक पहुंच रहे हैं। ग्लूकोज की बोतल समेत दवा और मरीजों के सामानों को भी नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसका एक वीडियो भी सामने आया है।

सत्येंद्र जैन के खिलाफ ईडी की सबूत से कोर्ट संतुष्ट

कोर्ट ने कहा- मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पेश किए सारे सबूत आरोपी के खिलाफ

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आप नेता और दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। शुक्रवार को इस मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। प्रवर्तन निदेशालय की चार्जशीट पर कोर्ट ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सत्येंद्र जैन के खिलाफ मिले सबूत पर्याप्त हैं। कोर्ट के मुताबिक, पेश किए गए सारे सबूत आप नेता के खिलाफ हैं।

कोर्ट के इस बयान के बाद इसके बाद सत्येंद्र जैन पर ईडी का शिकंजा और कस सकता है। बता दें कि ईडी ने दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ कोर्ट में एक चार्जशीट दायर किया था, जिसमें जैन के पास आय से अधिक संपत्ति होने की बात कही गई थी। बता दें आम आदमी पार्टी के नेता सत्येंद्र जैन को दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल का करीबी माना जाता है।

ईडी के सबूत से कोर्ट संतुष्ट

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने ईडी की

चार्जशीट पर संज्ञान लिया। कोर्ट ने कहा कि सत्येंद्र जैन के खिलाफ जो सबूत पेश किए गए हैं, उससे कोर्ट संतुष्ट है।

कोर्ट के मुताबिक, जो सबूत पेश किए गए हैं, उसके आधार पर ये कहा जा सकता है कि आरोपी की संलिप्तता दिखाने के लिए पर्याप्त है। हालांकि इस चार्जशीट को लेकर कोर्ट ने ईडी को कई बातों के लिए भी फटकार लगाई है।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार हैं सत्येंद्र जैन

दिल्ली के हेल्थ मिनिस्टर सत्येंद्र जैन को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया है। आय से अधिक संपत्ति और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जैन, उनकी पत्नी पूनम और अन्य पर मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि जैन ने कथित तौर पर दिल्ली में कई शेल कंपनियां बनाई या खरीदी थीं। उन्होंने कोलकाता के तीन हवाला ऑपरेटर्स से 54 शेल कंपनियों के जरिए 16.39 करोड़ रुपए का काला धन भी ट्रांसफर किया। पिछले महीने ईडी ने जैन परिवार और उनसे जुड़ी कंपनियों की 4.81 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की थी।

कोरोना संक्रमण से 22,697 लोग स्वस्थ्य हुए

नयी दिल्ली। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के नये मामलों में लगातार उतार चढ़ाव के बीच पिछले 24 घंटे में 22,697 लोगों के ठीक होने के साथ स्वस्थ्य होने वालों की कुल संख्या बढ़कर 43309484 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि सुबह सात बजे तक 203.60 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं, इनमें पिछले 24 घंटे में कुल 3863960 टीके लगाए गए हैं। मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान देश में कोरोना 20,409 नये मामले सामने आये है और इस महामारी से 32 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 526258 तक पहुंच गयी है। देश में कोरोना संक्रमण के नए मामले सामने आने के साथ साप्ताहिक संक्रमण दर 4.82 प्रतिशत हो गयी है, जबकि दैनिक संक्रमण 5.12 फीसदी है।

इनोवा-ऑटो की भिड़ंत, सगे भाई समेत 6 की मौत

नशे में था इनोवा ड्राइवर, 11 सवारी बैठाकर नाबालिग चला रहा था ऑटो

बांदा। बांदा में शुक्रवार शाम तेज रफ्तार इनोवा और ऑटो की भिड़ंत हो गई। हादसे में ऑटो सवार 6 लोगों की मौत हो गई। जबकि 6 लोग गंभीर घायल हैं। मृतकों में 2 बच्चे हैं। दोनों सगे भाई थे। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो कई टुकड़ों में बंट गया। मौके पर मौजूद लोगों ने ऑटो में फंसे लोगों को बाहर निकाला। हादसा गिरवां बस स्टैंड के पास हुआ। इनोवा का ड्राइवर नशे में था। वह तेज स्पीड से गाड़ी चल रहा था। दूसरी तरफ, ऑटो में 11 सवारियां बैठी थीं। उसे नाबालिग चालक चला रहा था।

आमने-सामने से हुई टक्कर

एसपी अभिनंदन ने बताया कि इनोवा ड्राइवर नशे में था। उसको पकड़ लिया गया है। ऑटो नरैनी की तरफ जा रहा था। जबकि इनोवा बांदा शहर की तरफ जा रही थी। सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज में एडमिट कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर के बाद ऑटो सवार बुरी तरह से फंस गए। पुलिस और स्थानीय लोगों ने जैसे-

तैसे करके लोगों को बाहर निकाला। तब तक 6 की मौत हो चुकी थी।

ऑटो में बैठी थीं 11 सवारी, नाबालिग चला रहा था

हादसे में ऑटो सवार 90 साल के हाजी यासीन मुस्तफा निवासी शेखन पुरवा, 28 साल के ओम प्रकाश निवासी बांसी, 7 साल के छोटू द्विवेदी निवासी पनगरा, 15 साल के मोहित द्विवेदी निवासी पनगरा, 40 साल के शमशेर उर्फ गुड्डू निवासी सैयद वाडा हमीरपुर और 38 साल के गोरे निवासी महोखर की मौत हो गई है। मरने वालों में छोटू और मोहित सगे भाई थे। वहीं, हादसे में सुंदर पांडे, शिवम पांडे, राकेश, सुमन, चंद्रावली यादव, प्रमोद दिवेदी और राहुल शिवहरे घायल हुए हैं। घायलों में शिवम और सुंदर सगे भाई हैं। 17 साल का शिवम ऑटो चालक है।

ड्रग सिंडिकेट

अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट से जुड़े अफगानी सहित 4 लोग गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस ने पकड़ी 130 करोड़ रुपये की हेरोइन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए देशभर से 130 करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन बरामद की है। इसके साथ ही इस ड्रग सिंडिकेट से जुड़े एक अफगान नागरिक सहित 4 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

क्राइम ब्रांच के डीसीपी केपीएस मल्होत्रा ने शुक्रवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि क्राइम ब्रांच ने एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग

सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है और देशभर में चले इस अभियान में 21,400 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली हेरोइन बरामद की है।

उन्होंने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इस ड्रग्स की कीमत करीब 130 करोड़ रुपये आंकी गई है। पुलिस ने इस ड्रग सिंडिकेट से जुड़े एक अफगान नागरिक सहित 4 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों की पहचान परवेज आलम, शमी कुमार उर्फ शमी, रजत गुप्ता और एक अफगान नागरिक के रूप में हुई है।

डीसीपी ने बताया कि एक आरोपी पहले भी एनडीपीएस एक्ट में शामिल रह चुका है।

आरोपी परवेज आलम हेरोइन बनाने का विशेषज्ञ है और ड्रग्स सिंडिकेट में उसे डॉक्टर के नाम में जाना जाता है।

उन्होंने बताया कि देशभर में फैले इस अंतरराष्ट्रीय जाल वाले नेटवर्क की जड़ें दिल्ली-एनसीआर के अलावा पंजाब और जम्मू-कश्मीर में भी काफी गहरी हैं।

गैंग द्वारा लिक्विड हेरोइन को विभिन्न माध्यमों और वाहकों द्वारा अवैध तरीके से लाया जाता था और फिर भारत में प्रोसेस और वितरित किया जाता था।

बता दें कि, दिल्ली पुलिस द्वारा दिल्ली-एनसीआर से ड्रग्स और नशीली दवाओं के खतरे को खत्म करने के लिए समय-समय पर इनके तस्करों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाए जाते हैं। इतनी बड़ी मात्रा में हेरोइन की बरामदगी दिल्ली पुलिस के लिए एक बड़ी कामयाबी मानी जा रही है।

शार्ट न्यूज

चेन्नई में एशियन बीच गेम्स के आयोजन के लिए स्टालिन ने प्रधानमंत्री से समर्थन मांगा

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने चेन्नई में एशियन बीच गेम्स की मेजबानी का समर्थन तथा केंद्रीय खेल मंत्रालय की ओर से आगामी सितम्बर तक ओलंपिक परिषद(ओसीए) को अपेक्षित गांरटी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पहल करने का आग्रह किया है। स्टालिन ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री को लिखे एक पत्र में यह अनुरोध किया। उन्होंने तमिलनाडु सरकार के उस अनुरोध का हवाला दिया , जिसे गत पांच मई को ताशंकद में ओसीए की प्रशासनिक परिषद की बैठक में नीति स्तर पर स्वीकार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि वह गत 23 मई को भी केंद्रीय खेल मंत्री को इस संबंध में पत्र लिख चुके हैं। उन्होंने कल शाम शतरंज ओलंपियाड का उद्घाटन करने के लिए भी मोदी को धन्यवाद दिया।

चेन्नई में एशियन बीच गेम्स के आयोजन के लिए स्टालिन ने प्रधानमंत्री से समर्थन मांगा

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने चेन्नई में एशियन बीच गेम्स की मेजबानी का समर्थन तथा केंद्रीय खेल मंत्रालय की ओर से आगामी सितम्बर तक ओलंपिक परिषद(ओसीए) को अपेक्षित गांरटी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पहल करने का आग्रह किया है। स्टालिन ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री को लिखे एक पत्र में यह अनुरोध किया। उन्होंने तमिलनाडु सरकार के उस अनुरोध का हवाला दिया , जिसे गत पांच मई को ताशंकद में ओसीए की प्रशासनिक परिषद की बैठक में नीति स्तर पर स्वीकार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि वह गत 23 मई को भी केंद्रीय खेल मंत्री को इस संबंध में पत्र लिख चुके हैं। उन्होंने कल शाम शतरंज ओलंपियाड का उद्घाटन करने के लिए भी मोदी को धन्यवाद दिया।

तमिलनाडु में मंकीपॉक्स का कोई मामला नहीं

चेन्नई ।तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री मा. सुब्रमण्यम ने शुक्रवार को इन रिपोर्टों को साफ खारिज कर दिया कि कन्याकुमारी में मंकीपॉक्स के चार संदिग्ध मामले सामने आए थे। कुछ टीवी चैनलों की रिपोर्टों की चर्चा करते हुए कि कन्याकुमारी जिले में मंकीपॉक्स के लक्षण दिखाने वाले चार लोगों को सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उनके नमूने परीक्षण के लिए पुणे स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी भेजे गए थे, श्री सुब्रह्मण्यम ने यहां संवाददाताओं से कहा कि रिपोर्ट सरासर गलत हैं। उन्होंने लोगों से इस संबंध में कोई गलत सूचना न फैलाने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सभी हवाई अड्डों और सीमा चौकियों पर निगरानी बढ़ा दी है क्योंकि पड़ोसी राज्यों में मंकीपॉक्स के मामले सामने आए हैं।

कर्नाटक में मुस्लिम युवक की हत्या

मंगलुरु। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) युवा नेता प्रवीण नेट्टारू की हाल ही में हत्या के बाद मंगलुरु शहर के बाहरी इलाके में अज्ञात लोगों ने गुरुवार रात एक मुस्लिम युवक पर घातक हथियार से हमला कर दिया जिससे उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार गुरुवार शाम सुरतकल में कृष्णापुरा कटिपलला रोड पर कम से कम पांच अज्ञात लोगों ने फाजिल पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। मंगलुरु पुलिस आयुक्त एन शशि कुमान ने संवाददाताओं से कहा कि युवक को अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह हादसा कल करीब रात आठ बजे हुई ।इस घटना के बाद प्रशासन ने सुरतकल, मुल्की, बाजपे और पनम्बुर में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। पुलिस आयुक्त ने मुस्लिम समुदाय के नेताओं से अपील की कि वे शांति बनाए रखने के लिए अपने घरों में जुमे की नमाज अदा करें और पीड़ित परिवार को हरसंभव न्याय दिलाने का आश्वासन दें। उन्होंने स्थानीय प्रशासन को शुक्रवार को शराब की दुकानों को बंद करने का निर्देश दिया है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले मंगलवार को दक्षिण कर्नाटक मे बेल्लारे में मोटरसाइकिल में सवार हत्यारों ने धारदार हथियार से प्रवीण की हत्या कर दी थी।

सांप्रदायिक सौहार्द की अलख जगाने निकले राजा सिंह पहुंचे पुष्कर

अजमेर। उत्तरप्रदेश में मैनपुरी जिले के घिरोर कस्बे के ठाकुर राजा सिंह साइकिल पर सांप्रदायिक सौहार्द की अलख जगाने पांच हजार किलोमीटर की यात्रा तय कर आज अजमेर जिले के तीर्थराज पुष्कर पहुंचे। ठाकुर राजा सिंह ने यहां ब्रह्मा मंदिर के दर्शन एवं पुष्कर सरोवर की पूजा अर्चना की। पुष्कर से उन्होंने देश में शांति एवं सद्भाव बनाए रखने का संदेश दिया। ठाकुर राजा सिंह (57) अकेले दम पर साइकिल पर 15 अप्रैल को अपने कस्बे से रवाना हुए और बरेली, बदायूं, हरिद्वार, जयपुर अजमेर होते हुए ब्रह्मा नगरी पुष्कर पहुंचे। यहां से वे भीलवाड़ा के लिए रवाना होंगे। उन्होंने बताया कि उनको यह प्रेरणा उनके बाबा से मिली। उन्हें किसी राजनैतिक दल का कोई सहयोग नहीं है। वे स्वेच्छा से ही देश में सांप्रदायिक सौहार्द एवं भाईचारे तथा शांति के संदेश को देने के लिए आठ हजार किलोमीटर का लक्ष्य लेकर निकले हैं और वापस मैनपुरी ही लौटेंगे। वे प्रतिदिन करीब 75 किलोमीटर साइकिल चलाते हैं।

राजस्थान में बाघों की संख्या सौ से अधिक

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि उन्हें यह बताते हुए प्रसन्नता है कि आज राजस्थान के चार टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या सौ से अधिक हो गई है जो तत्कालीन प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी द्वारा बाघ संरक्षण के लिए शुरू किए गए टाइगर प्रोजेक्ट की सफलता का प्रमाण है। श्री गहलोत ने विश्व बाघ दिवस के मौके पर आज यह बात कही। उन्होंने कहा कि आज से वन विभाग, राजस्थान सरकार के सहयोग से जयपुर टाइगर फेस्टिवल द्वारा जवाहर कला केन्द्र जयपुर में तीन दिवसीय बाघ फोटो प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। इसमें देशभर के वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर्स द्वारा ली गईं सौ से अधिक तस्वीरें प्रदर्शित हो रही हैं। यहां जाकर ऐसी और सुन्दर तस्वीरों को निहार कर हमारे राष्ट्रीय पशु बाघ को करीब से जान सकते हैं। उन्होंने कहा कि बाघों के संरक्षण और उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है ताकि बाघों को बचाया एवं इनकी संख्या बढ़ सके।

दिल्ली हाट में शुरू हुआ तीन दिवसीय तीज मेला

जयपुर। राजस्थान पर्यटन एवं दिल्ली पर्यटन विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में सावन का प्रमुख त्यौहार तीज के उपलक्ष्य में आज से तीन दिवसीय अनूठे मेले का आयोजन शुरु किया। राजस्थान पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक छतरपाल यादव ने बताया कि मेले के दौरान रोज सांय 6.30 बजे सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। जिसमें राजस्थानी लोक कलाकार अपनी बहुरंगी प्रतिभा का प्रस्तुतीकरण देंगे। उन्होने बताया कि सांस्कृतिक संध्या में राजस्थान के परंपरागत लोक नृत्यों चरी, घूमर, चकरी, कालबेलिया, भंवई, मयूर नृत्य के साथ ही खड़ताल वादन और भपंग वादन का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके साथ ही डीग से आए कलाकारों द्वारा फूलों की होली भी प्रस्तुत की जाएगी। श्री यादव ने बताया कि तीज मेले में राजस्थानी भोजन के काउंटर्स भी उपलब्ध रहेंगे जिसमें आगंतुक दाल-बाटी-चूरमा, कैर-सांगरी की सब्जी, गट्टे की सब्जी और प्याज की कचौरी सहित अन्य स्वादिस्ट व्यंजनों का स्वाद ले सकेंगे। मेले में राजस्थानी हस्तकला और हस्तशिल्प के उत्पादों का भी प्रदर्शन किया गया है। इसके अतिरिक्त आगंतुकों के मनोरंजन के लिए कठपुतली कार्यक्रम का सजीव प्रदर्शन भी किया जा रहा है।

टेम्पो पलटने से कांवरिया की मौत, पांच घायल

दुमका। झारखंड में दुमका जिले के जरमुंडी थाना क्षेत्र में शुक्रवार को टेम्पो के पलट जाने से कांवरिया की मौत हो गयी तथा पांच अन्य यात्री घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जिले के जरमुंडी थाना क्षेत्र के दुधानी गांव के समीप शुक्रवार की सुबह टेम्पो के पलट जाने से धनबाद जिला निवासी 18 वर्षीय एक किशोर कांवर यात्री की मौत हो गई जबकि पांच अन्य घायल हो गए। मृतक की पहचान धनबाद जिला निवासी अमन पासवान के नाम से हुई है। सूत्रों ने बताया कि सभी यात्री देवघर में पूजा-अर्चना के बाद टेम्पो में सवार होकर बासुकीनाथ धाम पूजा-अर्चना के लिए आ रहे थे।

प्रवीण हत्याकांड की जांच करेगी एनआईए

केस सौंपने को तैयार हुई कर्नाटक की बोम्मई सरकार

बेंगलुरु। सत्तारूढ़ भाजपा और हिंदुत्व संगठनों के दबाव के आगे झुकते हुए, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता प्रवीण नेत्तारू की हत्या की जांच करेगी। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि उनकी सरकार ने भाजपा की जिला युवा मोर्चा समिति के सदस्य की हत्या के मामले की जांच एनआईए को सौंपने का फैसला किया है। सीएम ने कहा, जांच की जा रही है। ऐसा लगता है कि प्रवीण की हत्या एक संगठित अपराध का हिस्सा थी और इसके अंतर्राज्यीय संबंध हैं। हमने मामले को एनआईए को सौंपने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि ये फैसला पुलिस

आला अधिकारियों से मामले पर चर्चा करने के बाद लिया गया है।

सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील दक्षिण कन्नड़ जिले के सुलिया तालुक के बेल्लारे में मंगलवार रात 32 वर्षीय प्रवीण नेत्तारू की हत्या के बाद हिंदुत्ववादी संगठन और भाजपा में कई लोग एनआईए जांच की मांग कर रहे हैं। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर मामले की राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए से जांच कराने का अनुरोध किया था।

बीजेपी कार्यकर्ता प्रवीण नेत्तारू हत्याकांड के सिलसिले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है और कई अन्य से पूछताछ कर रही है। दोनों का संबंध पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से होने का संदेह है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जिले में सुलिया तालुक के बेल्लारे के जाकिर (29) और मोहम्मद शफीक (27) के रूप में हुई है। इस बीच, जिले में पिछले आठ दिनों में तीसरी हत्या की सूचना मिली है। 23 वर्षीय मोहम्मद फाजिल की गुरुवार रात सुरथकल में तीन-चार अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी थी। नेतरू की हत्या से पहले, 18 वर्षीय चित्रकार मसूद की आठ सदस्यीय गिरोह ने हत्या कर दी थी।

गौरतलब है कि मंगलवार रात को जिला भाजपा युवा मोर्चा समिति के सदस्य प्रवीण नेत्तारू(32) की बेल्लारे में उसकी दुकान के सामने मोटरसाइकिल सवार तीन अज्ञात हमलावरों ने हत्या कर दी थी। भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेता पुत्तूर के पास बेल्लारे में ब्रॉयलर की दुकान चलाते थे। भाजपा युवा मोर्चा के नेता की हत्या के बाद बुधवार को दक्षिण कन्नड़ जिले में कई स्थानों पर तनाव उत्पन्न हो गया। कई जगहों पर पथराव और पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किए जाने की खबरें आयी हैं।

जिलाधिकारी का फर्जी पत्र वायरल, शरारती तत्वों के खिलाफ जांच के आदेश

एजेंसी

नैनीताल। उत्तराखंड के नैनीताल में शुक्रवार को उस समय एक अजीबोगरीब स्थिति उत्पन्न हो गयी जब कुछ शरारती तत्वों ने जिलाधिकारी का फर्जी आदेश जारी कर जिले के स्कूलों को बंद करने के आदेश जारी कर दिया। जिला प्रशासन भी इस मामले में तत्काल हरकत में आया और शरारती तत्वों के खिलाफ मामला दर्ज करने के आदेश जारी कर दिये।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज सुबह सोशल मीडिया पर नैनीताल के जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल का एक पत्र वायरल हुआ। जिसमें मौसम विभाग की चेतावनी के मद्देनजर जनपद में कक्षा एक से 12वीं तक के सभी स्कूलों और विद्यालयों के साथ आंगनबाड़ी केन्द्रों को बंद रखने का आदेश जारी किया गया था।

इस पत्र के वायरल होने से अभिभावक और स्कूल ऊहापोह की स्थिति में आ गये। कुछ अभिभावकों ने अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजा तो कुछ स्कूल भ्रम की स्थिति में पड़ गये। बताया जा रहा है कि कुछ स्कूलों ने बच्चों को अवकाश की सूचना के चलते लौटा दिया।

यह खबर जिला प्रशासन तक पहुंच गयी। जिला अधिकारी खुद हरकत में आये और उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पंकज भट्ट को शरारती तत्वों के खिलाफ मामला दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी की ओर से कहा गया कि जिला प्रशासन की ओर से विद्यालयों में शुक्रवार को अवकाश के कोई आदेश पारित नहीं किये गये हैं।

नेक के आंकलन में चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय बैकफुट पर खिसका

सिरसा। नेश्नल एस्सेमेंट एवं एक्रीडियेशन कांऊसिल द्वारा हाल ही में हरियाणा में सिरसा स्थित चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय के किए गए आंकलन में बैकफुट पर धकेल दिया है। पिछले आंकलन में इस विवि को नेक द्वारा 2.28 स्कोर दिया गया था जबकि यह अब घटकर 2.26 रह गया है। विवि के उच्च प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा अबकी बार आंकलन में विवि को ए प्लस स्कोर पर ला खड़ा करने के दावे किए जा रहे थे। नेक आंकलन में स्कोर गिरने से विवि के प्रोफेसर, अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ-साथ विद्यार्थियों में मायूसी आई है। नेक के आंकलन में मिले स्कोर को कल आयोजित एक पत्रकारवार्ता में विवि के कुलपति प्रोफेसर अजमेर सिंह ने एक सवाल के बाद सांझा भी किया। नेक से जुड़े सूत्रों का मानना है कि नेक के आंकलन में विवि के पीछे रहने के लिए विश्वविद्यालय केंपस के डिग्री कॉलेज को बंद करना,परीक्षा परिणामों में देरी तथा परीक्षा परिणामों के पुन:मूल्यांकन में देरी व ज्यादा आवेदन आना,कच्चे भर्ती कर्मियों को पक्का न करना,विभिन्न विभागों द्वारा समय-समय पर सेमीनार, कांफ्रेस प्रायोजित किये जाने की अनुमति ना देना,नियमित तौर पर पीएचडी के दाखिले ना होना, जेआरएफ धारक विद्यार्थियों द्वारा विवि में प्रवेश न लेना, विवि के शिक्षकों के पास रिसर्च प्रोजेक्ट्स की कमी आदि मूल कारण रहे हैं।

मिश्र ने बीकानेर के चारों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ की बैठक

बीकानेर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने बीकानेर के चारों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ आज यहां समीक्षा बैठक की। मिश्र ने महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनोद कुमार सिंह, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रक्षपाल सिंह, राजुवास कुलपति प्रो. सतीश कुमार गर्ग, बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अम्बरीश विद्यार्थी के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने एक समान विषयवार पाठ्यक्रम तैयार करने की प्रगति और नई शिक्षा नीति को समग्रता में लागू करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली।

जम्मू कश्मीर व लद्दाख में बार काउंसिल स्थापित करने संबंधी याचिका पर केंद्र को नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बार काउंसिल स्थापित करने के निर्देश देने के अनुरोध संबंधी याचिका पर शुक्रवार को केंद्र और अन्य से जवाब मांगा। सुप्रीम कोर्ट जम्मू कश्मीर और लद्दाख में बार काउंसिल की स्थापना के लिए केंद्र और बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) को निर्देश देने के अनुरोध संबंधी याचिका पर सुनवाई कर रहा था।

जस्टिस डी. वाई. चंद्रचूड़ और जस्टिस जे. बी. पारदीवाला की पीठ ने एक वकील द्वारा दायर याचिका पर कानून और न्याय मंत्रालय, बार काउंसिल ऑफ इंडिया तथा अन्य को नोटिस जारी किया। पीठ ने कहा, हम नोटिस जारी करेंगे। याचिका में आरोप लगाया गया है कि जम्मू कश्मीर और लद्दाख के वकीलों को बार काउंसिल प्रदान नहीं किया जाना किसी सौतेले व्यवहार और भेदभाव से कम नहीं है।

याचिकाकर्ता सुप्रिया पंडित ने याचिका में कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में पूरी कानूनी बिरादरी के पास कोई सरकारी संस्था नहीं है, जहां वे अपना नामांकन करा सकें और देश के अन्य राज्यों की तरह बार काउंसिल का लाभ उठा सकें। पंडित जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की वकील हैं। अधिवक्ता ओम प्रकाश परिहार के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि अधिवक्ता अधिनियम, 1961 के तहत प्रत्येक राज्य में राज्य बार काउंसिल होनी चाहिए और इसलिए, जम्मू कश्मीर और लद्दाख के लिए बार काउंसिल को प्रतिवादियों द्वारा अस्वीकार नहीं किया जा सकता है।

इसमें दावा किया गया है कि राज्य बार काउंसिल की अनुपलब्धता के कारण, अधिवक्ता शीर्ष अदालत के समक्ष पेश होने के लिए प्रोक्सीमिटी कार्ड के लिए आवेदन करने से भी वंचित हैं क्योंकि ऑनलाइन आवेदन में जम्मू कश्मीर और लद्दाख के लिए कोई विकल्प नहीं दिया गया है।

पति की हैसियत के अनुसार रहना महिला का अधिकार

कोर्ट ने महिला के लिए तय किया 2 लाख रुपये महीने गुजारा भत्ता

नई दिल्ली। घरेलू हिंसा के एक मामले में अदालत ने कहा है कि पति के रुतबे, हैसियत के अनुसार रहना महिला का अधिकार है। उसे इससे वंचित नहीं किया जा सकता। इसी के साथ अदालत ने कारोबारी पति की मासिक आय के हिसाब से पत्नी का गुजाराभत्ता तय किया है। रोहिणी स्थित मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कनिका जैन की अदालत ने महिला के वकील प्रदीप राणा की दलील को मंजूर करते हुए कहा कि पति की मासिक आय करीब 12 लाख रुपये है। ऐसे में पत्नी को पति की हैसियत के हिसाब से दो लाख रुपये महीना गुजाराभत्ता देने का आदेश देना न्यायसंगत है। पति की तीन दवा कंपनियां : अदालत में जमा कराए गए हलफनामे में बताया गया कि महिला

के पति की तीन दवा कंपनियां चल रही हैं, जिनसे अच्छी-खासी आमदनी होती है। हालांकि, महिला ने प्रतिमाह 25 लाख रुपये के गुजाराभत्ते की मांग की थी, लेकिन अदालत ने कहा कि प्रतिवादी पति की ओर से पेश आयकर दस्तावेजों के अनुसार, उसकी मासिक आय 11 लाख 53 हजार 40 रुपये है। ऐसे में अदालत उतना ही गुजाराभत्ता देने का आदेश दे सकती है, जो कानूनी व व्यावहारिक तौर पर सही हो।

पति की आय से तय होता है गुजाराभत्ता : कोर्ट

अदालत ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की आय के हिसाब से पत्नी का गुजाराभत्ता तय किया जाता है। इस मामले में स्पष्ट तौर पर पति की मासिक आमदनी 11 लाख 53 हजार रुपये सामने आई है। ऐसे में महिला को दो लाख रुपये का गुजाराभत्ता देना सही होगा। अदालत ने यह भी कहा कि दो लाख रुपये महज घर खर्च चलाने के लिए हैं, जबकि महिला पहले से ही पति के एक अलग घर में रह रही है।

पिता के साथ रहती हैं दो बेटियां : इस दंपती की दो बेटियां हैं, जो पिता के साथ ही रहती हैं। बड़ी बेटी पिता की कंपनियों में हिस्सेदार है, इसलिए अदालत ने मुआवजा रकम तय करते समय बड़ी बेटी को आत्मनिर्भर माना है। वहीं, छोटी बेटी की परवरिश की जिम्मेदारी पिता पर होने के चलते उसकी गुजाराभत्ता रकम पिता के हिस्से में ही रहने दी गई है। अदालत ने इस मामले में प्रतिवादी की 11 लाख 53 लाख रुपये की आय को चार भागों में विभाजित किया है। दो हिस्से पति के रखे गए हैं। एक हिस्सा छोटी बेटी और चौथा हिस्सा पत्नी को दिया गया है, क्योंकि छोटी बेटी पिता के साथ ही रह रही है। ऐसे में तीसरा हिस्सा भी पिता के पास ही रहेगा।

इनेलो जिला परिषद चुनाव पार्टी सिंबल पर लड़ेगी : चौटाला

एजेंसी

सिरसा । इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के प्रधान महासचिव व ऐलनाबाद के विधायक अभय सिंह चौटाला ने कहा कि हरियाणा में जिला परिषद के चुनाव इनेलो अपने पार्टी सिंबल पर लड़ेगी, उम्मीद है जिसके सकारात्मक परिणाम आएंगे।

चौटाला शुक्रवार को रानियां हलके के अपने चार दिवसीय जनसंपर्क अभियान के दौरान गांव साहुवाला प्रथम में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हाल ही में प्रदेशभर में हुए निकाय चुनावों में कुछ स्थानों पर इनेलो अपने पार्टी सिंबल पर लड़ी और उसके बेहतर परिणाम सभी के सामने हैं। इनेलो नेता ने कहा कि पार्टी पंचायती चुनावों के लिए पूरी तरह से तैयार है और सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को भी इसके लिए कमर कसनी चाहिए।

चौटाला ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति चौधरी देवीलाल जयंती पर सम्मान दिवस समारोह इस बार फतेहाबाद में आयोजित किया जाएगा,जो ऐतिहासिक होगा। इस सम्मान दिवस समारोह में हरियाणा से लाखों लोग चौधरी देवीलाल को श्रद्धासुमन देकर उनके प्रति अपनी श्रद्धा जाहिर करेंगे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में केवल हरियाणा से ही नहीं बल्कि अन्य राज्यों से भी अनेक लोग चौधरी देवीलाल को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे।

जज बनकर माता-पिता का नाम रोशन करना चाहती है 'आस्था अग्रवाल'

देहरादून। इन्टरमीडिएट मे 97.25 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल मे टापर रही 'आस्था अग्रवाल' जज बनकर माता-पिता का नाम रोशन करना चाहती है। देहरादून के प्रतिष्ठित स्कूल 'ओक्सफोर्ड स्कूल आफ एक्सीलेंस' की छात्रा 'आस्था अग्रवाल' ने इन्टरमीडिएट मे शानदार प्रदर्शन करते हुए 97.25 प्रतिशत अंक हासिल कर स्कूल मे प्रथम स्थान हासिल किया है। स्कूल के डायरेक्टर राहुल देव,एक्जूक्यिटव अथारिटी बी के थपलियाल, प्रिंसिपल रचना श्रीवास्तव, कोआर्डिनेटर दीपिका ने इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए आस्था के उज्जवल भविष्य की कामना की है। आस्था अग्रवाल भविष्य मे जज बनकर अपने माता-

पिता का नाम रोशन करना चाहती है। जुडिशियरी को ही अपना कैरियर बनाने के दृढ संकल्प को पूरा करने के लिए आस्था ने उत्तराखंड के अतिप्रतिष्ठित 'ला कालेज' (उत्तरांचल यूनिवर्सिटी) मे बीबीए एलएलबी मे एडमिशन लिया है। ज्ञातव्य है कि आस्था के माता-पिता सुरेन्द्र अग्रवाल व रचना अग्रवाल दोनों ही पत्रकारिता से जुड़े हैं।

कर्नाटक में हालिया हत्याएं 'संगठित अपराध': बोम्मई

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के युवा नेता प्रवीण नेट्टारू और अन्य की हत्याओं को शुक्रवार को 'संगठित अपराध' करार देते हुए राज्य में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की बढ़ती आपराधिक करतूतों के लिए पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सिद्धारमैया को जिम्मेदार ठहराया।

श्री बोम्मई ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने प्रवीण और अन्य की हत्याओं को गंभीरता से लिया है। मैं इन घटनाओं को केवल हत्या के रूप में नहीं देख रहा हूं। आप इसे समझें। ये संगठित अपराध हैं। कुछ दिनों तक प्रतीक्षा करें और आप कार्रवाई देखेंगे।

मुख्यमंत्री ने मोहम्मद फैसल की हत्या का जिक्र करते हुए कहा, हम सभी हत्याओं को एक तरह से ले रहे हैं। हमारे लिए प्रत्येक नागरिक का जीवन महत्वपूर्ण है। हम हत्याओं में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेंगे। मंगलुरु के बाहरी इलाके सुरथकल में नकाबपोश बदमाशों ने गुरुवार शाम घातक हथियार से हमला करके फैसल की हत्या कर दी थी।

बोम्मई ने दक्षिण कन्नड़ और उडुपि जिलों में स्थिति का जायजा लेने के संबंध में कहा कि वह इन क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस महानिदेशक और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक बुला रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और उनमें से एक 55 सड़कें हैं जो दक्षिण कन्नड़ जिले से केरल की ओर जाती हैं।

उन्होंने कहा, हम तय करेंगे कि इन सड़कों का प्रबंधन कैसे किया जाए, क्योंकि कई असामाजिक तत्वों के अपने नापाक कामों को अंजाम देने के लिए कर्नाटक में घुसने की आशंका है।

मुख्यमंत्री ने कानून-व्यवस्था बिगड़ने को लेकर कर्नाटक सरकार की आलोचना करने वाले श्री सिद्धारमैया पर निशाना साधते हुए कहा कि मौजूदा सरकार ने हालिया हत्याओं में शामिल लोगों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की है। उन्होंने कहा, जब सिद्धारमैया मुख्यमंत्री थे, 32 हत्याएं हुई थीं। वह क्या कर रहे थे ? हमने त्वरित कार्रवाई की है और प्रवीण और पहले के मामलों में हमलावरों को गिरफ्तार किया है।

श्री बोम्मई ने कहा, अगर कोई हर चीज को राजनीति के चश्मे से देखता है तो ऐसा ही लगता है। सिद्धारमैया के बयान का कोई महत्व नहीं है। हम स्थिति को संभालना जानते हैं। उन्होंने कर्नाटक में एसडीपीआई और पीएफआई की आपराधिक गतिविधियों में वृद्धि के लिए कांग्रेस, विशेष रूप से श्री सिद्धारमैया को भी दोषी ठहराया।

नयी शिक्षा नीति युवाओं के लिए अधिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करती है : मोदी

एजेंसी

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि नयी शैक्षिक नीति बदलती परिस्थितियों में युवाओं को निर्णय लेने में अधिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करती है।

मोदी यहां अन्ना विश्वविद्यालय के 42वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह को संबोधित करने वाले श्री मोदी 70 साल के बाद दूसरे प्रधानमंत्री हैं। इससे पहले प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इस विश्विविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित किया था।

प्रधानमंत्री ने कहा, हम भाग्यशाली हैं कि आप लोग भारत के भविष्य के साथ-साथ अपने भविष्य का निर्माण करेंगे। आपका विकास भारत का

विकास है, आपकी सीख भारत की सीख है, आपका भविष्य है भारत का भविष्य। हर अवसर का लाभ उठाएं और इसका सर्वोत्तम लाभ उठाएं।

मोदी ने कहा कि एक मजबूत सरकार प्रतिबंधात्मक नहीं बल्कि उत्तरदायी होती है। यह हर क्षेत्र में दखल नहीं देती बल्कि खुद को सीमित करके लोगों की प्रतिभा के लिए उचित स्थान बनाती है।

उन्होंने कहा, पहले धारणा थी कि मजबूत सरकार वही है जो सब कुछ और हर किसी को नियंत्रित करती है। हमने इसे बदल दिया है। मजबूत सरकार सब कुछ और सभी को नियंत्रित नहीं करती बल्कि यह व्यवस्था को नियंत्रित करती है। एक मजबूत सरकार प्रतिबंधात्मक नहीं बल्कि उत्तरदायी है। मजबूत सरकार हर क्षेत्र में दखलंदाजी नहीं करती है। वह खुद को सीमित करती है और लोगों की प्रतिभा के लिए जगह बनाती है। इसलिए आप सभी क्षेत्रों में सुधार देखते हैं। लोगों को अपने दम पर निर्णय लेने की स्वतंत्रता है। नयी शिक्षा नीति बदलती परिस्थितियों में युवाओं को उनके अनुसार निर्णय लेने की अधिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करती है।

मोदी ने युवाओं से खुद जोखिम लेने या दूसरों द्वारा बनाए गए अवसरों का भी लाभ उठाने भी अपील की। उन्होंने भारत को डिजिटल भुगतान प्रौद्योगिकी में विश्व का एक अग्रणी देश बताया और कहा कि बच्चे भी प्रौद्योगिकी का उपयोग करना सीख रहे हैं और डिजिटल भुगतान सुविधा का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यदि आप उन्हें नकद देते हैं तो वे केवल डिजिटल को तरजीह करते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यहां तक कि गरीब से गरीब व्यक्ति भी तकनीक को अपना रहा है। घर वाले भी इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। तकनीक का इस्तेमाल कर बच्चे सीख रहे हैं। छोटे विक्रेता डिजिटल भुगतान का उपयोग कर रहे हैं। यदि आप उन्हें नकद देते हैं, तो वे कहेंगे कि वे डिजिटल भुगतान को तरजीह देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी उद्योग आपके नवाचारों को आगे ले जाने का इंतजार कर रहा है।

मोदी के स्नेह से प्रदेश निरंतर विकास की ओर : ठाकुर

शिमला। हिमाचल के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने विपक्ष के बेबुनियाद आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्नेह से प्रदेश विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने प्रदेश को 800 करोड़ रुपये की विशेष आर्थिक सहायता प्रदान की है और सभी केन्द्रीय परियोजनाओं के लिए 90:10 की औसत से प्रदेश को केंद्रीय वित्त फंड सुनिश्चित कर प्रदेश का विशेष श्रेणी का दर्जा बहाल किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि देश के एकमात्र प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने कई बार प्रदेश का दौरा किया और प्रदेश के विकास और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शगुन योजना के अन्तर्गत अब तक 17 करोड़ रुपये से अधिक व्यय कर 6626 लाभार्थी लाभान्वित हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान वित्त वर्ष में 27.30 करोड़ रुपये बजट प्रावधान रखा गया है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा हिमाचल पथ परिवहन निगम की बसों में महिला यात्रियों को बस किराए में 50 प्रतिशत छूट प्रदान करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है, जिससे प्रदेश की लाखों महिला यात्री लाभान्वित हो रही हैं।

शार्ट न्यूज

द्वारका तीज महोत्सव में दिखा महिलाओं का उत्साह

नई दिल्ली। पैसिफिक मॉल छ21 में हरियाली तीज के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय तीज महोत्सव का आयोजन किया है। 29 से 31 जुलाई तक चलने वाले इस महोत्सव में द्वारका उपनगर की महिलाएं उत्साह के साथ हिस्सा ले रही हैं। महिलाओं के लिए यहां विशेष रूप से महेंदी, मुजिकल नाइट और मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया है। तीज महोत्सव के आयोजन पर पैसिफिक मॉल के कार्यकारी निदेशक अभिषेक बंसल ने कहा, ''हरियाली तीज एक पावन पर्व है जिसका भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व है। हमने इस कार्यक्रम के जरिए महिलाओं के इस पर्व को खास बनाने की कोशिश की और मॉल आने वाली महिलाएं ने जिस उत्साह के साथ इसमें हिस्सा ले रही हैं उससे लगता है कि हम अपनी कोशिश में सफल हुए हैं। हम सभी महिलाओं को तीज की शुभकामनाएं देते हैं।

मेवाड़ में तीज पर हुए रंगारंग कार्यक्रम

गाजियाबाद। मेवाड़ इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में तीज पर विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम व अनोखी मनोरंजक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। डॉ. स्मिता लता सिन्हा ने मिस तीज क्वीन तो शिवम सिंह ने मिस्टर तीज का खिताब जीता। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया और निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल ने विजेताओं को पुरस्कार दिये। मेवाड़ इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल ने डॉ. स्मिता लता सिन्हा को तीज क्वीन का ताज पहनाया। तीज में एकल व सामूहिक नृत्यों ने खूब समां बांधा। लॉ, मैनेजमेंट, एचएसएस, बायोटेक, बीएड, डीएलएड आदि विभाग के शिक्षक-शिक्षिकाओं दयावती, कनिष्का जिंदल, श्रेया अग्रवाल, निहारिका, सोनल, शिल्पी, राधिका, शिवानी मल्हार, नीलम कौशिक, संगीता धर, डॉ. अरुणा भारद्वाज आदि ने गीत, एकल एवं समूह नृत्यों से कार्यक्रम में चार चांद लगाये। अमित पाराशर ने अपने मनमोहक अंदाज में कुशल संचालन किया। इस मौके पर चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि ऐसे उत्सव तनाव कम करते हैं और स्वस्थ माहौल को जन्म देते हैं। अंत में मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट की निदेशिका ने सबका आभार व्यक्त किया और तीज के त्योहार की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मेवाड़ यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर लोकेश कुमार समेत मेवाड़ परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

एनएचपीसी ने जिला प्रशासन, फरीदाबाद को 'हर घर तिरंगा' अभियान हेतु सीएसआर के तहत 5000 तिरंगे झंडे भेंट किए

फरीदाबाद। एनएचपीसी, भारत की अग्रणी जलविद्युत कंपनी ने 13 अगस्त से 15 अगस्त 2022 तक आजादी का अमृत महोत्सव के तहत मनाए जाने वाले हर घर तिरंगा अभियान के उत्सव के लिए सीएसआर नीति के तहत जिला प्रशासन, फरीदाबाद को 5000 तिरंगे झंडे प्रदान किए है। 29 जुलाई 2022 को फरीदाबाद में वरिष्ठ एनएचपीसी अधिकारियों द्वारा श्री जितेंद्र यादव, आईएएस, उपायुक्त, फरीदाबाद को झंडे भेंट किए गए।

पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर ने पाँच थाना प्रभारियों के कार्यक्षेत्र बदले

नोयडा। गौतमबुद्धनगर के पुलिस कमिश्नर आलोक कुमार सिंह ने कानून व्यवस्था को दुरुस्त बनाने के उद्देश्य से पाँच थाना प्रभारियों के कार्यक्षेत्रों में बदलाव किया है। थाना सेक्टर 58 के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार यादव का तबादला जालौन हो जाने के कारण कोतवाली फेस थ्री के प्रभारी निरीक्षक विवेक त्रिवेदी को सेक्टर 58 कोतवाली, वाचक न्यायालय अपर पुलिस आयुक्त/पुलिस आयुक्त निरीक्षक विजय कुमार को थाना फेस थ्री, ग्रेटर नोएडा के आईटी सेल में तैनात निरीक्षक सत्येंद्र कुमार को थाना सेक्टर 126, सेंट्रल नोएडा के आईटी सेल में तैनात निरीक्षक अमित कुमार को थाना सेक्टर 24, थाना सेक्टर 24 के प्रभारी निरीक्षक ज्ञान सिंह को थाना जारचा का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। जारचा थानाध्यक्ष श्रीपाल को लाइन हाजिर कर पुलिस लाइन भेजा गया है।

पुलिस ने कार से स्टंट करने वाले वाहन स्वामी सहित छः व्यक्तियों को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना नॉलेज पार्क पुलिस कार स्टंट करने वाले वाहन स्वामी सहित छः व्यक्तियों कुशाग्र सैन पुत्र ब्रजमोहन निवासी शिव शक्ति अपार्टमेंट सेक्टर-71 नोएडा, प्रशांत रावत पुत्र विजय सिंह रावत निवासी शिव शक्ति अपार्टमेंट सेक्टर-71 नोएडा, हिमांशु सैन कुमार पुत्र हरीश कुमार निवासी शिव शक्ति अपार्टमेंट सेक्टर-71 नोएडा, सुमित पुत्र संजय शुक्ला निवासी शिव शक्ति अपार्टमेंट सेक्टर-71 नोएडा, कुनाल नेगी पुत्र अर्जुन सिंह नेगी निवासी पंचशील ग्रीन्स-2 नियर रोजा याकूबपुर थाना बिसरख नोएडा, तनिष्क यादव पुत्र संजय कुमार सिंह निवासी आवास विकास कॉलोनी जिला बलिया वर्तमान पता स्काईटेक मेट्रोट सेक्टर-76 नोएडा को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस को मिली स्टंट करने में प्रयुक्त एक कार को सीज कर दिया है। गौरतलब है कि गुरुवार को थाना नॉलेज पार्क क्षेत्रांतर्गत नॉलेज पार्क-3 स्थित ब्लू बेल होटल के सामने सड़क पर कुछ व्यक्तियों द्वारा अपनी गाड़ी नंबर यूपी 16 ए वाई 5023 से स्टंट किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। गिरफ्तार अभियुक्तगणों के विरुद्ध पुलिस द्वारा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

जेवर पुलिस ने घर से मोबाइल फोन चोरी करने वाले चोर को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। जेवर पुलिस ने घर से मोबाइल फोन चोरी करने वाले अभियुक्त अंकित पुत्र तेजपाल निवासी गाँव दयोरार थाना जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर को थाना क्षेत्र के थोरा चौराहे से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने चोरी किया हुआ एक मोबाइल फोन बरामद किया है। गुरुवार को वादी लेखराज शर्मा निवासी गाँव दयोरार थाना जेवर गौतमबुद्धनगर ने थाना जेवर पर अभियुक्त अंकित पुत्र तेजपाल निवासी गाँव दयोरार थाना जेवर गौतमबुद्धनगर द्वारा वादी के घर से मोबाइल फोन चोरी कर लेने व मांगने पर गाली गलौच करने के सम्बन्ध में तहरीर दी गई थी। जिस पर थाना जेवर पर मुकदमा अपराध संख्या 281/2022 धारा 380, 504 भादवि के तहत पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

डेंगू-चिकनगुनिया की दवा नहीं खरीदकर दिल्लीवालों की जान से खिलवाड़ कर रही पीएम मोदी की भाजपा शासित एमसीडी

इतिहास में पहली बार एमसीडी ने ना डेंगू-चिकनगुनिया की दवा खरीदी और ना ही जागरुकता अभियान चलाया : दुर्गेश पाठक

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। 'आप' विधायक एवं एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने कहा कि पीएम मोदी जी के नेतृत्व में चल रही भाजपा शासित एमसीडी ने दिल्ली में डेंगू और चिकनगुनिया की रोकथाम के लिए अबतक दवा नहीं खरीदी है। केजरीवाल सरकार के बड़े योगदान के साथ इस साल दिल्ली में डेंगू के मात्र 33 मामले आए हैं। लेकिन यदि मोदी जी ने समय से दवा खरीदकर छिड़काव नहीं करवाया तो हालात बिगड़ सकते हैं। आम आदमी पार्टी ने पीएम मादी से तत्काल दवाई खरीदकर छिड़काव कराने की मांग की है। दुर्गेश पाठक ने कहा कि मोदी जी को केजरीवाल से ना जाने कैसी नफरत है कि उनको बदनाम करने के लिए दिल्लीवालों की जान को खतरे में डाला जा रहा है।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता, राजेंद्र नगर से विधायक एवं एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 5-6 सालों में डेंगू और चिकनगुनिया की रोकथाम में अरविंद केजरीवाल सरकार का बड़ा योगदान रहा है। आप लोगों को ध्यान होगा कि 2013, 2014 और 2015 में दिल्ली में डेंगू से होने वाली मौतों से संबंधित खबरें बहुत दिखाई जाती थीं। लेकिन अरविंद

केजरीवाल की सरकार ने जबरदस्त तरीके से काम किया और आज जब हम जुलाई और अगस्त के महीने में हैं तो डेंगू और चिकनगुनिया के केस लगभग-लगभग आने बंद हो गए हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी जी दिल्ली वालों की इस खुशी और केजरीवाल सरकार की उपलब्धि से नाखुश हैं। दिल्ली सरकार की डेंगू और चिकनगुनिया की इस इस लड़ाई को मोदी जी फेल करने में लगे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि डेंगू और चिकनगुनिया की रोकथाम का सबसे महत्वपूर्ण फेक्टर डेंगू की दवाई का छिड़काव है।

मोदी जी के नेतृत्व वाली एमसीडी के इतिहास में पहली बार दिल्ली में डेंगू और चिकनगुनिया के मच्छरों को मारने की जो दवा है, वह दवा खरीदी ही नहीं खरीदी गई है। उसका टेंडर तक जारी नहीं किया गया है और ना ही उससे संबंधित कोई जागरुकता कार्यक्रम किया गया है।

'आप' विधायक ने कहा कि पीएम मोदी जी ने तय कर लिया है कि दिल्लीवालों को फिर से डेंगू और चिकनगुनिया की पुरानी स्थिति में डालना है।

आपको ध्यान होगा कि 2017 में 577 मामले आए थे, 2018 में 473 मामले आए, 2019 में 713 मामले आए, 2020 में सिर्फ 215 मामले आए, 2021 में मात्र 160 मामले आए और 2022 में अभीतक सिर्फ 33 मामले आए हैं। मॉनसून चल रहा है, ऐसे में जगह-जगह पानी इकट्ठा होना आम बात है जिसके कारण डेंगू और चिकनगुनिया के मच्छर पैदा होंगे। ऐसे महत्वपूर्ण समय में पीएम मोदी जी को राजनीति सूझ रही है। मोदी जी के नेतृत्व में चल रही एमसीडी अपना काम नहीं कर रही है। इस बार मच्छरों को मारने की दवा तक नहीं खरीदी गई है जिससे दिल्ली वालों पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है।

पीएम मोदी से मांग करते हुए विधायक दुर्गेश पाठक ने कहा कि दिल्लीवालों से इस प्रकार दुश्मनी ना निकाली जाए। पहले ही बहुत वक्त निकल गया है इसलिए तत्काल प्रभाव से डेंगू और चिकनगुनिया की दवाई का प्रबंध किया जाए।

मादी जी से विनती है कि राजनीति छोड़कर, केजरीवाल से नफरत की मंशा को पीछे छोड़कर दिल्लीवालों के स्वास्थ्य का ख्याल रखा जाए।

सांसद मनोज तिवारी की शिकायत पर दिल्ली सरकार द्वारा स्कूलों में बनाए गए कच्चे कमरों की लोकायुक्त कोर्ट द्वारा जांच के आदेश

एक नही कई मामलों में मनीष सिसोदिया जाएंगे जेल : प्रवेश साहिब सिंह वर्मा

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी की शिकायत पर आज लोकायुक्त कोर्ट में लंबी बहस हुई वकीलों द्वारा की गई बहस और शिकायतकर्ता सांसद मनोज तिवारी का पक्ष सुनने के बाद लोकायुक्त कोर्ट ने घोटाले के आरोप की जांच करने और अगली सुनवाई तारीख पर जांच रिपोर्ट पेश करने के आदेश दे दिए इस अवसर पर सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा भाजपा नेता हरीश खुराना नीलकांत बक्शी और पार्टी की विधि प्रकोष्ठ की टीम के अधिवक्ता अमित तिवारी पवन नारंग और नीरज कुमार मौजूद रहे।

सुनवाई और कोर्ट के आदेश के बाद पत्रकारों से बात करते हुए सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि दिल्ली सरकार ने सरकारी स्कूलों में अतिरिक्त कमरा बनाने के लिए टेंडर किए थे और जो कमरे रु 5लाख में बन जाने चाहिए थे उन पर रु 25 लाख से लेकर रु 28लाख तक खर्च किया गया जिसकी जांच की मांग हमने हमारे सहयोगी प्रवेश वर्मा एवं अन्य ने की थी तो दिल्ली सरकार के मंत्री मनीष सिसोदिया ने हमारे ऊपर मानहानि का दावा कर दिया था जिसका सामना हमने किया लेकिन पूरे मामले की शिकायत हम ने लोकायुक्त से की और आज हमें खुशी है कि तथ्यों के आधार पर और बहस के दौरान प्रस्तुत साक्ष्य देखने के बाद माननीय लोकायुक्त ने दिल्ली के मुख्य सचिव को पूरे मामले की जांच कर अगली सुनवाई तारीख पर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है कोर्ट ने विभागीय हलफनामा भी पेश करने की जरूरत पर जोर दिया है उन्होंने कहा कि हमने प्रयास किया था की जनता की गाढ़ी कमाई का पैसा जो घोटाले के जरिए लूटा गया उसके दोषियों को सजा मिले और बड़ी हद तक हमें इस प्रयास में सफलता मिलती नजर आ रही है 2 वर्ष तक लोकायुक्त ना होने की वजह से पूरे मामले की कार्यवाही में विलंब हुआ वरना अब तक दोषी अपने अंजाम तक पहुंचे होते।

सुनवाई के दौरान मौजूद रहे सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने कहा कि मनीष सिसोदिया और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में सरकार ने करोड़ों का घोटाला किया है और पूरे मामले की गंभीरता को समझते हुए लोकायुक्त ने संज्ञान लिया है जिस काम के लिए रु 500000 खर्च होने चाहिए थे 2800000 रुपए की पेमेंट की गई और फिर उसी को आधार बनाकर बिना टेंडर किए स्कूलों के कमरों का ठेका उसी कंपनी को दिया गया जो कमरे बनाए गए उनकी फायर फाइटिंग की एनओसी नहीं है निगम से बिल्डिंग प्रमाण पत्र नहीं लिया गया है उन्होंने कहा कि बिना टेंडर प्रक्रिया के मौखिक आदेश देकर मनीष सिसोदिया और अरविंद केजरीवाल ने सोची समझी साजिश के तहत एक भ्रष्टाचार किया है और हमें आशा है कि एक नहीं कई मामलों में शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को जेल जाना पड़ेगा मैं मनोज तिवारी को जनता के हित में उठाई गई आवाज में मिली सफलता के लिए बधाई देता हूं।

पुलिस ने जगदम्बा ज्वैलर्स से सोने की अगुँठी चोरी करने वाले चोर को किया गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की गयी पांच सोने की अगुँठी बरामद

नोयडा। थाना सेक्टर-63 पुलिस ने जगदम्बा ज्वैलर्स से सोने की अगुँठी चोरी करने वाले चोर प्रशान्त तिवारी पुत्र राजेश तिवारी निवासी आदमपुर थाना सान्डी जिला हरदोई वर्तमान निवासी गली नम्बर-2 ग्राम छिजारसी थाना सेक्टर-63 गौतमबुद्धनगर को थाना क्षेत्र के सेक्टर-62 गोल चक्कर के पास से शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने दो लाख रुपये कीमत चोरी की गई पाँच अंगूठी बरामद की है। गौरतलब है कि 22 जुलाई 2022 को वादी संदीप शर्मा पुत्र मेघराज शर्मा निवासी गांव-छजारसी थाना सेक्टर-63 नोएडा द्वारा थाना सेक्टर-63 पर सूचना दी गई की वह दोपहर में अपनी जगदम्बा ज्वैलर्स दुकान पर बैठे हुए थे तभी एक व्यक्ति आया और उसने उनको सोने की अगुँठी दिखाने को कहा तो उन्होनें उसको अगुँठी दिखाई तो उक्त व्यक्ति द्वारा और अगुँठी दिखाने को बोला गया। जिसपर वह तिजौरी की तरफ अगुँठी लेने गये तो वह व्यक्ति काउंटर पर रखी पाँच अगुँठी लेकर भाग गया। जिसके सम्बन्ध में थाना सैक्टर 63 मुकदमा पंजीकृत किया गया था। विवेचना के दौरान सीसीटीवी कैमरे की सहायता व कड़े प्रयास से उक्त घटना का सफल अनावरण करते हुए शत प्रतिशत बरामदगी कर ली गई है। अभियुक्त द्वारा बताया गया कि मैने 22 जुलाई 2022 को जगदम्बा ज्वैलर्स की दुकान से सोने की पाँच अगुँठी चोरी की थी तथा घटना से तीन दिन पहले भी मै जगदम्बा ज्वैलर्स की दुकान पर गया था एवं रैकी की थी एवं आज मैं अगुँठियों को दिल्ली बेचने जा रहा था। अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है। जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आईआईएमटी कॉलेज ग्रेटर नोएडा में हुआ बिजली महोत्सव एवं ऊर्जा दिवस का आयोजन

ग्रेटर नोएडा। भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप शासन के निर्देशों के क्रम में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत प्रदेश के समस्त जनपदों में बिजली के क्षेत्र की प्रमुख उपलब्धियों से आम नागरिकों को अवगत कराने एवं विद्युत विभाग के द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने व भविष्य में प्राप्त होने वाली विकास की सम्भावनाओं का प्रदर्शन करने के उद्देश्य से प्रदेश भर में 25 जुलाई से 31 जुलाई 2022 तक बिजली महोत्सव एवं ऊर्जा दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप जनपद गौतमबुद्धनगर में जिलाधिकारी सुहास एलवाई के नेतृत्व में आईआईएमटी कॉलेज ग्रेटर नोएडा के सभागार में बिजली महोत्सव एवं ऊर्जा दिवस का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद डॉ महेश शर्मा एवं जेवर क्षेत्र के विधायक धीरेंद्र सिंह के द्वारा दीप प्रज्वलित करते हुए किया गया। जिसमें मुख्य विकास अधिकारी तेज प्रताप मिश्र, मुख्य अभियंता विद्युत विभाग वीरेन्द्र नाथ सिंह, संयुक्त निदेशक विद्युत विभाग मनोज कुमार जायसवाल, अधीक्षण अभियंता प्रथम नोएडा विद्युत विभाग संजीव कुमार वैश्य तथा वरिष्ठ अधिकारीगण एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में गौतमबुद्धनगर के सांसद डॉ महेश शर्मा ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश व प्रदेश की दिशा एवं दशा दोनों बदल रही है। उन्होंने कहा कि पहले ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को खेती करने के लिए बिजली का इंतजार करना होता था और रात में अपने खेतों की सिंचाई करनी पड़ती थी। परंतु देश और प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बनने के बाद से ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति को 12 घंटे से बढ़ाकर 22 घंटे कर दिया गया है। अब ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को रातों को जाग जाग कर अपने खेतों में सिंचाई करने की जरूरत नहीं पड़ती।

उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का आहवान करते हुये कहा कि हम लोगों के पास बिजली एवं जल सीमित मात्रा में है इसलिए हम लोगों को बिजली व जल के अनावश्यक प्रयोग से बचना होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा विद्युत विभाग के माध्यम से विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं,व। जिनका लाभ उठाकर पात्र लाभार्थी विकासपथ पर अग्रसर हो रहे हैं।

प्राचीन भारत संबंधी पुस्तक मेले आयोजित करें शिक्षण संस्थान : डॉ. इंद्रेश कुमार

डॉ. ऋतु छिकारा की पुस्तक 'भारत- प्रज्ञा बोध' का विमोचन समारोह

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। मुस्लिम आक्रांताओं ने भारत के विश्व प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों और पुस्तकालयों को नष्ट किया ताकि भारतीय संस्कृति और ज्ञान को नष्ट किया जा सके। इसलिए भारत के शिक्षण संस्थानों को स्कूली छात्रों के लिए प्राचीन भारत ज्ञान संबंधी पुस्तक मेलों का आयोजन करना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य डॉ. इंद्रेश कुमार ने लेखिका डॉ. ऋतु छिकारा की पुस्तक भारत- प्रज्ञा बोध का विमोचन करते हुए ये बातें कहीं।

दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. बीएल मुंजाल यूनिवर्सिटी मानव संसाधन विकास केंद्र में शुक्रवार को डॉ. ऋतु छिकारा की पुस्तक भारत- प्रज्ञा बोध

का विमोचन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. इंद्रेश कुमार मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित रहे। वहीं, डीयू के डीन ऑफ कॉलेजेस प्रो. बलराम पाणी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे। डॉ. बलराम पाणी ने कहा कि डॉ. ऋतु की पुस्तक नेशनल एजुकेशन पॉलिसी- 2020 के क्रियान्वयन के लिए बेहद उपयोगी है और स्कूली छात्रों को इसे जरूर पढ़ना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्ष और केंद्र की निदेशक प्रो. गीता सिंह ने भारतीय प्रज्ञा की सार्वभौमिकता और विशालता पर अपने विचार प्रकट किए। इस अवसर पर डॉ. राजबीर सोलंकी, डॉ. राजबीर सिंह परिहार, अफोर्डेबल प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. लक्ष्य छाबड़िया, डेवलपिंग इंडिपेंडेंट स्कूल अलायन्स के अध्यक्ष सत्यवीर सिंह मावी, हेमंत गुप्ता और डॉ. सचिन वशिष्ठ ने भी पुस्तक पर अपने विचार प्रकट किए।

दिल्ली विधानसभा का मानसून सत्र तुरंत बुलाया जाए: बिधूड़ी

केजरीवाल सरकार पर लगे आरोपों पर विपक्ष मांग रहा है जवाब

संवाददाता/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने मांग की है कि विधानसभा का कम से कम दस दिन का मानसून सत्र तुरन्त बुलाया जाए। उन्होंने कहा कि हाल ही में केजरीवाल सरकार इतने सारे आरोपों में घिर चुकी है कि जनता के समक्ष उसकी जवाबदेही बनती है। दिल्ली सरकार विधानसभा में समस्याओं पर चर्चा करने से तो हमेशा भागती है लेकिन अब अपने ऊपर लगे आरोपों पर तो उसे विपक्ष के सवालों का जवाब देना ही होगा।

बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली सरकार की शराब नीति की सारी पोल खुल गई है और उपराज्यपाल महोदय ने इस मामले में सीबीआई जांच की सिफारिश कर दी है। स्वयं मुख्य सचिव की जिस रिपोर्ट पर जांच के आदेश दिए गए हैं उसमें उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की भूमिका पर सवाल उठते हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इसी तरह सीएजी रिपोर्ट में सरकार की नाकामियों को जिस तरह उजागर किया गया है, उस पर भी विपक्ष जवाब मांग रहा है। सीएजी रिपोर्ट में साफ तौर पर कहा गया है कि इस सरकार के पास कोई प्लानिंग या योजनाओं को लागू करने की दृष्टि ही नहीं है।

बिधूड़ी ने कहा कि बात यहीं कहां खत्म हो रही है। दिल्ली में सात अस्थाई अस्पतालों के निर्माण को लेकर बड़ा घपला सामने आया है क्योंकि अस्पताल सिर्फ कागजों में ही चल रहे हैं। इस मामले की जांच एंटी करप्शन ब्यूरो कर रहा है। दिल्ली में स्कूलों के कमरों के निर्माण में भारी धांधली हुई है और उसकी भी जांच चल रही है। दिल्ली में डीटीसी की बसों की खरीद में घोटाले की भी सीबीआई जांच हो रही है।

उनकी सरकार के एक मंत्री सत्येंद्र जैन पिछले करीब दो महीने से गिरफ्तार हैं, लेकिन केजरीवाल उनकी ईमानदारी की कसमें खाते फिर रहे हैं जबकि कोई अदालत उनकी जमानत भी नहीं ले रही। हैरानी की बात यह है कि वह मंत्री अपने आपको मेडिकली भी अनफिट घोषित कर चुके हैं क्योंकि ईडी से पूछताछ के दौरान उन्होंने खुद माना है कि कोविड से पीड़ित होने के बाद वह अक्सर बातें भूल जाते हैं। ऐसे व्यक्ति को किसी संवैधानिक पद पर नहीं रखा जाना चाहिए।

बिधूड़ी ने मांग की है कि इन सभी सवालों का जवाब देने के लिए सरकार मानसून सत्र तुरंत बुलाए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि विधानसभा सत्र बुलाने के लिए नियमानुसार 15 दिन का नोटिस दिया जाए और कम से कम 10 दिन का मानसून सत्र बुलाया जाए।

सट्टे का कर्ज उतारने को बीसीए पास युवक ने की थी ज्वैलरी शॉप में लूट

गाजियाबाद। गाजियाबाद के संजयनगर सेक्टर-23 की एक ज्वैलरी शॉप में ग्राहक बनकर पहुंचे युवक द्वारा सोने की तीन चेन लेकर फरार होने की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि सट्टे में हुआ कर्ज चुकाने के लिए युवक ने इस घटना को अंजाम दिया था। आरोपी की हरकत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी, जिसकी मदद से पुलिस उस तक पहुंच गई। पुलिस ने आरोपी से तीनों चेन बरामद कर ली हैं। संजयनगर ई-ब्लॉक निवासी गौरव कपिल सर्राफ हैं। ई-ब्लॉक में ही वह नक्षत्र ज्वैलर्स के नाम से दुकान चलाते हैं। मूलरूप से एटा निवासी सचिन उनकी दुकान पर बतौर कर्मचारी काम करता है। 27 जुलाई की सुबह करीब 10.20 बजे सचिन दुकान पर था। इसी दौरान एक युवक ग्राहक बनकर पहुंचा। पहले उसे बाली और फिर टॉप्स दिखाने के लिए कहा। टॉप्स पसंद करने के बाद उसने सोने की चेन खरीदने की भी इच्छा जताई तो सचिन ने चेन की ट्रे उसके सामने रख दी। युवक ने चेन की और डिजाइन दिखाने के लिए कहा। इस पर कर्मचारी जैसे ही अलमारी की तरफ मुड़ा तो युवक ट्रे में रखी सोने की तीन चेन लेकर फरार हो गया था। एसपी सिटी निपुण अग्रवाल ने बताया कि पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी।

पुलिस ने दो चोरों को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना दादरी पुलिस ने मन्दिर के दान पात्र से पैसे चोरी करने वाले दो चोरों मोनू पुत्र अहमद निवासी ग्राम घोडी बछेडा थाना दादरी गौतमबुद्धनगर, अमित पुत्र अशोक रावल निवासी ग्राम घोडी बछेडा थाना दादरी गौतमबुद्धनगर को थाना क्षेत्र के बिरयानी पुल के पास से शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 377/2022 धारा 380 भादवि से सम्बन्धित चोरी के 3500 रूपये नगद और दो चाकू बरामद किये हैं।

उदयन केयर के सपनों को साकार करते हुए दीपक शर्मा ने लॉन्च किया 'विंग्स टू फ्लाई'

नई दिल्ली। समाज के लिए कुछ अच्छा करने की प्रेरणा के साथ समाजसेवी और सामाजिक कार्यकर्ता दीपक शर्मा ने अपनी पहली किताब 'विंग्स टु फ्लाई' का अनावरण किया है। हाशिए पर जी रहे बच्चों की शिक्षा एवं कल्याण के लिए अपनी संपत्ति को दान देते हुए दीपक ने समाज में उल्लेखनीय योगदान दिया है और उन बच्चों को उड़ने के पंख यानी विंग्स टु फ्लाई दिए हैं। आज इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में नीरजा मलिक (कैंसर काउंसलर, प्रेरक वक्ता और लेखिका), रेखा गुप्ता (लैंगिक समानता के लिए संघर्ष करने वाली सामाजिक कार्यकर्ता), डॉ. शिव सरीन (संस्थापक-ट्रस्टी उदयन केयर, पद्म भूषण एवं वर्तमान समय में इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज, दिल्ली के डायरेक्टर) तथा डॉ. किरण मोदी (संस्थापक एवं मैनेजिंग ट्रस्टी, उदयन केयर) सम्माननीय अतिथियों के रूप में उपस्थित रहे और चेन्नई के नोशन प्रेस द्वारा प्रकाशित 'विंग्स टु फ्लाई' का अनावरण किया।

पुस्तक में दीपक शर्मा के सफर को समाहित किया गया है। इसमें उनके शानदार कॉरपोरेट कैरियर से लेकर लोगों के कल्याण के लिए स्वयं को समर्पित कर देने के उनके जीवन के नए पहलू तक सबकुछ व्याख्यायित किया गया है। इसमें उनके बचपन, किशोरावस्था और युवावस्था के दिनों की कहानी है। यह पुस्तक पाठकों को उनके समाज सेवा के 13 साल के सफर को पढ़ने और एक साधारण बच्चे की असाधारण कहानी को समझने का मौका देती है, जिसे दिल्ली के एनजीओ उदयन केयर से जुड़कर अपनी उड़ान के लिए पंख मिल जाते हैं। इसे अमेजन, फ्लिपकार्ट एवं नोशन प्रेस से खरीदा जा सकता है। 'विंग्स टु फ्लाई' में खूबसूरती से बताया गया है कि सफलता की सीढ़ियां चढ़ते समय कई बार हमें ठहरने और आसपास देखने की जरूरत भी होती है, जिससे हम गरीबी, असुरक्षा, दिव्यांगता एवं अन्य अक्षमताओं से जूझ रहे लोगों के सच और दर्द को जान सकें। दीपक ने कहा कि इस पुस्तक के प्रकाशन ने उन्हें जीवन का सबसे प्यारा पल दिया है। उन्होंने कहा, 'विंग्स टु फ्लाई मेरे आसपास के लोगों के वास्तविक विचारों एवं अनुभवों से प्रेरित है, जिसमें मेरे भी कुछ निजी अनुभव हैं। व्यक्तिगत तौर पर मेरा मानना है कि प्रत्येक बच्चा ऐसा फूल है, जो खिलने के लिए तैयार है।

उन्हें बस एक सहयोग, मार्गदर्शन, देखरेख और अच्छे समय की आवश्यकता होती है।' पुस्तक को लेकर नीरजा मलिक ने कहा, 'मुझे दीपक पर गर्व है।

उनके पूरे जीवन का अनुभव और उनका सफर एक दिव्यता के अनुभव से भरा है। समाज की सेवा करना उनका लक्ष्य रहा है। उन्होंने सुनिश्चित किया कि उदयन केयर लड़कियों, युवाओं और देश के भविष्य के कर्णधारों को सशक्त बनाए।'

संपादकीय

कोई पहल तो करे, अदालतों पर से मुकदमों का बोझ कम हो सकता है

देश में सबसे ज्यादा मुकदमे रेवेन्यू से जुड़े हुए हैं। गांवों में जमीन के बंटवारे या सीमा निर्धारण को लेकर देश की निचली अदालतों में अंबार लगा हुआ है। इस तरह के मुकदमों के निपटारे में ग्राम पंचायत की कहीं कोई भूमिका तय हो तो शायद कोई स्थाई समाधान संभव हो सकता है।

लाख प्रयासों के बावजूद देश की अदालतों में मुकदमों का अंबार कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश की अदालतों में सात करोड़ से अधिक मुकदमें लंबित हैं। इनमें से करीब 87 फीसदी मुकदमे देश की निचली अदालतों में लंबित हैं तो करीब 12 फीसदी मुकदमे राज्यों के उच्च न्यायालयों में लंबित चल रहे हैं। देश की सर्वोच्च अदालत में एक प्रतिशत मुकदमे लंबित हैं। पिछले दिनों जयपुर में आयोजित एक समारोह के दौरान न्यायालीय प्रक्रिया और सर्वोच्च न्यायालय में पैरवी करने वाले वकीलों की फीस को लेकार अच्छी खासी चर्चा हुई जो मीडिया की सुर्खियां भी बनी। वहीं अगस्त में कार्य भार संभालने वाले नए मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति यूयू ललित द्वारा अदालत में सुबह साढ़े नौ बजे सुनवाई आरंभ करने की पहल पर भी वाद-विवाद का दौर जारी है। उधर सरकार ने संसद के मानसून सत्र में कुछ बदलावों के साथ मध्यस्थता विधेयक लाने का संकेत दिया है तो दूसरी और न्यायाधीशों की भर्ती में एकरूपता लाने के केन्द्र के प्रयास लगभग विफल हो गए हैं।

हालांकि इसमें कोई दो राय नहीं कि न्यायालयों में मुकदमों का अंबार लगा हुआ है तो दूसरी ओर सभी पक्ष इसे लेकर चिंतित भी हैं। सवाल यह है कि मुकदमों के इस अंबार को कम करने के लिए कोई ऐसी रणनीति बनानी होगी जिससे अदालतों का भार भी कम हो, न्यायिक प्रक्रिया लंबी भी ना चले और लोगों को समय पर न्याय भी मिले। पिछले पांच साल में ही देश में लंबित मुकदमों की संख्या चार करोड़ से बढ़कर आज सात करोड़ हो चुकी है। हालांकि लोक अदालत के माध्यम से मुकदमों में कमी लाने की सार्थक पहल अवश्य की गई है पर लोक अदालतों में लाखों प्रकरणों से निबटने के बावजूद हालात में ज्यादा बदलाव नहीं आया है। दरअसल लाखों की संख्या में इस तरह के मुकदमे हैं जिन्हें निपटाने के लिए कोई सर्वमान्य समाधान खोजा जा सकता है। मुकदमों की प्रकृति के अनुसार उन्हें विभाजित किया जाए और फिर समयबद्ध कार्यक्रम बनाकर उन्हें निपटाने की कार्ययोजना बने तो समाधान कुछ हद तक संभव है। कुछ इस तरह के मुकदमे हैं जिन्हें आसानी से निपटाने की कोई योजना बन जाए तो मुकदमों की संख्या में कमी हो सकती है। इनमें खासतौर से यातायात नियमों को तोड़ने वाले मुकदमों की ऑनलाईन निपटान की कोई व्यवस्था हो जाए तो अधिक कारगर हो सकती है। इसी तरह से चैक बाउंस होने के लाखों की संख्या में मुकदमें हैं जिन्हें एक या दो सुनवाई में ही निस्तारित किया जा सकता है। इसी तरह से मामूली कहासुनी के मुकदमे जिसमें शांति भंग के प्रकरण शामिल हैं, उन्हें भी तारीख दर तारीख के स्थान पर एक ही तारीख में निपटा दिया जाए तो हल संभव है। इसी तरह से राजनीतिक प्रदर्शनों को लेकर दर्ज होने वाले मुकदमों के निस्तारण की भी कोई कार्ययोजना बन जाए तो उचित हो। इससे कम ग्रेविटी के मुकदमों का सहज निस्तारण संभव होगा तो न्यायालयों का समय भी बचेगा।

देश में सबसे ज्यादा मुकदमे रेवेन्यू से जुड़े हुए हैं। गांवों में जमीन के बंटवारे या सीमा निर्धारण को लेकर देश की निचली अदालतों में अंबार लगा हुआ है। इस तरह के मुकदमों के निपटारे में ग्राम पंचायत की कहीं कोई भूमिका तय हो तो शायद कोई स्थाई समाधान संभव हो सकता है। पंच परमेश्वर की अवधारणा कहीं इस तरह के मुकदमों के निपटारे में अधिक सहायक हो सकती है। स्थानीय स्तर पर समझाइश से इस तरह के मुकदमों पर शीघ्र निर्णय की एक संभावना बनती है। हो यह रहा है कि रेवेन्यू के मुकदमे अपील दर अपील, पीढ़ी दर पीढ़ी चलते रहते हैं और मामूली-सा सीमा विवाद लंबी कानूनी प्रक्रिया में उलझ कर रह जाता है। मीडिया ट्रायल पर भी अंकुश की आवश्यकता है क्योंकि इससे कुछ हद तक निर्णय प्रभावित होने की संभावना बनती है।

खतरों के खिलाड़ी से उड़ता ताबूत कैसे बना मिग-21?

अभिनय आकाश

रूस और चीन के बाद मिग-21 विमान का भारत तीसरा सबसे बड़ा उपयोगकर्ता माना जाता है। साल 1964 में मिग-21 विमा को पहले सुपरसोनिक फाइटर जेट के रूप में भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया था। आज से तीन साल पहले फरवरी के महीने में बालाकोट स्ट्राइक का बदला लेने भारत के वायुसीमा में घुसे पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को हमारे वायुयोद्धाओं ने खदेड़ दिया। इसी दौरान विंग कमांडर अभिनंदन ने पुरानी तकनीक वाले मिग 21 से पाकिस्तान के एफ-16 को मार गिराया। वैसे तो भारत के पास कई लड़ाकू विमान हैं लेकिन ज्यादातर मौकों पर मिग-21 का इस्तेमाल होता रहा है। इसे भारत का सबसे पुराना फाइटर जेट माना जाता है। मिग 21 को 1964 में भारतीय सेना में शामिल किया गया था। इसे सोवियत संघ द्वारा निर्मित किया गया था। लेकिन राजस्थान के बाड़मेर में मिग 21 के फिर से क्रैश होने पर इसकी सुरक्षा को लेकर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। पिछले कुछ सालों में कई मिग 21 हादसों का शिकार हुए हैं। इस विमान से पिछले 62 साल में 200 हादसे हुए हैं। किसी जमाने में फाइटर जेट मिग 21 विमान भारतीय वायुसेना की रीढ़ माने जाते थे। लेकिन अब ये विमान न तो जंग के लिए तैयार है और न उड़ान के लिए फिट है। हालांकि बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद मिग 21 विमान ने ही पाकिस्तानी फाइटर जेट्स के छक्के छुड़ाए थे। मिग 21 को फ्लाइंग कॉफिन यानी उड़ता ताबूत भी कहते हैं। एक बार फिर लड़ाकू विमान मिग-21 ने धोखा दिया। भारतीय वायुसेना के दो जाबांज वायुवीरों की मिग-21 फाइटर जेट में ही चिता बन गई। इंडियन एयर फोर्स का फाइटर जेट मिग 21 दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। बीती रात राजस्थान बाड़मेर में ट्रेनिंग के दौरान मिग-21 हादसे का शिकार हो गया। इस हादसे में मिग-21 में सवार दोनों पायलट शहीद हो गए। विमान का मलबा करीब आधे किलोमीटर के दायरे में फैल गया। जमीन पर गिरते ही विमान में आ लग गई। जहां विमान गिरा वहां कई फीट गहरा गड्ढा हो गया। एयरफोर्स के मुताबिक 28 जुलाई की शाम उतरलाई एयरबेस से ट्वीन सिटर मिग-21 ने उड़ान भरी। विमान ने ट्रेनिंग के लिए उड़ान भरी थी। रात करीब 9-10 मिनट पर विमान क्रैश हो गया। दोनों पायलट की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एयरचीफ मार्शल वीआर चौधरी से फोन पर बात की। इसके साथ ही राजनाथ सिंह ने हादसे पर दुख जताते हुए ट्वीट किया - राजस्थान में बाड़मेर के पास भारतीय वायुसेना के मिग-21 ट्रेनर विमान के दुर्घटना में दो वायु योद्धाओं के खोने से गहरा दुख हुआ। राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संत्पत परिवारों के साथ हैं। कोड ऑफ इनक्वायरी के आदेश दे दिए गए हैं। लेकिन इस हादसे के बाद मिग-21 की विश्वसनीयता पर फिर सवाल उठने लगे हैं। मिग 21 के क्रैश होने के पहले भी मामले सामने आते रहे हैं। बाड़मेर में ही पिछले साल भी मिग 21 दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। रूस और चीन के बाद मिग-21 विमान का भारत तीसरा सबसे बड़ा उपयोगकर्ता माना जाता है। साल 1964 में मिग-21 विमा को पहले सुपरसोनिक फाइटर जेट के रूप में भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया था। भारत ने रूस से इस विमान को यहीं पर असेंबल करने का अधिकार और तकनीक हासिल की थी। उस वक्त से लेकर अब तक इस विमान ने 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध, 1999 के कारगिल युद्ध समेत कई महत्वपूर्ण मौकों पर अहम भूमिका निभाई है। रूसी मूल का मिग-21 बाइसन भारत के छह फाइटर जेट्स में से एक है। ये सिंगल इंजन, सिंगल सीट मल्टी रोल फाइटर और ग्राउंड अटैक एयरक्राफ्ट है। इसकी अधिकतम स्पीड 2230 किलोमीटर प्रति घंटा है। इसमें 23एमएम डबल बैरल कैनन (तोप) लगी होती है।

मुफ्त की संस्कृति पर लगाम लगाना जरूरी

ललित गर्ग

मुफ्त की रेवड़ियां बांटने वाली राजनीति देश के विकास की एक बड़ी बाधा है, यह आम जनता को अकर्मण्य एवं कामचोर बनाने के साथ-साथ राजनीति को दूषित करती है।

जो नेता इसे परोपकार मानते हैं, वे देश की जनता को गुमराह करते हैं। यह सरासर प्रलोभन एवं चुनावों में अपनी जीत को सुनिश्चित करने का हथियार है और नेताओं की जीत का ताकतवर मोहरा है।

जीत के लिए जनता से मुफ्त सामान का वादा, राज्य के खज़ाने पर भारी आर्थिक असंतुलन का कारण है। अब इस मुफ्त संस्कृति एवं रेवड़िया बांटने के राजनीतिक प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट ने उचित ही सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार से यह स्पष्ट करने को कहा है कि चुनावों के दौरान राजनीतिक पार्टियों की ओर से मुफ्त में चीजें बांटने या ऐसा करने का वादा करने को वह कोई गंभीर मुद्दा मानती है या नहीं?

अदालत ने केंद्र को वित्त आयोग से यह भी पता लगाने को कहा कि पहले से कर्ज में डूबे राज्य में मुफ्त की योजनाओं पर अमल रोका जा सकता है या नहीं? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी उन राजनीतिक दलों पर निशाना साधा जिन्होंने चुनावी घोषणाओं में देश की जनता को मुफ्त की चीजों का लालच देकर वोट हासिल करने की साजिश की है।

निश्चित ही मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का बढ़ता प्रचलन देश के विकास के लिए हानिकारक है। श्रीलंका आज बर्बादी के जिस कगार पर पहुँचा है तो इसका सबसे बड़ा कारण जनता को मुफ्त की रेवड़ियां बांटना ही है। लोकतन्त्र में यह मुफ्त बांटने की मानसिकता एक तरह का राजशाही का अन्दाज ही कहा जायेगा जो लोकतंत्र के मूल्यों के विपरीत है। लोकतंत्र में कोई भी सरकार आम जनता की सरकार ही होती है और सरकारी खजाने में जो भी धन जमा होता है वह जनता से वसूले गये शुल्क या टैक्स अथवा राजस्व का ही होता है।

राजशाही के विपरीत लोकतन्त्र में जनता के पास ही उसके एक वोट की ताकत के भरोसे सरकार बनाने की चाबी रहती है। दरअसल, जनता के हाथ की इस चाबी को अपने पक्ष में घुमाने एवं जीत का ताला खोलने के लिये यह मुफ्त की संस्कृति एक राजनीतिक विकृति के रूप में विकसित हो रही है। चुनावों में सत्ता हासिल करने के लिए अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों की ओर से किए जाने वाले वादे की शक्ल अब बीते कुछ समय से कोई चीजें या सुविधाएं मुफ्त मुहैया कराने के रूप में सामने आने लगी है।

अगर एक पार्टी विद्यार्थियों को मुफ्त लैपटाप, वृद्धों को मुफ्त धार्मिक यात्रा, महिलाओं को मुफ्त बस सफर देने का वादा करती है तो दूसरी पार्टियां बिजली-पानी और स्कूटी या गैस सिलेंडर। हालत यह हो गई है कि इस मामले में लगभग सभी पार्टियों के बीच एक होड़ जैसी लग गई है कि मुफ्त के वादे पर कैसे मतदाताओं से अपने पक्ष में लुभा कर मतदान कराया जा सके। इससे राज्यों का आर्थिक संतुलन लड़खड़ाता है या वे कर्ज में डूबती है तो इसकी चिन्ता किसी भी दल की सरकार को नहीं है। अक्सर विकास से संबंधित किसी काम के समय पर पूरा नहीं होने को लेकर सरकारें कोष में धन की कमी और कर्ज के बोझ का रोना रोती हैं। लेकिन वहीं वे मुफ्त में लोगों को कोई सामान बांटने से लेकर बिजली या पानी जैसी योजनाएं चला कर जनपक्षीय होने का दावा करते हुए राज्य के आर्थिक बजट को डांवाडोल कर देती हैं। चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों की ओर से वादे किए जाने पर पूरी तरह रोक लगाना लोकतांत्रिक मूल्यों की सुरक्षा के लिये जरूरी है। लोगों द्वारा चुने गये प्रतिनिधि जनता के 'मालिक' नहीं बल्कि 'नौकर' होते हैं और केवल पांच साल के लिए जनता उन्हें देश या प्रदेश की सम्पत्ति या खजाने का रखरखाव (केयर टेकर) करने के लिए चुनती है।

लेकिन राजनीति में घर कर रही विकृतियों के कारण, चरमराते राजनीतिक मूल्यों एवं येन-केन-प्रकारेण चुनाव जीतने की होड़ के चलते जन-प्रतिनिधि स्वयं को मालिक मानने की भूल करने लगे हैं। चुनावों से पहले ही मुफ्त सौगात देने के वादे करके राजनीतिज्ञ या राजनीतिक दल जनता के खजाने को निजी सम्पत्ति समझ कर मनचाही सौगात बांटने की जो घोषणा करते हैं, वह पूरी तरह लोकतन्त्र को आधिकारिक रिश्वतखोरी के तन्त्र में बदलने का एक घिनौना एवं विरोधाभासी प्रयास ही कहा जा सकता है। पिछले कुछ दौर से यह मुफ्त की संस्कृति वाली राजनीति एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। सवाल है कि लगभग हर छोटी-मोटी सुविधाओं या आर्थिक व्यवहार को 'कर' के दायरे में लाने और उसे सख्ती से वसूलने वाली सरकारें इतने बड़े पैमाने पर कोई चीज कैसे मुफ्त देने लगती हैं?

यह जनता को गुमराह करने का जरिया है। इसका एक अन्य पहलू यह है कि कुछ सुविधाएं या सेवाएं मुफ्त किए जाने से इतर सरकार क्या जनता से अन्य मदों में कर नहीं वसूलती है? फिर विशेष या आपात स्थिति में अगर जीवन-निर्वाह के लिए लोगों को कोई सामान निशुल्क दिया जाता है तो क्या वह सरकार की जिम्मेदारी नहीं होती है? एक आदर्श सरकार वही है जो अपनी जनता में मुफ्तखोरी में जीने की आदत डालने की बजाय उसे कर्ममय एवं उद्यमी बनाये। उन्हें रोजगार दें, काम-धंधों में लिप्त करें। जितनी राशि मुफ्त में सुविधाएं या चीजें देने में खर्च होती है, वही राशि यदि उद्यम एवं विकास में खर्च की जाये तो प्रांत का विकास होगा, बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा, समृद्धि का वातावरण बनेगा। मुफ्त की संस्कृति एवं प्रचलन पर नियंत्रण जरूरी है, इसके लिये वित्त आयोग आबंटन के समय किसी राज्य सरकार का कर्ज और मुफ्त में सामान मुहैया कराने की कीमत को देख कर अपना निर्णय ले सकता है। जाहिर है, चुनावों में जीत के लिए कोई चीज या सेवा मुफ्त मुहैया कराए जाने का सवाल विवादों के घेरे में है और इस पर कोई स्पष्ट रुख, नीति एवं प्रावधान सामने आना जरूरी है। भारत की स्थितियां श्रीलंका जैसे बनने में ज्यादा देर नहीं लगेगी। क्योंकि श्रीलंका एवं ऐसे अन्य कुछ देश आज बर्बादी की कगार पर पहुँचे हैं तो इसका सबसे बड़ा कारण यही है कि उसने खर्चों पर लगाम नहीं लगाई और जनता को मुफ्त की रेवड़ियां बांटना बंद नहीं किया। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने से श्रीलंका की तत्कालीन सरकार लोकप्रिय भी हो गयी लेकिन जब यह रेवड़ियां खत्म हो गयीं और बांटने के लिए जीरा भी नहीं बचा तो जनता ने उसी सरकार का बैंड बजा दिया जिसके जिंदाबाद के नारे वह कुछ समय पहले लगाते थे। अरविंद केजरीवाल जैसे नेताओं ने मुफ्त संस्कृति पर नियंत्रण का विरोध इसलिये किया है कि तुष्टिकरण की राजनीति के जरिये और मुफ्त की रेवड़ियों के जरिये वह सत्ता में बने रह सकते है, लेकिन वह अपने राज्य को श्रीलंका जैसी स्थिति की ओर धकेल रहे हैं। भारत में बहुत से ऐसे राज्य है जहां राजनीतिक दलों ने मतदाताओं को मुफ्त सौगात बांटने के वादे किये और सत्ता में भी आ गये मगर खजाने खाली हो गये और यहां की सरकारें भारी कर्जदार हो गईं।

लोकतन्त्र में मतदाता राजनीतिक दलों की नीतियों व सिद्धान्तों व भविष्य के कार्यक्रमों को देख कर वोट देते हैं। मगर दक्षिण भारत से शुरू हुई रेवड़ी बांटने की संस्कृति या प्रचलन अब उत्तर भारत में भी शुरू हो गया है। यह मुफ्त संस्कृति के हिमायती राजनेता एक संतुलित एवं विकसित समाज की स्थापना की बजाय गरीबी का ही साम्राज्य बनाये रखना चाहते हैं, इन नेताओं की मुफ्त-सुविधाओं को पाने के लिए गरीब हमेशा गरीब ही बना रहे, यह सोच है इन तथाकथित गरीबों के मसीहा राजनेताओं की। आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए देश राजनीति की इस विकृति से मुक्त हो, यह अपेक्षित है।

इसके लिये इसी संसद के मानसून सत्र में 'रेवड़ी बांटने' के विरुद्ध मोदी सरकार कोई विधेयक लेकर आये तो इससे भारत का लोकतंत्र मजबूत होगा एवं सशक्त भारत बनने की दिशा में हम एक कदम आगे बढ़ा सकेंगे।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से क्यों हट रहा है रूस?

नीरज कुमार दुबे

माना जा रहा है कि यदि रूस अंतरिक्ष स्टेशन से बाहर आता है तो इसके संचालन में बड़ी बाधा आयेगी। हम आपको बता दें कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में शामिल देशों की जिम्मेदारियां बंटी हुई हैं। जैसे रूस आईएसएस के 17 में से छह मॉड्यूल संचालित करता है।

अमेरिका और रूस के संबंध कैसे हैं यह पूरी दुनिया जानती है। खासकर यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद से यह संबंध और खराब हो गये हैं। यही नहीं रूस के संबंध सिर्फ अमेरिका ही नहीं बल्कि यूरोपीय देशों से भी खराब हो गये हैं। इसी बीच रूस ने घोषणा कर दी है कि वह 2024 के बाद अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से हट जाएगा। रूस की इस घोषणा के बाद से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में भागीदार देशों के बीच खलबली का माहौल है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका, यूरोप, रूस, कनाडा और जापान की भागीदारी से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना हुई थी और जिस तरह से इस स्टेशन का अब तक सफलतापूर्वक संचालन किया गया वह अंतरराष्ट्रीय सहयोग की एक सफल मिसाल थी। लेकिन अब रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद जिस तरह के हालात बने हैं उनके बीच रूस की यह घोषणा पश्चिम के साथ एक और रूसी संपर्क के खात्मे के रूप में देखी जा रही है।

आईएसएस के समक्ष क्या-क्या दिक्कतें आएंगी?

माना जा रहा है कि यदि रूस अंतरिक्ष स्टेशन से बाहर आता है तो इसके संचालन में बड़ी बाधा आयेगी। हम आपको बता दें कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में शामिल देशों की जिम्मेदारियां बंटी हुई हैं। जैसे रूस आईएसएस के 17 में से छह मॉड्यूल संचालित करता है- जिसमें ज़्वेज़्दा भी शामिल है। ज़्वेज़्दा में ही मुख्य इंजन सिस्टम है। यह इंजन स्टेशन की कक्षा में बने रहने की क्षमता और खतरनाक अंतरिक्ष मलबे के रास्ते से अलग रहने के लिए महत्वपूर्ण है। रूस के आईएसएस से बाहर होने पर इन छह मॉड्यूलों का संचालन कैसे होगा यह सवाल अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष खड़ा हो गया है।

उल्लेखनीय है कि आईएसएस संबंधी समझौतों के तहत, रूस अपने मॉड्यूल पर पूर्ण नियंत्रण और कानूनी अधिकार रखता है। रूस ने आईएसएस से 2024 के बाद वापसी की बात तो कह दी है लेकिन यह नहीं बताया है कि इसकी रूपरेखा क्या होगी। रूस ने अभी यह भी नहीं बताया है कि क्या वह आईएसएस के भागीदारों को रूसी मॉड्यूल का नियंत्रण लेने और स्टेशन का संचालन जारी रखने की अनुमति देगा या क्या वह अपने मॉड्यूल के उपयोग पर पूरी तरह से रोक लगा देगा। हालांकि रूस ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह आश्वासन दिया है कि वह परियोजना छोड़ने से पहले अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में अन्य भागीदारों के लिए अपने दायित्वों को पूरा करेगा।

अंतरिक्ष विज्ञानियों की चिंता बढ़ी

रूस की घोषणा के बाद अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की सबसे बड़ी चिंता दो बातों को लेकर है। पहला- रूसी मॉड्यूल अगर संचालन में नहीं होंगे तो क्या उनके बिना अंतरिक्ष स्टेशन काम कर पायेगा? दूसरा अहम सवाल यह है कि रूसी मॉड्यूल को आईएसएस के बाकी हिस्सों से अलग कैसे किया जायेगा? क्योंकि पूरे स्टेशन को आपस में जोड़ने के लिए जो डिजाइन बनाया गया था उसमें रूसी मॉड्यूल अहम कड़ी थे। अब जब रूसी मॉड्यूल अगर हट जाते हैं तो वैसे ही डिजाइन वाले मॉड्यूल कब तक बन जायेंगे और क्या वह सफलतापूर्वक आईएसएस से जुड़ पायेंगे?

आजकल दुनिया के बड़े अंतरिक्ष विज्ञानियों की बैठकें भी हो रही हैं जिनमें इस बात पर चर्चा हो रही है कि रूस के हटने के बाद भागीदार देशों को अंतरिक्ष स्टेशन बचाने के लिए क्या-क्या करना होगा। यह भी विचार चल रहा है कि क्या अंतरिक्ष स्टेशन को पूरी तरह से हटा दिया जाए या इसे आकाश में रखने के लिए कोई रचनात्मक समाधान खोजा जाए।

दोस्ती के माध्यम से मानवीय भावना साझा करना जीवन जीने की अनमोल कला है

चलो इस बार कुछ ऐसा अन्तर्राष्ट्रीय फ्रेंडशिप डे मनाते हैं आपकी दुश्मनी को भला कर सभी को गले लगाते हैं - एड किशन भावनानी

गोंदिया - सृष्टि सृजनकर्ता नें अनमोल खूबसूरत मानवीय जीव को इस अनमोल धरा पर अनमोल बौद्धिक क्षमता का धनी बनाया!! फिर इस मानवीय जीव नें अपनी बौद्धिक क्षमता को खूब निखारा और इस हद तक पहुंच गया कि अपने सृजनकर्ता को ही एक तरह से विज्ञान के रूप में चुनौती देने पर उतारू हो गया है। परंतु इसी मानवीय जीव का अगर हम दूसरा पक्ष देखें तो अपने सृजन से ही एक अनमोल रिश्ते नातों की श्रंखला की चैन बनाया है जैसे पैदा होते ही उसे जन्म देने वाले माता-पिता भाई-बहन चाचा चाची नाना-नानी पति-पत्नी सहित अनेकों रिश्तो की एक डोर बनाई है परंतु इन सबसे हटकर एक अन्य महत्वपूर्ण रिश्ता बनाया जिसे मित्र, दोस्त, फ्रेंड सहित अनेक नामों से पुकारा जाता है यह रिश्ता बहुत प्यारा होता है जिसका मूल्य समय आने पर उपरोक्त रिश्ते नातेदारी से भी महत्वपूर्ण ज्ञात होता है, जब विपत्तियों में उसका साथ मिलता है जिसका हमने जीता जाता उदाहरण अभी दो वर्ष पूर्व से देख रहे हैं कि कोविड-19 जैसी गंभीर महामारी में इस दोस्त रूपी अनमोल रिश्तो ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई!! जबकि रिश्तेनाते रिश्तेदारों के भी पीछे हटने की नौबत आन पड़ी थी। चूंकि 30 जुलाई 2022 को अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस है, हालांकि भारत में मित्रता दिवस 7 अगस्त 2022 को मनाया जाएगा, इस विषय को नजर अंदाज करना साहित्यकार के लिए कठिन है इसीलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से मित्रता पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम मित्र की करें तो, जीवन में मित्र का होना बहुत जरूरी है।

एक मित्र ही होता है जिसके साथ हम बहुत कुछ बाँट सकते हैं। जो हमारे कई राजों का राजदार होता है। वो मित्र एक पिता हो सकता है, एक पत्नी हो सकती है, कुदरत हो सकती है। कोई भी हमारा मित्र हो सकता है बस जरूरत है तो उसे दिल से अपनाने की जीवन में सभी को एक सच्चे दोस्त की ज़रूरत पड़ती है जिसके साथ वह सुख दुःख बाँट सके। मित्रता एक ऐसा खूबसूरत रिश्ता है जिसे मनुष्य स्वंग बनाता है। बुरे समय में सच्चा मित्र हमे सही उपाय बताता है जिसकी वजहसे हम मुसीबत से निकल पाते है। सच्चा मित्र हमे गलत राह पर चलने से रोकता है और सही सलाह देता है।

साथियों बात अगर हम सच्चे मित्र की करें तो, मित्रता अनमोल रत्न के समान होती है। जीवन में सच्चा मित्र मिलना सौभाग्य से कम नहीं होता है। वह मनुष्य के सुख को बढ़ा देता है और उसके दुःख को बाँट लेता है। सच्चा मित्र मुश्किल घड़ी में अपने दोस्त का साथ देता है। सच्चा मित्र हो तो जिन्दगी के मुश्किल भरे पल भी सरल हो जाते है।

भगवान् श्रीकृष्ण और सुदामा की दोस्ती की मिसाल सभी देते है। उनकी मित्रता का उदाहरण आज भी दिया जाता है। मित्रता में कोई भेदभाव नहीं होता है।

कौन कितना अमीर है , कौन कितना गरीब इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। सच्चा मित्र रोशनी की भाँती अपने मित्र को सही राह दिखाता है।सच्चा मित्र का साथ ऐसा होता है जैसे अँधेरे में रोशनी और मुश्किल हालतों में हौसला।

साथियों मुश्किल हालातों में सच्चा मित्र हमेशा साथ देता है और अपने मित्र को संभालता है। जीवन के मुश्किलों को सरल एक सच्चा मित्र बना सकता है। वह अपने मित्र का हमेशा भला चाहता और उसकी परवाह करता है। सच्चे मित्र की कदर हमेशा करनी चाहिए। एक सच्चा मित्र जीवन में मानसिक संतुष्टि लाता है। वह हमारी खामियों को नज़र अंदाज़ करके हम जैसे है वैसे ही अपनाता है। सच्चा मित्र सही माईनो में अनमोल रत्न और कीमती संपत्ति के भाँती होते है।संपत्ति और धन को वापस पाया जा सकता है , लेकिन सच्चे मित्र की मित्रता खोने से वह वापस नहीं आती है।

साथियों बात अगर हम अंतराष्ट्रीय मित्रता दिवस की करें तो, वर्ष 2022 में अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस की थीम दोस्ती के माध्यम से मानवीय भावना साझा करना पर आधारित है।

संयुक्त राष्ट्र ने इस दिन को दोस्ती को बढ़ावा देने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों और गतिविधियों को आयोजित करने के लिए सरकारों और सामुदायिक समूहों को प्रोत्साहित करके शांति, एकता, सहयोग और खुशी के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए चुना है। हालांकि भारत में फ्रेंडशिप डे अगस्त के पहले रविवार को मनाया जाता है, इस साल भारत में फ्रेंडशिप डे 7 अगस्त को मनाया जाएगा।

साथियों दरअसल, इंटरनेशनल फ्रेंडशिप डे एक पहल है, जिसके बाद यूनेस्को द्वारा शांति की संस्कृति को परिभाषित करने वाले प्रस्ताव का अनुसरण किया जाता है। दुनिया भर में खुशी और एकता के संदेश को फैलाने के लिए एक आदर्श समाधान के तौर पर यह दिवस अस्तित्व में आया. इस दिन लोग अपने लॉन्ग डिस्टेंस फ्रेंड्सके साथ मिलकर हैंग आउट पार्टी या फिर शॉर्ट ट्रिप कीयोजना बनाकर इस दिन को सेलिब्रेट करते हैं, ऐसा करके लोग अपनी दोस्ती के रिश्ते को मजबूत और इस दिवस को यादगार बनाने की कोशिश करते हैं।

साथियों बात अगर हम संस्कृति के श्लोकों में मित्रता के बखान की करें तो,(1) चन्दनं शीतलं लोके,चन्दनादपि चन्द्रमा: ! चन्द्रचन्दनयोर्मध्ये शीतला साधुसंगति: !! इस दुनिया में चन्दन को सबसे अधिक शीतल माना जाता है पर चन्द्रमा चन्दन से भी शीतल होती है लेकिन एक अच्छे मित्र चन्द्रमा और चन्दन दोनों से शीतल होते है7 (2) न सख्यमजरं लोके हृदि तिष्ठति कस्यचित्।

हमेशा किसी भी मनुष्य के हृदय में मित्रता नहीं बनी रहती है। मित्रता या तो समय के साथ कम हो जाती है या क्रोध के कारण समाप्त हो जाती है। न दरिद्रो वसुमतो नाविद्वान् विदुषः सखा।

बुनती हैं सलाइयों पर

बुनती हैं सलाइयों पर
औरतें
नित नए ख्वाब
सिलती हैं उधडी कतरने...
बोती हैं मन के गमले में
एक गुलाब
सींचती हैं उसे
दर्द की बूंदों से...
रेशम के लच्छों-सी
उलझी ज़िन्दगी को
अधपकी धूप में बैठ
सुलझाती हैं
नेह की ऊष्मा से...
नवाकर दे कर
करती हैं पोषित
कच्चे घड़े को
भरती हैं उसमे प्रान...
बांधती हैं पग में
प्रतिबंधित घुंघरू
थिरकती हैं
अपनी ही ताल पर...
हरी अमियाँ जैसे अधकचे ख्वाब
सहजती हैं
हृदय रुपी मर्तबान में...
और
फिर एक दिन
पहन लेती हैं पंख
भरती हैं ऊँची उड़ान...
उसके पश्चात
नहीं रुकते उनके कदम
तत्पश्चात वह
छू ही लेती हैं आकाश!

शार्ट न्यूज

श्रीराम मंदिर निर्माण : स्तंभों की मोटाई बढ़ाई गई

अयोध्या। रामजन्मभूमि में विराजमान रामलला के मंदिर का निर्माण दिन-रात चल रहा है। सीबीआरआई रुड़की की अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार गर्भगृह के लिए नए सिरे से पत्थरों की तराशी की जा रही है। इनके स्तंभों की मोटाई लगभग तीन इंच बढ़ा दी गई है। स्तंभ साढ़े 14 से 16 फीट तक ऊंचे और आठ फीट व्यास वाले होंगे। प्रत्येक स्तंभ यक्ष-यक्षिणियों की 16 मूर्तियों से सुसज्जित होगा। इसलिए राजस्थान में गर्भगृह के लिए नये सिरे से एक लाख घनफुट पत्थरों की तराशी का काम किया जा रहा है। राममंदिर के मॉडल में परिवर्तन के पश्चात अब गर्भगृह के लिए नए सिरे से पत्थरों की तराशी की जा रही है। पुराने मॉडल के आधार पर रामघाट स्थित कार्यशाला में लगभग 30 वर्षों तक पत्थरों की तराशी कराई गई थी। इस तराशी में राममंदिर के गर्भगृह के लिए लगभग 75 हजार घनफुट पत्थर व 112 स्तंभों की तराशी व नक्काशी की जा चुकी थी। लंबे समय से खुले आसमान में होने के कारण लगभग 35 हजार घनफुट पत्थर अनुपयोगी हो गए। शेष 40 हजार घनफुट पत्थरों की सफाई कराकर उन्हें सुरक्षित करा दिया गया है। अब उनका आवश्यकतानुसार उपयोग किया जाएगा। रात्रि में दूधिया प्रकाश में निर्माणाधीन कार्य को लेकर रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने सोशल मीडिया में फोटो अपलोड कर कार्य की प्रगति के बारे में सांकेतिक जानकारी साझा की है। इस बारे में रामजन्मभूमि ट्रस्ट के न्यासी डा. अनिल मिश्र ने बताया कि फर्श का निर्माण अंतिम दौर में है। वहीं पश्चिम दिशा से शुरू हुए सुपर स्ट्रक्चर के निर्माण में तराशे गये करीब सवा दो सौ पत्थर लगाए जा चुके हैं। इस बीच राजस्थान से तराशे गये पत्थरों की आपूर्ति भी शुरू हो गयी है।

सोनिया के खिलाफ टिप्पणी पर कांग्रेसियों में उबाल

अमेठी/लखनऊ। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के प्रति अमर्यादित टिप्पणी का आरोप लगाते हुये पार्टी कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ और अमेठी में केन्द्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद स्मृति ईरानी के विरोध में प्रदर्शन किया और उनका पुतला फूंका। गौरीगंज मुख्यालय पर कांग्रेस कार्याकर्ताओं ने केन्द्रीय मंत्री का पुतला फूंक कर विरोध जताया। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस बल के बीच काफी नोक झोंक हुई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने स्मृति ईरानी के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। पुतला दहन को रोकने का प्रयास करते हुये कांग्रेस यूथ के अध्यक्ष शुभम सिंह पुलिस ने घसीट कर उठा लिया। कांग्रेस प्रवक्ता अरविंद चतुर्वेदी ने कहा की बीजेपी सांसद स्मृति ईरानी ने जिस तरीके से सोनिया गांधी का अपमान किया है ।यह अपमान पूरे देश और कांग्रेस जनों का अपमान है। हम इसका कड़े शब्दो में निंदा करते है। उन्होंने कहा कि अमेठी का आंदोलन तो एक नमूना है। अभी पूरे देश में बहुत बड़ा आंदोलन है। वे हम लोगों को जेल में भी नही रख पाएंगे। यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक स्मृति ईरानी की बर्खास्तगी नही होगी।

संभल में विवाहिता की गला रेत कर की हत्या

संभल। उत्तर प्रदेश में संभल जिले के हयात नगर क्षेत्र में ससुरालियों ने दहेज के लिए विवाहिता की गला रेत कर हत्या कर दी। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि कस्बा व थाना हयात नगर के निवासी जरीफ की पुत्री साहिबा की शादी बीते वर्ष थाना हयात नगर के ही अंतर्गत के ग्राम लहरा कमंगर निवासी सलमान से हुई थी। बीती रात साहिबा की गला रेत कर हत्या कर दी गई। आज सुबह साहिबा की मौत की सूचना मिलने पर साहिबा के मायके वाले लहरा कमंगर पहुंचे तो देखा कि साहिबा के ससुराल वाले मौके से भाग गए थे। साहिबा के पिता जरीफ का आरोप है कि ससुराल वाले दहेज के लिए साहिबा को प्रताड़ित करते थे जिसकी शिकायत पुलिस से भी की गई थी लेकिन पुलिस ने समुचित कार्रवाई नहीं की। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

चित्रकूट में भाजपा का प्रशिक्षण वर्ग शिविर शुरू

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश की पौराणिक नगरी चित्रकूट में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का तीन दिवसीय प्रदेश स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग शिविर शुक्रवार को शुरू हुआ। बिंदीराम होटल में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं मध्यप्रदेश के प्रभारी मुरलीधर राव, राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री वी सतीश, प्रदेश संगठन मंत्री सुनील बंसल,यूपी के प्रभारी पूर्व केन्द्रीय मंत्री राधामोहन सिंह व प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने शिविर में हिस्सा लिया। पहले दिन भाजपा की कर्मपद्धति, वैचारिक अभिष्ठान, भाजपा का इतिहास और विकास, सरकार की उपलब्धियां आदि विषयों पर चिंतन-मंथन किया गया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में रोजाना पांच सत्र आयोजित होंगे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग शिविर को लेकर पार्टी की ओर से तैयारियां पहले ही पूरी कर ली गई थी। कार्यक्रम स्थल बिंदीराम होटल में निर्धारित समय 11 बजे से पहले ही प्रशिक्षण वर्ग में शामिल होने वाले पदाधिकारी व मंत्री पहुंच गए। पंजीकरण के लिए तीन काउंटर प्रांत वार लगाए गए थे, जिनमें सभी ने अपना पंजीकरण कराया और होटल के हॉल में पहुंचे। भारत माता,पंडित दीनदयाल उपाध्याय व हेडगेवार के चित्र पर दीप प्रज्जवलन व मार्ल्यापण कर प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ किया गया। इसके बाद सत्रों की शुरुआत करते हुए पदाधिकारियों ने निर्धारित विषयों पर चर्चाएं की। पहले दिन भाजपा की कर्मपद्धति, वैचारिक अभिष्ठान, भाजपा का इतिहास और विकास, सरकार की उपलब्धियों का बखान किया गया।

रायबरेली में भाजपा नेत्री पर हमला

रायबरेली। उत्तर प्रदेश में रायबरेली के सदर क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेत्री ने खुद पर जानलेवा हमला किये जाने की रिपोर्ट दर्ज करायी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने शुक्रवार बताया कि रायबरेली सदर क्षेत्र से 2017 में भाजपा के टिकट से विधानसभा का चुनाव लड़ चुकी भाजपा नेत्री अनिता श्रीवास्तव एडवोकेट ने खुद पर अज्ञात लोगों द्वारा जानलेवा हमले का आरोप लगाया है। अनीता का कहना है कि चूंकि उनको गनर नही मुहैया कराए गए है इसलिए कल रात कुछ अज्ञात लोगों ने उनकी गाड़ी पर हमला किया। हाल फिलहाल सदर कोतवाली से भाजपा नेत्री को सुरक्षा मुहैया कराई गई है। पुलिस अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। भाजपा नेत्री के पति कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि बीती रात अनीता जिला अस्पताल के जच्चा बच्चा वार्ड में भर्ती किसी परिचित को देखने गयी थी कि मोटरसाइकिल सवार तीन अज्ञात हमलावरो ने उन पर हमला कर दिया। हमलावरों ने लोहे की रॉड और पत्थरों से उनकी फॉर्च्यूनर कार को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया। अनिता ने एफआईआर में खुद पर फायरिंग का भी आरोप लगाया है। इस हमले में अनिता सुरक्षित रही।

यूपी में पांच डीएम समेत 13 आईएएस बदले

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने पांच जिलाधिकारियों समेत भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 13 अफसरों का तबादला कर दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि वाराणसी, कुशीनगर, उन्नाव, फतेहपुर और बलरामपुर के जिलाधिकारियों को नयी तैनाती दी गयी है वहीं चित्रकूट धाम मंडल और झांसी मंडल को नया आयुक्त मिला है जबकि अंबेडकरनगर के मुख्य विकास अधिकारी का तबादला कानपुर कर दिया गया है। उन्होने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में लंबे समय तक जिलाधिकारी रहे कौशल राज शर्मा को प्रयागराज मंडल का आयुक्त बनाया गया है जबकि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक राजेन्द्र प्रताप सिंह को चित्रकूट धाम मंडल,बांदा के आयुक्त की जिम्मेदारी दी गयी है। वित्त विभाग में सचिव संजय कुमार अब यूपी रोडवेज के नये प्रबंध निदेशक होंगे वहीं प्रयागराज मंडल के आयुक्त संजय गोयल को झांसी मंडल का नया आयुक्त नियुक्त किया गया है। सूत्रों ने बताया कि कुशीनगर के जिलाधिकारी एस राजलिंगम को वाराणसी के डीएम के पद पर भेजा गया है जबकि उन्नाव के डीएम रवीन्द्र कुमार प्रथम को कुशीनगर का जिलाधिकारी बनाया गया है। फतेहपुर की मौजूदा जिलाधिकारी अपूर्वा दुबे को उन्नाव इसी पद पर भेजा गया है। बलरामपुर की डीएम श्रुति को फतेहपुर जिले की कमान सौंपी गयी है वहीं कानपुर के मुख्य विकास अधिकारी डा महेन्द्र कुमार को बलरामपुर का जिलाधिकारी बनाया गया है।

योगी सरकार बनाने जा रही है परशुराम तीर्थ सर्किट

पांच जिलों के इन 6 तीर्थ स्थलों को जोड़ने की योजना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार परशुराम जन्मस्थली का निर्माण करने जा रही है। योगी सरकार परशुराम तीर्थ सर्किट बनाने जा रही है जिससे 6 जिलों के पांच तीर्थस्थलों को आपस में जोड़ा जाएगा। परशुराम तीर्थ सर्किट का निर्माण पीडब्ल्यूडी विभाग करेगा। हिंदुओं की आस्था से जुड़े पांच धामों जिनमें नैमिष धाम, महर्षि दधीचि स्थल मिश्रिख, गोला गोकर्णनाथ, गोमती उद्गम और पूर्णागिरी मां के मंदिर को जोड़ा जाएगा। इसके अलावा पूर्णागिरी माता के मंदिर से बाबा नीम करौरी धाम और जलालाबाद स्थित परशुराम की जन्मस्थली को जोड़ा जाएगा।

सरकारी की योजना के मुताबिक परशुराम तीर्थ सर्किट यूपी के 6 जिलों से होकर गुजरेगी। इनमें सीतापुर, लखीमपुर, पीलीभीत, बरेली, शाहजहांपुर, फर्रुखाबाद से होकर गुजरेगा। जानकारी के मुताबिक इस सर्किट की लंबाई पांच सौ किलोमीटर से ज्यादा होगी। योगी सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद ने शाहजहांपुर के जलालाबाद स्थित परशुराम जन्मस्थली को पर्यटन स्थल का दर्जा दिलाने की मांग की थी।

जितिन प्रसाद ने पिछले दिनों परशुराम जन्मस्थली का भी दौरा किया था। इसके बाद उन्होंने परशुराम जन्मस्थली के महंत और पुजारियों के अलावा नैमिषधाम के पुजारी और गोला गोकर्णनाथ के पुजारियों और दूसरे साधु-संतों से मुलाकात कर कॉरिडोर की रूपरेखा तैयार की थी। जानकारी के मुताबिक टेंडर की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है और अब जल्द ही इसपर काम होना शुरू हो जाएगा।

जल्द अस्तित्व में आएगा रानीपुर टाइगर रिजर्व : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार राष्ट्रीय पशु बाघ के संरक्षण को लेकर संवेदनशील है और चित्रकूट के रानीपुर में प्रदेश का चौथा टाइगर रिजर्व बनाने का निर्णय लिया जा चुका है। यह टाइगर रिजर्व बहुत जल्द अस्तित्व में आने जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर प्रदेश सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा आयोजित अंतर सीमावर्ती सहयोग कार्यशाला को वर्चुअली संबोधित करते हुये श्री योगी ने शुक्रवार को कहा कि देश मे 1973 में बाघ को राष्ट्रीय पशु घोषित करते हुए सेव टाइगर प्रोजेक्ट शुरु किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने समय से पूर्व 2018 में ही सेव टाइगर के लक्ष्य को पा लिया।

उन्होने कहा कि राज्य स्तर पर उत्तर प्रदेश में बाघों की संख्या 2006 में 106 थी जो 2018 में बढ़कर 173 हो गयी।

दहेज की मांग पूरी ना होने पति ने भाईयों के साथ मिलकर पत्नी का किया गैंगरेप, फिर दिया तीन तलाक

गौंडा। उत्तर प्रदेश के गौंडा में दहेज नहीं देने पर एक महिला से उसके पति और उसके चचेरे भाई ने कथित तौर पर बलात्कार किया और बाद में उसके पति ने उसे तीन तलाक के जरिए तलाक दे दिया। पुलिस ने आरोपी पति मोहम्मद अदनान को लखनऊ से गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके बाद उसके चचेरे भाई के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि उसका पति दहेज की मांग करता था और उसे लेकर मारपीट करता था। महिला के मुताबिक शादी के बाद उसे उसका पति उसे दहेज के लिए परेशान करता था।

पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर इस मामले लेकर कहा कि मारपीट की वजह से महिला अपने मायके में रहने लगी थी। उन्होंने बताया कि मंगलवार को अदनान और उसका चचेरा भाई उसके ससुराल गए और दोनों ने महिला को अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस के मुताबिक अदनान ने उसके साथ मारपीट की और तीन तलाक की गैरकानूनी प्रथा के तहत उसे तलाक दे दिया। पुलिस के मुताबिक फरार चचेरे भाई को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

जानकारी के मुताबिक युवती के घरवालों ने शुक्रवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। परिवार के मुताबिक गोंडा की रहने वाली युवती का निकाह लखनऊ निवासी मोहम्मद अदनान से हुई थी। परिवार के मुताबिक अदनान शादी के बाद से दहेज के लिए उसके साथ मारपीट किया करता था। कई बार मामले को सुलझाने की कोशिश की गई।

रक्षाबंधन : राखी के लिए 10 रुपये में वाटरप्रूफ डिजाइनर लिफाफे, डाक विभाग ने किया लांच

वाराणसी। इस साल रक्षाबंधन 11 अगस्त को मनाया जाएगा। भाइयों को राखी बांधने और भेजने के लिए बहनों ने तैयारी शुरू कर दी है। बाजारों में भी तरह तरह की राखियां आ चुकी हैं। इस बीच डाक विभाग ने भी बहनों की मुश्किलों को कम करने की कोशिश की है। डाक विभाग ने राखी भेजने के लिए इस बार वाटरप्रूफ लिफाफे लांच किये हैं। इन डिजाइनर लिफाफों की कीमत केवल दस रुपये रखी गई है।

वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने विशेष रुप से निर्मित रंगीन डिजाइनर वाटरप्रूफ राखी लिफाफों को शुक्रवार को यहां के प्रधान डाकघर में आयोजित एक कार्यक्रम में लांच किया। वाराणसी परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वाराणसी, भदोही, चंदौली, जौनपुर, गाजीपुर व बलिया जिले के डाकघरों में यह लिफाफे बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे।

पोस्टमास्टर जनरल ने बताया कि ये डिजाइनर राखी लिफाफे वाटर प्रूफ और सुरक्षा की दृष्टि से मजबूत हैं। इससे बारिश के मौसम में भी बहनों द्वारा भेजी गई राखियां सुदूर रहने वाले भाइयों तक सुरक्षित पहुंच सकेंगी। 11 सेमी X 22 सेमी आकार के इन राखी लिफाफों का कीमत केवल 10 रुपये रखी गई है। राखी भेजने के लिए डाक शुल्क इससे अलग रखा गया है।

वाटरप्रूफ लिफाफे के बाएं हिस्से के ऊपरी भाग में भारतीय डाक के लोगो और रक्षाबंधन की डिजाइन के साथ अंग्रेजी में राखी लिफाफा और नीचे दाहिने तरफ हैप्पी राखी लिखा गया है। राखी लिफाफे के पीछे आजादी का अमृत महोत्सव और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का संदेश भी अंकित है। पोस्टमास्टर जनरल ने कहा कि रंगीन और डिजाइनर होने की वजह से इन्हें अन्य डाक से अलग करने में समय की बचत होगी।

इससे रक्षाबन्धन से पहले इन्हें बांटने में डाक विभाग को सहूलियत भी होगी। प्रवर डाक अधीक्षक श्री राजन राव और डाक अधीक्षक श्री पीसी तिवारी ने बताया कि यह लिफाफे तकरीबन सभी छोटे-बड़े डाकघरों पर भेजे जा रहे हैं।

भाजपा राज में भी दलितों की हालत बदतर : मायावती

लखनऊ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उम्मीदवारी को सबसे पहले समर्थन देने का दावा करते हुये बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने कहा कि दलित और पिछड़े वर्ग के प्रति कांग्रेस की तरह सहानुभूति का दिखावा करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासनकाल में भी इन वर्गों के हित, कल्याण तथा आत्म-सम्मान की स्थिति नगण्य रही है और यही कारण है कि आज़ादी के 75 वर्षों में आज भी इन वर्गों की हालत बद से बदतर ही बनी हुई है। बिहार,झारखंड,पश्चिम बंगाल और ओडिशा के पार्टी पदाधिकारियों की एक बैठक को संबोधित करते हुये सुश्री मायावती ने शुक्रवार को कहा कि श्रीमती मुर्मू को बसपा के भरपूर समर्थन के बाद उम्मीद से कहीं अधिक हर वर्ग व पार्टियों का मिला समर्थन काफी संतोष की बात है, मगा क्या केवल इसी के सहारे देश में करोड़ों दलितों, अति-पिछड़े व अल्पसंख्यक समाज के लोगों को बेपनाह गरीबी, पिछड़ेपन, जातिवादी शोषण, तिरस्कार व अन्याय-अत्याचार से मुक्ति मिल जाएगी।

इटावा में थाने के टॉयलेट में रखी मिली अम्बेडकर की मूर्ति, दारोगा समेत तीन पुलिसकर्मी सस्पेंड

एजेंसी

बसरेहर(इटावा)। सोशल मीडिया पर रोजाना कोई न कोई वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद कार्रवाई भी लगातार की जा रही है, लेकिन इस बार जो वीडियो वायरल हुआ है उसने शहर ही नहीं पूरे पुलिस विभाग में बवाल मचा दिया है। दरअसल वायरल वीडियो डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की मूर्ति का है, जो इटावा जिले के चौबिया थाने के

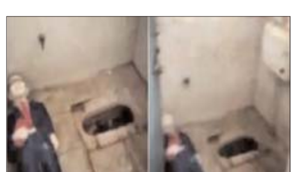

टॉयलेट में रखी मिली थी। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस अधिकारियों ने जांच कराकर एक दरोगा व दो सिपाहियों को सस्पेंड कर दिया है। सोशल मीडिया पर गुरुवार की रात एक वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो में डॉ भीमराव अंबेडकर की मूर्ति टॉयलेट के पास लेटी दिखाई दे रही है। इसके आगे के वीडियो में चौबिया थानाध्यक्ष का कमरा दिखाई दे रहा है। वीडियो एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने देखा तो इसकी जांच एसपी ग्रामीण सत्यपाल सिंह को सौंपी। शुक्रवार की सुबह एसपी ग्रामीण की रिपोर्ट पर एसएसपी ने चौबिया थाने के दरोगा धर्मेंद्र शर्मा, सिपाही कुलदीप, सिपाही सचिन को सस्पेंड कर दिया। एसएसपी ने बताया वीडियो वायरल हुआ है, इस मामले में प्रथम दृष्ट्या एक दरोगा व दो सिपाहियों की भूमिका संदिग्ध है। इनको सस्पेंड किया गया है।

मामले की छानबीन की जा रही है कि मूर्ति थाने में कहां से आई। सूत्र बताते हैं कि दो साल पहले बीना गांव में अंबेडकर की मूर्ति को लेकर विवाद हुआ था, तब मूर्ति थाने में रखवा ली गई था। लेकिन टॉयलेट में कैसे पहुंची ये रहस्य बना हुआ है।

'रेड हेडेड वल्चर' का देश में पहला संवर्धन केंद्र

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में राजगिद्ध .रेड हेडेड वल्चर. के संरक्षण व संवर्धन के लिए गोरखपुर वन प्रभाग के भारीवैसी में देश का पहला रेड हेडेड वल्चर संरक्षण व संवर्धन केंद्र बनाया जा रहा है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि केंद्र के बनने से राजगिद्धों की संख्या बढ़ेगी तो इनके जरिये पर्यावरण की शुद्धता में भी इजाफा होगा। इसके साथ ही विलुप्त होती प्रजातियों में शामिल इन जीवों को देखने के लिए सैलानियों की आमद बढ़ने से ईको टूरिज्म को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होने कहा कि रामायण काल में राजगिद्ध जटायु की गाथा सभी जानते हैं लेकिन पर्यावरणीय खतरे के चलते जटायु के वंशजों के अस्तित्व पर ही संकट आ गया। इस संकट को दूर करने का प्रदेश की योगी सरकार ने यह संकल्प उठाया है । गोरखपुर वन प्रभाग के अंतर्गत महराजगंज जिले में भारीवैसी में भारत के पहले रेड हेडेड वल्चर प्रजनन एवं संवर्धन केंद्र के निर्माण के लिए सरकार दो किश्तों में 1.86 करोड़ रुपये जारी कर चुकी है। 15 वर्ष के प्रोजेक्ट की कुल लागत 15 करोड़ रुपये है। गोरखपुर के प्रभागीय वनाधिकारी विकास यादव बताते हैं कि दो किश्तों में जारी रकम से निर्माण से संबंधित कार्य तेजी से पूरे किए जा रहे हैं। सितंबर के पहले शनिवार तीन सितंबर को अंतरराष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस मनाया जाएगा।

जौनपुर में शारदा सहायक नहर कटी, बस्तियों में घुसा पानी

खुटहन (जौनपुर)। जौनपुर में शारदा सहायक खंड 36 नहर का बंधा अचानक कटने से खलबली मची है। तेज बहाव के साथ निकल रहे पानी से तीन गांवों की लगभग चार सौ बीघा फसल डूब गई है। पानी रिहायशी बस्तियों में घुस गया है। ग्रामीणों के तमाम प्रयास के बाद भी पानी रोका नहीं जा सका है।

गनीमत थी की पानी यहां से लगभग छह सौ मीटर आगे जाकर बिरवन के नाले में गिर रहा है। यह नाला घूमते हुए गोमती नदी से जुड़ा हुआ है। इससे पानी नदी में जाने लगा। पुलिस ने नहर विभाग को सूचना देकर जलापूर्ति बंद कराया। तब जाकर किसानों ने राहत की सांस ली। बताया जाता है कि रात लगभग ग्यारह बजे अचानक शारदा सहायक नहर कटी और तेज बहाव के साथ पानी खेतो में उतरने लगा। आधी रात के बाद पानी जब राजभर और दलित बस्ती के पास पहुंच गया तो लोगों को इसकी जानकारी हुई। दर्जनो ग्रामीण फावड़ा लेकर कटाव को ठीक करने नहर पर पहुंच गये। तब तक नहर का बंधा लगभग 15 फीट कट चुका था। तेज गति से पानी का रेला बाहर खेतों की तरफ निकल रहा था। वे भागकर घर आ गये। इसकी सूचना पुलिस और नहर विभाग को दी गई।

जौनपुर में नमामि गंगे, एसटीपी के प्रोजेक्ट मैनेजर पर एफआइआर

जौनपुर, 29 जुलाई (वार्ता) उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के अपर जिलाधिकारी (भू- राजस्व) रजनीश राय ने जलनिगम की अमृत योजना व नमामि गंगे के तहत एसटीपी के कार्य में लापरवाही पर प्रोजेक्ट मैनेजर अभिनव सिंघल पर एफआइआर दर्ज करायी है। उन्होंने दोनों फर्मों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि बरसात के समय में उक्त दोनों फर्मों की उदासीनता के कारण नगरवासियों को परेशान होना पड़ रहा है। राय ने शुक्रवार को कहा कि दोनों फर्मों ने जगह-जगह सड़क पर खोदाई करके मार्ग का निर्माण नहीं किया।

शिक्षिका का हाथ दबवाने के बाद अब स्कूल में बच्चों से लगवाई गई झाड़ू, वीडियो वायरल

हरदोई। यूपी के सरकारी स्कूलों में बच्चों के भविष्य के साथ किस तरह से खिलवाड़ किया जा रहा है, इसकी एक और बानकी देखने को मिली है। बच्चों को पढ़ाने के बजाए उनसे कभी शिक्षिका हाथ दबवाती हैं तो कभी उनसे झाड़ू लगवाई जा रही है। दो दिन पहले यूपी के मथुरा से जो मामला सामने आया था उसने तो हद ही कर दी थी। शिक्षिका ने पानी से बचने के लिए बच्चों से कुर्सियों का पुल बनवाया था। वीडियो वायरल होने के बाद विभाग हरकत में आया और जांच बिठा दी है। दोनों शिक्षिकाओं को सस्पेंड कर दिया गया है। अब एक और वीडियो वायरल

हुआ है, जिसमें बच्चे क्लास के अंदर झाड़ू लगाते नजर आ रहे हैं। वीडियो हरदोई जिले के हरियावां विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय भीठा का बताया जा रहा है। वीडियो कब का है इसकी अभी पूरी तरह से पुष्टि नहीं हो पाई है। बच्चों से कक्षा में झाड़ू लगवाने का वीडियो वायरल होने के बाद बीएसए ने जांच बैठा दी है। बीएसए वीपी सिंह ने बताया कि बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकतर स्कूल में सफाई कर्मचारी नियमित नहीं पहुंच पाते हैं। ऐसे में सामूहिक रूप से अध्यापक व बच्चे मिलकर स्कूल साफ कर सकते हैं। शासन से भी इस तरह के निर्देश आ चुके हैं। फिलहाल वीडियो वायरल के मामले में खण्ड शिक्षा अधिकारी से छानबीन कराकर पता कराया जा रहा है कि झाड़ू लगा रहे बच्चे सामूहिक रूप से सफाई के तहत ऐसा कर रहे हैं या कुछ बच्चों से ही झाड़ू लगवाई गई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊ में सभी मॉल के बाहर रहेगी ट्रेफिक ड्यूटी

पुलिस वालों की ड्रेस में लगा होगा सीसीटीवी कैमरा

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ कमिश्नरेट में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए कई अहम फैसले लिए गए हैं। शाम को सभी प्रमुख मॉल के आसपास ट्रैफिक ड्यूटी लगाई जाएगी, जो रात्रि 11 बजे तक रहेगी। ट्रैफिक पुलिस के कर्मचारियों को बाडीवार्न कैमरा अनिवार्य रूप से पहनाया जाएगा, जिससे जनता के साथ दुर्व्यवहार न हो। यह फैसला गुरुवार को निदेशक तथा एडीजी ट्रैफिक एवं सड़क सुरक्षा अनुपम कुलश्रेष्ठ की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। इस दौरान यातायात प्रबंधन योजना की समीक्षा की गई। निदेशक ने कहा कि नो इंट्री खुलने के समय वाहनों की भीड़ रोकने के लिए सीमावर्ती जिलों को वाहनों को क्रमबद्ध रूप से छोड़ने के लिए निर्देशित किया जाए। उन्होंने यातायात में बेहतर काम करने वाले पुलिसकर्मी को ट्रैफिक मैन आफ द मंथ के रूप में चिह्नित करने का निर्देश दिया। निदेशक ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा जिलों को आवंटित होमगार्ड्स की संख्या को पूरा कराया जाए, जिससे यातायात प्रबंधन और बेहतर हो सके। उन्होंने सिनेमा घरों में यातायात जागरूकता संबंधी वीडियो क्लिप चलाने, यातायात दबाव वाले चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने, अवैध टेम्पो व टैक्सी स्टैंड हटाने, ई-रिक्शा को उनके निर्धारित रूट पर ही चलने देने, यातायात कर्मियों को रेनकोट उपलब्ध कराने तथा उन्हें फ्लोरसेंट जैकेट पहनने के लिए निर्देशित किया। बैठक में यातायात निदेशालय के डीआईजी, एसपी व एएसपी, लखनऊ कमिश्नरेट के पुलिस उपायुक्त यातायात मौजूद रहे। वहीं प्रदेश में 26 एवं 27 जुलाई को नियमों का उल्लंघन करने पर कुल 18426 चालान किए तथा 36,61,500 रुपये शुल्क वसूला।

फ्लाइओवर से नीचे गिरी बस, हादसे में एक महिला की मौत, 25 घायल

एजेंसी

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में शुक्रवार को फ्लाइओवर के नीचे बस पलट जाने से जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई वहीं कई लोग घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक बस में करीब 30-40 यात्री सवार थे जिनमें से 25 लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अलीगढ़ एसपी कुलदीप सिंह गुनावत ने मीडिया से बातचीत में कहा- हमें फर्रुखाबाद जा रही एक बस के फ्लाईओवर से गिरने की सूचना मिली। बस में लगभग 30-40 यात्री सवार थे। इनमें ले 25 लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कर दिया गया है। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के मुताबिक ये हादसा अलीगढ़ के रोरावर इलाके में दिल्ली-कानपुर अलीगढ़ नेशनल हाईवे पर हुआ। खचाखच भरी बस तेज रफ्तार में अनियंत्रित होकर फ्लाइओवर से नीचे गिरी। बस के नीचे गिरते ही उसके परखच्चे उड़ गए। इस दौरान चीख पुकार मच गई। राहगीरों ने किसी तरह बस से लोगों को निकाला। सूचना मिलती ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और किसी तरह घायल यात्रियों को अलीगढ़ के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल में एडमिट करवाया। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई है जबकि 25 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों में से 5 यात्रियों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है।

यूपी के बरेली में एक और सड़क हादसा हुआ है जहां हरिद्वार से गंगा जल लेकर लौट रहे एक परिवार की कार बरेली हाईवे के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में एक कांवड़िये की मौत की खबर है वहीं सात लोग घायल बताए जा रहे हैं।

गोरखपुर से दिल्ली और मुंबई जाने वाली कई फ्लाइट कैंसिल

एजेंसी

गोरखपुर। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने एक अप्रैल से पांच जुलाई के बीच गोरखपुर से मुंबई जाने वाले उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया है। स्पाइस जेट की मुंबई की उड़ान भी बृहस्पतिवार को कैंसिल कर दी है। स्पाइस जेट ने शुक्रवार से 31 जुलाई तक मुंबई, दिल्ली, कानपुर और वाराणसी के लिए अपनी सभी उड़ाने निरस्त कर दी हैं। फ्लाइट कैंसिल होने के बाद यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के मुताबिक तकनीकी कमी की वजह से स्पाइस जेट के कई विमानों पर आठ हफ्ते के लिए रोक लगा दी गई है। ऐसे में उम्मीद है कि आने वाले दिनों में भी गोरखपुर से स्पाइस जेट की उड़ानें प्रभावित हो सकती है। गोरखपुर एयरपोर्ट के मुख्य सुरक्षा अधिकारी के मुताबिक फिलहाल 31 जुलाई तक गोरखपुर से स्पाइस जेट की सभी उड़ानों के कैंसिल होने की सूचना मिली हा ।यात्रियों को हो रही परेशानी को देखते हुए गोरखपुर-एलटीटी सहित आधा दर्जन स्पेशल ट्रेनों की संचालन अवधि बढ़ा दी है।

शार्ट न्यूज

कीमती धातुओं में मिलाजुला रुख

मुंबई। वैश्विक बाजार की गिरावट के दबाव में आज घरेलू सर्राफा बाजार में कीमती धातुओं के भाव में मिलाजुला रुख रहा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 0.07 प्रतिशत उतरकर 1754.19 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। वहीं, अमेरिका सोना वायदा 0.02 प्रतिशत की बढ़त लेकर 1750.60 डॉलर प्रति औंस हो गया। इस दौरान चांदी हाजिर 0.42 प्रतिशत गिरकर 19.80 डॉलर प्रति औंस बोली गई। देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 35 रुपये फिसलकर 51269 रुपये प्रति दस ग्राम और सोना मिनी 25 रुपये उतरकर 51249 रुपये प्रति दस ग्राम पर रही। वहीं, मांग बरकरार रहने से चांदी 303 रुपये चमककर 57920 रुपये प्रति किलोग्राम और चांदी मिनी 314 रुपये महंगी होकर 58369 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

रुपये ने लगाई 45 पैसे की छलांग

मुंबई। दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर पड़ने के साथ की घरेलू शेयर बाजार में जारी तेजी की बदौलत आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 45 पैसे मजबूत होकर 79.24 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी दिवस रुपया 22 पैसे की तेजी लेकर 79.69 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया 14 पैसे की बढ़त लेकर 79.55 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान बिकवाली से समर्थन पाकर 79.17 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि लिवाली के दबाव में यह 79.56 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 79.69 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में 45 पैसे मजबूत होकर 79.24 रुपये प्रति डॉलर हो गया।

एल टी फूड्स का मुनाफा 25 फीसदी बढ़ा

नयी दिल्ली। उपभोक्ता खाद्य कंपनी एल टी फूड्स लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 95 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 76 करोड़ रुपये के लाभ की तुलना में 25 फीसदी अधिक है। कंपनी ने आज निदेशक मंडल की बैठक के बाद जारी वित्तीय लेखाजोखा में कहा कि जून में समाप्त इस तिमाही में उसका कुल राजस्व 1620 करोड़ रुपये रहा है जून 2021 में समाप्त तिमाही के 1231 करोड़ रुपये की तुलना में 32 प्रतिशत अधिक है।

डीएलएफ का पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 39 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। देश की अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर कंपनी डीएलएफ लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ 39 प्रतिशत बढ़कर 470 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इस तिमाही में उसका राजस्व 22 प्रतिशत उछलकर 1,516 करोड़ रुपये रहा। डीएलएफ का आलोच्य तिमाही में परिचालन लाभ (एबिटडा) 488 करोड़ रुपये जबकि सकल मार्जिन्स 53 प्रतिशत रहा।

एसीसी बैटरी स्टोरेज के लिए पीएलआई योजना में चुनीं गयी तीन कंपनियां

नयी दिल्ली। एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (एसीसी) बैटरी स्टोरेज के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) के अंतर्गत रिलायंस न्यू एनर्जी लिमिटेड, ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड तथा राजेश एक्सपोर्ट्स लिमिटेड को चुना गया है। इन तीनों कंपनियों को देश के 18,100 करोड़ रुपये के कार्यक्रम के तहत प्रोत्साहन दिया जाएगा। भारी उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि पीएलआई कार्यक्रम के अंतर्गत मंत्रालय द्वारा निर्धारित क्षमताओं के अतिरिक्त निजी क्षेत्र से 95 गीगावाट घंटा क्षमता की बैटरी बनाने की आशा है। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ महेन्द्र नाथ पांडेय ने कहा कि यह भारत के उत्पादन उद्योग में एक नये अध्याय की शुरुआत है क्योंकि हमने बैटरी उत्पादन के लिए दृष्टिकोण तय किया है और इस उभरते क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अन्य देशों से स्पर्धा कर रहे हैं। यह इलेक्ट्रिक वाहन इकोसिस्टम तथा ऊर्जा संचयन बाजार के लिए अनुकूल होगा। यह इलेक्ट्रिक वाहनों तथा नवीकरणीय के लिए मांग को समर्थन देगा और इस क्षेत्र में निवेश आकर्षित करेगा। उन्होंने कहा कि आज बड़ी कंपनियां भारत में बैटरी बनाने में निवेश कर रही हैं। उनका समर्थन किया जाना चाहिए और भारत को सही अर्थों में वैश्विक उत्पादन केंद्र बनाना चाहिए। एसीसी बैटरी भंडारण की पीएलआई योजना के अंतर्गत 128 गीगावाट घंटा की उत्पादन क्षमता वाली कंपनियों से कुल 10 बोलियां प्राप्त हुई थी। इसमें दो वर्ष की अवधि के अंदर उत्पादन सुविधा स्थापित करनी होगी, जिसके बाद देश में बनाई गई बैटरियों की बिक्री पर पांच साल की अवधि में प्रोत्साहन दिया जाएगा।

इमामी का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ घटकर 72.69 करोड़ रुपये रहा

नयी दिल्ली। सौंदर्य एवं स्वास्थ्य उत्पाद बनाने वाली कंपनी इमामी लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में समेकित आधार पर शुद्ध लाभ घटकर 72.69 करोड़ रुपये रहा जो वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में 77.79 करोड़ रुपये रहा था। इमामी ने शुक्रवार को जारी तिमाही परिणामों में बताया कि इस दौरान उसके राजस्व में 18 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। कंपनी का वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में राजस्व 778.29 करोड़ रुपये रहा जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 660.95 करोड़ रुपये था। गत 30 जून को समाप्त हुयी तिमाही में कंपनी का परिचालन लाभ (एबिटडा) घटकर 179.65 करोड़ रुपये रहा जो पिछले वर्ष की इस समान अवधि में 180.43 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बताया कि आलोच्य तिमाही में एकल आधार पर उसका राजस्व बढ़कर 688.22 करोड़ रुपये रहा जो वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में 608.09 करोड़ रुपये था। इसी तरह परिचालन लाभ 92.97 करोड़ रुपये से बढ़कर 96.52 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

नेस्ले का तिमाही राजस्व बढ़कर 40.4 अरब रुपये

मुंबई। खाद्य पदार्थों का उत्पादन करने वाली कंपनी नेस्ले का कैलेंडर वर्ष 2022 की दूसरी तिमाही में राजस्व वार्षिक आधार पर 16.1 प्रतिशत बढ़कर 40.4 अरब रुपये रहा। इस दौरान कंपनी कि घरेलू बिक्री में 16.4 प्रतिशत और निर्यात में 0.7 प्रतिशत की वृद्धि हुयी। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि इस तिमाही में उसका सकल मार्जिन 3.04 प्रतिशत घटकर 54 प्रतिशत पर आ गया। सकल मार्जिन में गिरावट प्रमुख रूप से दूध, ईंधन, अनाज और हरी कॉफी के दाम बढ़ने से आयी है। नेस्ले का परिचालन लाभ (एबिटडा) 1.8 प्रतिशत बढ़कर 8.5 अरब रुपये रहा जबकि परिचालन लाभ 2.95 प्रतिशत घटकर 21 प्रतिशत पर रहा। इस दौरान कंपनी का समायोजित शुद्ध लाभ 3.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 5.5 अरब रुपये रहा।

खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख

नयी दिल्ली। वैश्विक बाजार में जबरदस्त तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अगस्त वायदा 330 रिंगिट उबलकर 4360 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह इस दौरान अमेरिकी सोया तेल का अगस्त वायदा 1.72 सेंट की तेजी लेकर 64.97 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान सूरजमुखी तेल 247 रुपये और वनस्पति तेल 300 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हो गया जबकि पाम ऑयल में 146 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही। वहीं, सरसों तेल, मूंगफली तेल और सोया रिफाइंड के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़े रहे। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चना, चना दाल, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव स्थिर रहे।

पेट्रोल-डीजल पर नहीं बढ़ेगा वैट, 1.5 लाख करोड़ रूपये के राजस्व संग्रह का लक्ष्यः योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पेट्रोल डीजल पर वैट नहीं बढ़ाने का भरोसा दिलाते हुये वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिये डेढ़ लाख करोड़ रूपये के राजस्व संग्रह का लक्ष्य निर्धारित किया है।

अपने सरकारी आवास पर शुक्रवार को राज्य कर विभाग के अधिकारियों के साथ राजस्व संग्रह की समीक्षा करते हुये उन्होने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए 1.50 लाख करोड़ रूपये के राजस्व संग्रह का लक्ष्य निर्धारित किया और कहा कि प्रदेश मे पेट्रोल डीजल पर वैट नहीं बढ़ाया जायेगा। इस अवसर पर वित्त मंत्री सुरेश खन्ना मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने मौजूदा वित्तीय वर्ष में राजस्व संग्रह के लिए जोनवार लक्ष्य की समीक्षा करते हुए लक्ष्य प्राप्ति के लिए किये जा रहे प्रयासों की जानकारी ली और अलग-अलग ज़ोन के पोटेंशियल के अनुसार राजस्व संग्रह को बढ़ाने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

उन्होने कहा कि नियोजित प्रयासों से प्रदेश के राजस्व संग्रह में सतत वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2017-18 में प्रदेश का कुल राजस्व संग्रह 58,700 करोड़ था जो वर्ष 2021-22 में बढ़कर लगभग एक लाख करोड़ रूपये हो गया है। चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के लक्ष्य 31,786 करोड़ के सापेक्ष 32,386 करोड़ रूपये का संग्रह है। यह जनता से एकत्रित राशि है जो प्रदेश के विकास में, लोककल्याणकारी कार्यों में व्यय होगा। चालू वित्तीय वर्ष के लिए 1.50 लाख करोड़ रूपये के जीएसटी और वैट संग्रह लक्ष्य के अनुरूप राजस्व प्राप्ति के लिए ठोस कोशिश की जाएं। योगी ने कहा जनहित का ध्यान रखते हुए हमने प्रदेश में वैट की दर में बढ़ोतरी अथवा अन्य कोई नया कर नहीं लगाया है। आज पेट्रोल/डीजल पर सबसे कम वैट की दर उत्तर प्रदेश में है। निकट भविष्य में भी वैट में कोई

बढ़ोतरी नहीं होगा। इसका ध्यान रखते हुए ज़ोन वार पोटेंशियल के अनुसार राजस्व संग्रह बढ़ाने का प्रयास किया जाए।

उन्होने कहा कि राजस्व संग्रह को बढ़ाने के लिए शासन स्तर से फील्ड के अधिकारियों को साप्ताहिक टारगेट दिया जाए। इसकी साप्ताहिक समीक्षा की जाए। किस ज़ोन में छापेमारी की कितनी कार्रवाई हुई, कितना राजस्व संग्रह हुआ, सबकी रिपोर्ट तैयार की जाए। वह स्वयं मासिक बैठक कर जोनवार समीक्षा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जीएसटी कंजप्शन आधारित कर प्रणाली है। राज्य के सकल घरेलू उत्पाद एवं प्रति व्यक्ति आय तथा देश की जीडीपी की वृद्धि दर के दृष्टिगत ही राजस्व प्राप्ति होती है। अत: कंजप्शन में वृद्धि के लिए नियोजित प्रयासों की जरूरत है। प्रदेश में इसके लिए अनुकूल माहौल है।

उन्होने कहा कि राज्य कर विभाग द्वारा किए गए प्रयासों के अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं। सतत प्रयासों से वर्तमान में जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों की संख्या 26 लाख से अधिक हो गई है। आगामी 06 माह में इसे 30 लाख तक बढ़ाने का लक्ष्य लेकर काम करें।

उन्होने कहा कि व्यापारियों को जागरूक करते हुए अधिकाधिक व्यापारी बंधुओं को जीएसटी में पंजीकृत कराया जाए। व्यापारियों को जीएसटी पंजीयन/रिटर्न दाखिल करने के फायदों के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। छोटे कस्बों में गोष्ठियां आयोजित करें। गोरखपुर और बस्ती मंडल जैसे कई क्षेत्रों में में अभी जागरूकता का अभाव है। इसके लिए फील्ड स्तर के अधिकारियों को विशेष प्रयास करना होगा।

योगी ने कहा कि यह सुनिश्चित कराया जाए कि संविदाकार को भुगतान करते समय टीडीएस की कटौती करके जमा किये जाने वाले विवरण जीएसटीआर-7 और जीएसटीआर-3बी के अंतर के आधार पर टैक्स जमा जमा हो। जीएसटी की कर प्रणाली में समस्त कार्य ऑनलाइन किए जाने से अनेक प्रकार के डेटा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। जिनका आईटी टूल्स के माध्यम विश्लेषण करते हुए राजस्व संग्रह के लिए प्रयास किया जाना चाहिए। जोन वार विश्लेषण कराते हुए रणनीति तय किया जाए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स का भी अधिकाधिक प्रयोग करें।

उन्होने कहा कि विशेष अनुशासनिक इकाइयों और सचल दल इकाइयों की सक्रियता और बढ़ाये जाने की जरूरत है। हाल के समय में इनकी सजगता से कर चोरी/अपवंचन पर प्रभावी रोक लगाने में सफलता मिली है। फिर भी अधिकांश ज़ोन की कार्यशैली में सुधार की जरूरत है।

राजस्व संग्रह में आगरा, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या आदि जोन ने अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सराहनीय प्रयास किया है। इनके बेस्ट प्रैक्टिस को अन्य ज़ोन को भी अपनाना चाहिए। झांसी, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, गाजियाबाद जैसे क्षेत्रों में औद्योगिक विकास के अनेक बड़े प्रोजेक्ट चल रहे हैं। यहां बहुत संभावनाएं हैं। कार्यशैली में सुधार कर कर चोरी पर प्रभावी लगाम लगाई जाए।

उन्होने कहा कि एसजीएसटी की चोरी/अपवंचन की कोशिशों को रोकने के लिए सजगता बढ़ाये जाने की जरूरत है। राजस्व की चोरी राष्ट्रीय क्षति है।

एनटीपीसी लिमिटेड ने 3977.77 करोड़ रूपये का समेकित शुद्ध लाभ अर्जित किया

नयी दिल्ली। देश की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 15.5 फीसदी की वृद्धि के साथ 3977.77 करोड़ रूपये का समेकित शुद्ध लाभ अर्जित किया है।

एनटीपीसी ने चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के लिए शुक्रवार को बिना ऑडिट किया हुआ वित्तीय परिणाम घोषित किया।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-23 की 30 जून को समाप्त पहली तिमाही में 104.42 अरब यूनिट्स बिजली का उत्पादन किया, जबकि पिछले वर्ष 2021-22 की इसी अवधि में 85.81 अरब यूनिट्स का उत्पादन हुआ था। इसी प्रकार एनटीपीसी का एकल सकल उत्पादन 86.88 अरब यूनिट रहा , जो गत वर्ष की समान अवधि में 71.75 अरब यूनिट था।

एनटीपीसी कोयला स्टेशनों ने 2022-23 की पहली तिमाही के दौरान 69.49 फीसदी के राष्ट्रीय औसत के मुकाबले 80.39 प्रतिशत प्लांट लोड फैक्टर हासिल किया। एकल आधार पर कंपनी की कुल आय 39,202.74 करोड़ दर्ज की गयी , जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 26,802.25 करोड़ थी, जिसमें 46.27 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई थी।

समेकित आधार पर समूह की कुल आय 43,560.72 करोड़ दर्ज की गयी , जो गत वर्ष इसी अवधि में कुल आय 30,390.60 करोड़ की तुलना में 43.34 फीसदी की बढ़ोतरी है।

जी-सोनी के विलय को मिली बीएसई, एनएसई की मंजूरी

मुंबई। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (जील) को शुक्रवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएससी) से कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) के साथ प्रस्तावित विलय के लिए मंजूरी मिल गई। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि स्टॉक एक्सचेंजों से मिली मंजूरी समग्र विलय अनुमोदन प्रक्रिया में एक मजबूत और सकारात्मक कदम है। कंपनी को प्राप्त हुयी मंजूरी के बाद वह समग्र विलय प्रक्रिया में आगे कदम बढ़ा सकती है। विलय की समग्र योजना लागू नियामक और अन्य अनुमोदनों के अधीन होती है। जी और सोनी ने सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया लिमिटेड में जील के विलय के लिए निश्चित समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे लेकिन जी में कुल मिलाकर 17.9 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखने वाले इनवेस्को और ओएफआई ग्लोबल चीन फंड एलएलसी ने इस सौदे का विरोध किया था।

पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद देश में शुक्रवार को तेल विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया। देश में करीब दो माह से अधिक समय से ईंधन की कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं होने से आम आदमी के लिए यह राहत बनी हुयी है। सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल) के अनुसार, दिल्ली में आज पेट्रोल के दाम 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम क्रमश: 106.31 रुपये प्रति लीटर और 94.27 रुपये प्रति लीटर पर हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.13 प्रतिशत गिरकर 107.00 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 0.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 96.60 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा।

रिलायंस डिजिटल के विशेष स्टोर का जान्हवी कपूर ने किया उद्घाटन

नयी दिल्ली। रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक सामान उपलब्ध कराने वाली कंपनी रिलायंस डिजिटल ने शुक्रवार को राजधानी के साउथ एक्स-दो में अपने विशेष फ्लैगशिप स्टोर की शुरुआत की। चार मंजिल का बना यह स्टोर ग्राहकों को एक अलग अनुभव प्रदान करता है।

स्टोर का उद्घाटन बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने किया जिसमें उनके साथ रिलायंस डिजिटल के मुख्य कार्यकारी ब्रायन बैडे मौजूद रहे।

रिलायंस का यह स्टोर चार मंजिल पर फैला हुआ है जिसमें हर मंजिल पर ग्राहकों के लिए एक वर्ग का सामान उपलब्ध कराया गया है। एक मंजिल पर रसोई के इलेक्ट्रॉनिक सामान और एक मंजिल पर मोबाइल फोन, लैपटॉप, स्पीकर और इससे जुड़े अन्य सामान उपलब्ध जिससे ग्राहक अपनी आवश्यकता के हिसाब से खरीदारी कर सकते हैं। बैडे ने कहा,यह स्टोर अधिक तरीकों से विशिष्ट और विशेष है। यह सिर्फ एक इलेक्ट्रॉनिक्स स्टोर नहीं है, बल्कि एक परिष्कृत और आनंदमय वातावरण में अपने ग्राहकों को प्रौद्योगिकी की दुनिया में बेहतरीन पेशकश करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है।%

इस मौके पर जान्हवी कपूर ने पत्रकारों से कहा, रिलायंस के साथ जुड़े रहना बहुत अच्छा है और इसके लिए मैं बेहद खुश हूँ। दिल्ली आना मुझे बहुत पसंद है और यहां का खाना मेरी लिए एक अलग ही अनुभव है।

उन्होंने अपनी हाल ही में आयी फिल्म गुडलक जैरी पर कहा कि इस फिल्म को करते हुए बहुत मजा आया। इस फिल्म में काम करते हुए मुझे एक अलग ही अनुभव का एहसास हुआ और उम्मीद है कि यह फिल्म आपको बहुत पसंद आएगी।

वरुण धवन के साथ आने वाली फिल्म बवाल पर जान्हवी कपूर ने कहा कि यह फिल्म दर्शकों के लिए एक दम बवाल साबित होगी और इसे देखने में बहुत मजा आयेगा।

भारत का पहला फोर- व्हीलर ईवी टायर एनर्जीड्राइव लॉन्च

नयी दिल्ली। टायर निर्माता कंपनी सिएट लिमिटेड ने फोर- व्हीलर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए एनर्जी ड्राइव टायरों की अपनी नई रेंज लॉन्च की है।

आम तौर पर, ईवी हाई टॉर्क साइलेंट व्हीकल्स के रूप में ऑपरेट करते हैं, जिससे टायर का शोर अधिक स्पष्ट होता है। नए एनर्जीड्राइव टायर (सिएट अकॉस्टिक लोअरिंग मैटेरियल) टेक्नोलॉजी की खूबियां से लैस हैं। सिएट इस पेटेंटेड साउंड एब्जॉर्बिंग मैटेरियल का उपयोग कर रहा है जो वाइब्रेशन ऑफ एब्जॉर्प्शन और फिल्टरेशन की मदद से शोर को कम करता है।

सिएट ने एनर्जीड्राइव टायरों को ईज़ीफ्लेक्स नामक नए कैविटी डिज़ाइन से लैस किया है। नया डिजाइन बेहतर ड्राइविंग रेंज के साथ ईवी के मददगार टायरों को घूमने के दौरान के प्रतिरोध को कम करने में सहायक है। नई एनर्जीड्राइव में इस्तेमाल की गई ड्यूराब्लॉक तकनीक इन टायरों की नई रेंज को बेहतर ब्लॉक स्टिफनेस(कठोरता) और लोअर थ्रेड फ्लेक्सिंग प्रदान करती है। ज्यादा कठोरता सड़क पर वाहन को मोड़ते समय टायरों का घिसना कम करता है, स्टिफनेस टायरों को पारंपरिक वाहनों की तुलना में अधिक टॉर्क वाले ईवी के लिए टिकाऊ बनाती है।

एनर्जीड्राइव टायरों की लॉन्चिंग पर कंपनी के सीओओ अर्नब बनर्जी ने कहा, एनर्जीड्राइव जैसे टायर को भारत में पहली बार चार पहिया ईवी को ध्यान में रखते हुए लॉन्च किया गया है। ईवी आमतौर पर हाई टॉर्क वाले बेहद साइलेंट व्हीकल होते हैं, जिससे टायर का शोर अधिक स्पष्ट होता है। नयी टेक्नोलॉजी के साथ टायरों की हमारी एनर्जीड्राइव रेंज, देश में ईवी स्वामियों की इस परेशानी का समधान करेगी। हमें उम्मीद है एनर्जीड्राइव, ईवी स्वामियों के बीच पसंदीदा टायर साबित होगा।

सिएट पहले से ही भारत में दोपहिया वाहनों के लिए टायर सेंगमेंट में 50 फीसदी हिस्सेदारी के साथ शीर्ष पर है।

शेयर बाजार तीन माह के उच्चतम स्तर पर

मुंबई। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर धातु, बेसिक मैटेरियल्स, ऊर्जा, आईटी, तेल एवं गैस और टेक समेत सभी 19 समूहों में हुई लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार सवा प्रतिशत चढ़कर तीन माह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 712.46 अंक की उड़ान भरकर 29 अप्रैल के उच्चतम स्तर 57 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 57570.25 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 228.65 अंक उछलकर 17 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर 17158.25 अंक पर रहा। बीएसई की छोटी और मझौली कंपनियों में भी तेजी रही। मिडकैप 1.01 प्रतिशत चढ़कर 24,050.90 अंक और स्मॉलकैप 1.38 प्रतिशत की छलांग लगाकर 27,056.38 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 3471 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2100 में लिवाली जबकि 1227 में बिकवाली हुई वहीं 144 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 43 कंपनियां हरे जबकि शेष सात लाल निशान पर रही।

बीएसई में सभी 19 समूहों में तेजी का रुख रहा। इस दौरान धातु समूह सर्वाधिक 4.59 प्रतिशत के बढ़त में रहा। साथ ही बेसिक मैटेरियल्स 2.30, सीडीजीएस 1.46, ऊर्जा 2.41, हेल्थकेयर 1.04, इंडस्ट्रियल्स 1.12, आईटी 1.71, ददूरसंचार 1.34, यूटिलिटीज 1.41, ऑटो 1.29, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.47, तेल एवं गैस 2.21, पावर 1.33 और टेक समूह के शेयर 1.68 प्रतिशत चढ़ गए। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मिलाजुला रुख रहा। ब्रिटेन का एफटीएसई 0.39 और जर्मनी का डैक्स 0.94 प्रतिशत मजबूत रहा वहीं जापान का निक्केई 0.05, हांगकांग का हैंगसैंग 2.26 और चीन का संघाई कंपोजि 0.89 प्रतिशत उतर गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 400 अंक की तूफानी तेजी लेकर 57,258.13 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली होने से दोपहर से पहले 57,104.81 अंक के निचले स्तर पर आ गया। लिवाली की बदौलत यह कारोबार के अंतिम चरण में 57,619.27 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। अंत में पिछले दिवस के 56,857.79 अंक के मुकाबले 1.25 प्रतिशत की बढ़त लेकर 57,570.25 अंक पर रहा। निफ्टी भी 150 अंक उछलकर 17,079.50 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 17,018.15 अंक के निचले जबकि 17,172.80 अंक के उच्चतम स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले सत्र के 16,929.60 अंक की तुलना में 1.35 प्रतिशत मजबूत होकर 17,158.25 अंक पर रहा।सेंसेक्स की 25 कंपनियों में लिवाली जबकि शेष पांच में बिकवाली हुई। इस दौरान टाटा स्टील ने सर्वाधिक 7.27 प्रतिशत का मुनाफा कमाया वहीं डॉ. रेड्डीज सबसे अधिक 3.96 प्रतिशत के नुकसान में रही।

पहली तिमाही में वित्तीय घाटा बजट अनुमान के 21.2 प्रतिशत पर पहुंचा

नयी दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सरकार का वित्तीय घाटा वार्षिक अनुमान के 21.2 प्रतिशत पर पहुंच गया क्योंकि जून में समाप्त इस तिमाही में राजस्व प्राप्तियां और व्यय में 3.51 लाख करोड़ रुपये का अंतर रहा है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार जून में समाप्त पहली तिमाही में सरकार की कुल प्राप्तियां 5.96 लाख करोड़ रुपये रही है जो चालू वित्त वर्ष के बजट अनुमान के 26.1 प्रतिशत है जबकि इस दौरान व्यय 9.47 लाख करोड़ रुपये रहा है। इस तरह से सरकार को 3.51 लाख करोड़ रुपये का वित्तीय घाटा हुआ है।

जून 2022 में बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में 12.7 प्रतिशत की वृद्धि

एजेंसी

नयी दिल्ली। कोयला, सीमेंट और बिजली क्षेत्र के अच्छे प्रर्दशन की बदौलत देश में आठ मुख्य उद्योगों में उत्पादन सूचकांक के आधार पर इस वर्ष जून माह में 12.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में इन प्रमुख उद्योगों का उत्पादन सूचकांक 13.7 प्रतिशत (प्रारंभिक आंकड़े) रहा।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से इन उद्योगों के उत्पादन के शुक्रवार को जारी मासिक आंकड़ों के अनुसार जून 2022 में कोयला, सीमेंट, बिजली, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात और प्राकृतिक गैस उद्योग का उत्पादन पिछले वर्ष जून माह की तुलना में ऊंचा रहा।

कच्चे तेल के उत्पादन में एक साल पहले की तुलना में गिरावट दर्ज की गयी। भारत के कुल औद्योगिक उत्पादन में इन आठ उद्योगों का योगदान 40.27 प्रतिशत है।

आज ही जारी संशोधित आंकड़ों के अनुसार मार्च 2022 में बुनियादी उद्योगों का उत्पादन सालना आधार पर 4.8 प्रतिशत बढ़ा था जबकि प्रारंभिक आकड़ों में मार्च की वृद्धि दर 4.3 प्रतिशत बतायी गयी थी।

प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2022-23 के पहले तीन महीनों में इन आठ उद्योगों का उत्पादन एक साल पहले की तुलना में 13.7 प्रतिशत ऊंचा रहा ।

ताजा आंकड़ों के अनुसार कोयला उत्पादन जून, 2022 में सालाना आधार पर 31.1 प्रतिशत जबकि अप्रैल-जून, 2022-23 के दौरान इसका उत्पादन पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 31.2 प्रतिशत बढ़ा।

कच्चे तेल का उत्पादन जून में इस बार जून में एक साल पहले इसी माह के उत्पादन से 1.7 प्रतिशत कम रहा। अप्रैल-जून, 2022-23 के दौरान कोयले के उत्पादन में 0.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी।

प्राकृतिक गैस का उत्पादन जून, 2022 में सालाना आधार पर 1.2 प्रतिशत तथा अप्रैल-जून, 2022-23 में 4.8 प्रतिशत ऊंचा रहा।

पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादन जून, 2022 में जून, 2021 की तुलना में 15.1 प्रतिशत तथा इस वर्ष अप्रैल-जून पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 13.5 प्रतिशत बढ़ा है।

उर्वरक उत्पादन में सालाना आधार पर इस बार जून में 8.2 प्रतिशत तथा अप्रैल- जून, 2022-23 के दौरान पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 13.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी।

इस्पात उत्पादन में आलोच्य माह में 3.3 प्रतिशत तथा इस वित्त वर्ष के पहले तीन महीनों में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी।

सीमेंट उत्पादन जून, 2022 में पिछले वर्ष जून की तुलना में 19.4 प्रतिशत बढ़ा।

अप्रैल-जून, 2022-23 के दौरान इस क्षेत्र की वृद्धि दर्ज 17.1 प्रतिशत रही। बिजली उत्पादन में इस वर्ष जून में 15.5 प्रतिशत की वृद्धि तथा अप्रैल-जून तिमाही में 16.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

शार्ट न्यूज

100 मीटर बैकस्ट्रोक के सेमीफाइनल में पहुंचे श्रीहरि

बर्मिंघम। भारत के युवा स्टार तैराक श्रीहरि नटराज ने शुक्रवार को राष्ट्रमंडल खेलों के 100 मीटर बैकस्ट्रोक आयोजन के सेमीफाइनल में जगह बनायी। श्रीहरि ने हीट 4 में भाग लेते हुए 54.68 सेकंड के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इसी बीच, पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल तैराकी हीट 3 में कुशाग्र रावत अपना प्रभाव नहीं डाल सके। 22 वर्षीय कुशाग्र ने 3:57:45 के साथ आठवां स्थान हासिल किया और होड़ से बाहर हो गये। पुरुषों की 50 मीटर बटरफ्लाई में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए साजन प्रकाश ने अपनी हीट में 25.01 सेकंड के समय के साथ आठवां स्थान प्राप्त किया। वह समग्र रूप से 24वें स्थान पर रहे और सेमीफाइनल से बाहर हो गये जहां सिर्फ शीर्ष 16 ने जगह बनायी।

चेन्नई में एशियन बीच गेम्स के आयोजन के लिए स्टालिन ने प्रधानमंत्री से समर्थन मांगा

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने चेन्नई में एशियन बीच गेम्स की मेजबानी का समर्थन तथा केंद्रीय खेल मंत्रालय की ओर से आगामी सितम्बर तक एशियाई ओलंपिक परिषद(ओसीए) को अपेक्षित गांरटी देने के लिए पहल करने का आग्रह किया है। स्टालिन ने शुक्रवार कोप्रधानमंत्री को लिखे एक पत्र में यह अनुरोध किया। उन्होंने तमिलनाडु सरकार के उस अनुरोध का हवाला दिया, जिसे गत पांच मई को ताशंकद में ओसीए की प्रशासनिक परिषद की बैठक में नीति स्तर पर स्वीकार कर लिया गया था। उन्होंने कहा कि वह गत 23 मई को भी केंद्रीय खेल मंत्री को इस संबंध में पत्र लिख चुके हैं। उन्होंने कल शाम शतरंज ओलंपियाड का उद्घाटन करने के लिए भी मोदी को धन्यवाद दिया।

एलेक्स ने जीता स्वर्ण, मगर हेडेन ने दिल

बर्मिंघम। इंग्लैंड के एलेक्स यी ने शुक्रवार को पुरुष ट्रायथलान जीतकर बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों का पहला स्वर्ण पदक हासिल किया, लेकिन दूसरे स्थान पर रहने वाले न्यूज़ीलैंड के हेडेन वाइल्ड ने अपने एक कृत्य से दर्शकों का दिल जीत लिया। यी ने न्यूज़ीलैंड के हेडन वाइल्ड को पीछे छोड़कर 50 मिनट 34 सेकंड में जीत हासिल की। वाइल्ड को 10 सेकंड की पेनल्टी का नुकसान उठाना पड़ा। दौड़ में सबसे आगे चल रहे कीवी एथलीट जब तीसरे चरण में थे तब उन्हें पता चला कि उनके ऊपर 10 सेकंड की पेनल्टी लगायी गयी है। वह फिनिश लाइन के करीब पहुंच चुके थे, लेकिन उन्होंने रुककर एलेक्स को अपने आप से आगे निकलने दिया। आयोजन के अधिकारियों ने बताया कि वाइल्ड पर साइकिल से दौड़ने वाले चरण की ओर बढ़ते हुए जुर्माना लगा। नियमों के अनुसार, एथलीट अपनी बाइक को खड़ा करने से पहले हेलमेट नहीं उतार सकते, लेकिन वाइल्ड ने ऐसा किया जिस वजह से उनपर 10 सेकंड का जुर्माना लगाया गया।

लखनऊ जिला जेवलिन थ्रो चैंपियनशिप चार अगस्त को

लखनऊ। लखनऊ जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के तत्वावधान में चार अगस्त को लखनऊ जिला जेवलिन थ्रो व 400 मीटर दौड़ चैंपियनशिप केडी सिंह बाबू स्टेडियम में होगी। लखनऊ जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव बीआर वरुण ने शुक्रवार को बताया कि चैंपियनशिप पुरुष व महिला सहित आठ आयु वर्गो में होगी। इसके अलावा आयु वर्ग में अंडर-10, अंडर-12, अंडर-14, अंडर-16, अंडर-18 में बालक व बालिका और अंडर-20 पुरुष व महिला और अंडर-23 पुरुष व महिला वर्गो में होगी। उन्होने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए एथलीटों को अपना आधारकार्ड लाना होगा। इस जिला चैंपियनिशप के माध्यम से चयनित खिलाड़ी कानपुर में सात अगस्त को जेवलिन दिवस के अवसर पर होने वाली राज्य चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे।

इंग्लैंड के एलेक्स यी ने जीता खेलों का पहला स्वर्ण

बर्मिंघम। इंग्लैंड के एलेक्स यी ने पुरुष ट्रायथलान जीतकर बर्मिंघम राष्टमंडल खेलों का पहला स्वर्ण पदक जीत लिया। यी ने न्यूज़ीलैंड के हेडन वाइल्ड को पीछे छोड़कर 50 मिनट 34 सेकंड में जीत हासिल की। वाइल्ड को 10 सेकंड की पेनल्टी का नुकसान उठाना पड़ा।

4000 मीटर टीम पर्स्यूट से बाहर हुए भारतीय साइकिलिस्ट

बर्मिंघम। भारतीय साइकिलिस्ट पुरुषों की 4000 मीटर टीम पर्स्यूट के क्वालीफिकेशन राउंड में हारकर बाहर हो गये, जबकि न्यूज़ीलैंड ने प्रतियोगिता में पहला स्थान प्राप्त किया। वेंकप्पा केंगलागुट्टी, दिनेश कुमार, अनंत नारायण एस एस और विश्वजीत सिंह की टीम छह प्रतियोगियों के आयोजन में 4:12.865 मिनट के समय के साथ छठे स्थान पर रही। न्यूज़ीलैंड 3:49.821 के समय के साथ शीर्ष पर रही, जबकि इंग्लैंड (3:50.796) ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। न्यूज़ीलैंड और इंग्लैंड स्वर्ण पदक मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगी जबकि तीसरे स्थान पर रहने वाली ऑस्ट्रेलिया चौथे स्थान पर रहने वाली वेल्स टीम से कांस्य पदक मुकाबले में भिड़ेगी।

टेबल टेनिस में छाईं भारतीय महिलाएं

बर्मिंघम। भारत की महिला टेबल टेनिस टीम ने शुक्रवार को राष्ट्रमंडल खेलों के पहले दौर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए एक युगल और दो एकल मुकाबलों में जीत दर्ज की। श्रीजा अकुला और रीथ टेनिसन की युगल जोड़ी ने जहां दक्षिण अफ्रीका की लैला एडवर्ड्स और दानिशा पटेल को 11-7, 11-7, 11-5 से हराया, वहीं मनिका बत्रा ने एकतरफा मुकाबले में मुशिफकुह कलामी को 11-5, 11-3, 11-2 से मात दी। इसके अलावा श्रीजा ने एकल मुकाबले में भी दानिशा पटेल को एकतरफा रूप से हराया। श्रीजा ने बड़ी ही आसानी के साथ 11-5, 11-3, 11-6 से मात दी।

विश्व कप के बाद सुधार किया, पदक जीतने को लेकर सकारात्मक : वंदना

बर्मिंघम। भारतीय महिला हॉकी टीम की अनुभवी फॉरवर्ड खिलाड़ी वंदना कटारिया ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में घाना के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत से पहले शुक्रवार को कहा कि टीम ने एफआईएच विश्व कप के बाद पिछले दो हफ्तों में काफी सुधार किया है। वंदना ने टूर्नामेंट के लिये टीम की तैयारियों के बारे में कहा, हमारी तैयारियां अच्छी चल रही हैं। विश्व कप के बाद हमारे पास (राष्ट्रमंडल खेलों के) पहले मैच की तैयारी के लिये दो हफ्ते थे। हमने अपना सारा समय अपनी क्षमताओं को सुधारने में और अपनी कमज़ोरियों को समाप्त करने में लगाया है। मेरा मानना है कि हमने पिछले दो हफ्तों में काफी सुधार किया है। उन्होंने कहा, हमारा प्रदर्शन भले ही विश्व कप में हमारी पूरी क्षमता के अनुसार नहीं था, यह हमारे लिये खुशी और आशा की बात है कि हमने हमेशा अपना प्राकृतिक खेल खेलने का प्रयास किया।

जीत के साथ श्रंखला में बरकरार प्रोटियाज़

कार्डिफ। दक्षिण अफ्रीका ने राइली रूसो (96 नाबाद) और तबरेज़ शम्सी (27 रन पर तीन विकेट) की बदौलत इंग्लैंड को दूसरे टी20 मैच में 58 रन से मात दी। दक्षिण अफ्रीका ने गुरुवार को सोफिया गार्डन्स मैदान में पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 207 रन बनाये, जिसके जवाब में इंग्लैंड 149 रन पर ऑल-आउट हो गयी। पहले मैच में 41 रन की करारी शिकस्त के बाद प्रोटियाज़ ने शानदार वापसी करते हुए श्रंखला में 1-1 से बराबरी कर ली है। दक्षिण अफ्रीका जब पहली पारी में बल्लेबाजी करने उतरा तो क्विंटन डिकॉक और रीज़ा हेंड्रिक्स ने टीम को तेज़ शुरुआत दिलायी, लेकिन डिकॉक 15 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। इसके बाद क्रीज़ पर राइली रूसो आए जो छह साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे थे।

विश्व कप के परिणामों का मतलब यह नहीं कि हम ख़राब क्रिकेट खेलते थे : रोहित

टारौबा। भारत ने 2007 में टी20 विश्व कप उद्घाटन संस्करण में अपनी सफलता के बाद से कोई टी 20 विश्व कप नहीं जीता है। पिछले संस्करण में भारत को एक मज़बूत टीम माना जा रहा था। इसके बावजूद वे नॉकआउट के लिए क्वालीफ़ाई नहीं कर सके। हालांकि रोहित शर्मा के अनुसार, उस परिणाम से ये तय नहीं किया जा सकता कि उस वक़्त टीम रूढ़िवादी दृष्टिकोण के साथ क्रिकेट खेल रही था। उन्होंने कहा कि टीम प्रबंधन ने अब खिलाड़ियों को खुलकर खेलने की आज़ादी दी है।

वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ पहले टी20 मैच से पहले रोहित ने कहा, अगर पिछले विश्व कप में हमें अच्छे परिणाम नहीं मिल रहे थे, इसका यह मतलब नहीं है कि हम ख़राब क्रिकेट खेल रहे थे। मैं इस बात से भी सहमत नहीं हूं कि विश्व कप में एक या दो मैच हार जाने से यह तय कर लिया जाए कि हम रूढ़िवादी क्रिकेट खेल रहे थे। अगर आप देखें ते हम टी20 विश्व कप से पहले लगभग 80(71) फ़ीसदी मैचों में जीत रहे थे। अगर आप रूढ़िवादी क्रिकेट खेल रहे हैं तो इतने मैच नहीं जीत सकते हैं।

रोहित ने कहा,हां, हमने 2021 में नॉकआउट के लिए क्वालीफ़ाई नहीं किया। इसका मतलब यह नहीं है कि हम स्वतंत्र रूप से नहीं खेल रहे थे। हालिया समय में हमने अपने खेल में ऐसा कोई बदलाव नहीं किया है। हम पहले जैसा खेल रहे थे अब भी हम उसी तरह से खेल रहे हैं लेकिन हमने खिलाड़ियों को अपना खेल खेलने की आज़ादी दी है, क्योंकि अगर आप खुलकर खेलेंगे तो आप अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

इसी लिए जो लोग मैदान से बाहर हैं उन्हें धैर्य रखना पड़ेगा। जिस तरीक़े से हम अपने खेल को आगे बढ़ा रहे हैं, उसमें हम कई मैच हारेंगे भी। परिणाम हमेशा हमारे पक्ष में नहीं जाएंगे लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं होगा कि हमारे खिलाड़ी अच्छे नहीं हैं। बात बस इतनी सी है कि हम कुछ नया करने का प्रयास कर रहे हैं। समय के साथ हर किसी को बदलना पड़ता है।

पिछले महीने मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने आक्रामक क्रिकेट खेलने की बात की थी। उसके परिणाम भी आए हैं। इस साल टी20 क्रिकेट में,भारत ने 9.45 प्रति ओवर की दर से रन बनाए हैं, जो एक कैलेंडर वर्ष में उनका सर्वश्रेष्ठ रन दर है। इस साल भारत की तुलना में किसी अन्य टीम ने इतनी तेज़ गति से रन नहीं बनाया है।

रोहित का मानना है कि खिलाड़ियों को स्वतंत्र रूप से बल्लेबाज़ी करने का एक तरीक़ा यह भी है कि उन्हें उसी तरह से बल्लेबाज़ी करने के लिए कहा जाए जैसे कि वे अपनी फ़्रेंचाइज़ी या राज्य की टीमों के लिए खेल रहे थे और परिणाम के बारे में अधिक न सोचें। रोहित ने कहा, हम अभ्यास के दौरान तक़नीक और बाक़ी सभी चीज़ के बारे में बात कर सकते हैं लेकिन मैच के दौरान खिलाड़ियों को स्वतंत्रता दी जानी चाहिए। हम उनसे कह रहे हैं कि जिस तरह से वे अपने फ़्रेंचाइज़ी या राज्य के लिए खेलते हैं, वैसे ही खेलें। वहां वे ज़्यादा दबाव नहीं लेते हैं। इसलिए यहां भी उन्हें ऐसा ही करने की ज़रूरत है। बेशक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट का एक अलग दबाव है लेकिन यह हमारा काम है कि हम उस दबाव को कम करें। इसलिए हम लड़कों को वह माहौल देने की कोशिश कर रहे हैं जहां वे खुलकर खेलें और अपने प्रदर्शन के बारे में अधिक नहीं सोचें।

झूलन और मिताली के बिना भारतीय टीम एक नई शुरुआत की ओर

बर्मिंघम। कॉमनवेल्थ गेम्स में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि यह भारतीय महिला क्रिकेट का एक नया दौर है। टीम में अब मिताली राज और झूलन गोस्वामी नहीं है। ये दोनों खिलाडी कम से कम एक फ़ॉर्मेट के लिए वनडे विश्व कप तक उपलब्ध थीं। हालांकि अब ये दोनों खिलाड़ी टीम के साथ नहीं हैं।

पिछले 25 सालों से यह जोड़ी भारतीय महिला क्रिकेट का पर्याय रही है। 1997 में मिताली 14 साल की थीं, जब उन्हें घरेलू धरती पर भारत के 50 ओवरों के विश्व कप टीम में चुना गया था। इस पर केवल यह कहा जा सकता था कि वह अंतिम एकादश में जगह बनाने के लिए बहुत छोटी थीं। उसी संस्करण में झूलन ईडन गार्डन्स में उस प्रसिद्ध ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड फ़ाइनल में एक बॉल गर्ल थीं।

इसके बाद से यह दोनों खिलाड़ी एक ऐतिहासिक यात्रा का हिस्सा रही हैं। साल 2002 में साउथ अफ़्रीका में टेस्ट जीत से लेकर साल 2005 में विश्व कप के उपविजेता बनने तक यह साथ रहीं। इसके बाद साल 2006 और 2014 में इंग्लैंड को टेस्ट क्रिकेट में मात देना। साल 2016 में आठ नए खिलाड़ियों के साथ ऑस्ट्रेलिया में सीरीज़ जीतना। इन दोनों खिलाड़ियो के सह यात्रा का हिस्सा रहा है।

हालांकि मैदान पर आये, इस बदलाव के लिए मैदान के बाहर भी उन्होंने महिला क्रिकेट को मिलने वाली सुविधाओं के लिए संघर्ष किया। इसके लिए उन्होंने बीसीसीआई से भी टक्कर लिया। उनके संघर्ष के बाद सेकेंड क्लास ट्रेन का जमाना ख़त्म होकर महिला खिलाड़ियों को एयर टिकट मिलने लगा। छोटे कमरों वाले होटलों की जगह पर बढ़िया होटल मिलने लगे।

मैदान से बाहर उन्होंने हज़ारों युवाओ को क्रिकेट खेलने के लिए प्रति प्रेरित किया। यह उनके सबसे बड़े योगदानों में से एक था लेकिन इसके अलावा उन्होंने महिला खिलाड़ियों के केंद्रीय अनुबंधों के लिए सक्रिय रूप से पैरवी की जो अंतत: 2016 से अस्तित्व में आया।

एक मायने में मिताली और झूलन के बिना सक्रिय क्रिकेटरों के रूप में वैश्विक आयोजन में भारत के बारे में सोचना अब लगभग असंभव है।

आतिशबाज़ियों के बीच शुरू हुए बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल

एजेंसी

बर्मिंघम। राष्ट्रमंडल खेल 2022 की गुरुवार को यहां अलेक्जेंडर स्टेडियम में एक शानदार उद्घाटन समारोह में शुरुआत हुई।

डुरान डुरान और ब्लैक सब्बाथ बैंड के गिटारवादक टोनी इओमी जैसे स्थानीय संगीतकारों ने इस आयोजन में चार चांद लगाये। राष्ट्रमंडल के 72 देशों एवं क्षेत्रों के प्रतियोगियों और 30,000 दर्शकों के बीच बर्मिंघम की औद्योगिक विरासत और इसकी बहुसांस्कृतिक परंपरा का जश्न मनाया गया।

बर्मिंघम के मोटर उद्योग के वृहद इतिहास के सम्मान में पांच दशकों की 72 कारों को कार्यक्रम में इकट्ठा किया गया।

जगुआर और लैंड रोवर से लेकर मिनी कूपर तक वेस्ट मिडलैंड्स में लाखों कारें बनाई गई हैं।

इसके बाद प्रिंस चार्ल्स और डचेस ऑफ कॉर्नवॉल एक एस्टन मार्टिन में बैठकर 72 कारों के काफिले के साथ कार्यक्रम में आये, जो ऊपर से देखने पर यूनाइटेड किंगडम के ध्वज जैसा दिख रहा था।

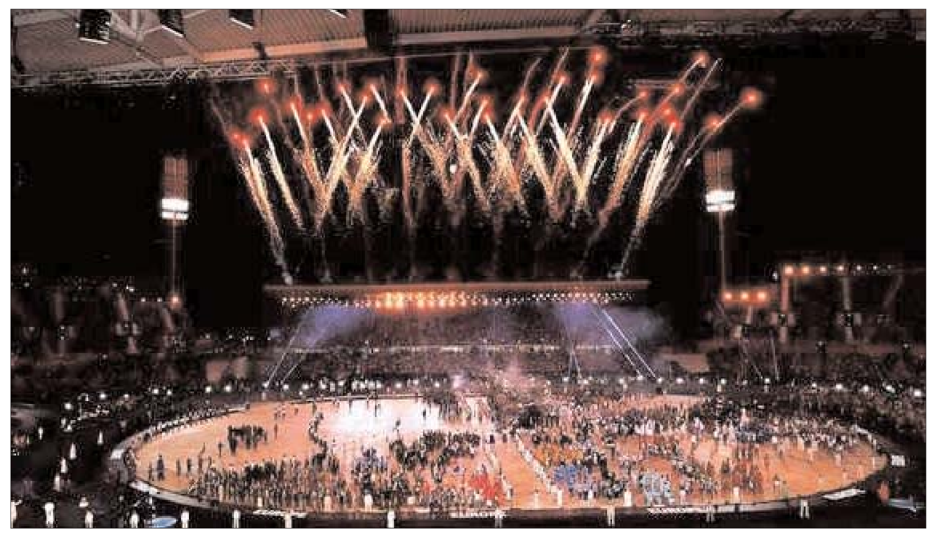

समारोह में महिला उत्थान कार्यकर्ता मलाला यूसुफजई भी उपस्थित दिखाई दीं। बर्मिंघम में रहने वाली 25 वर्षीय मलाला अपने मूल पाकिस्तान में लड़कियों की शिक्षा कार्यक्रमों के लिए अभियान चलाती हैं।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण एथलीट परेड में सभी 72 देशों और क्षेत्रों के 6500 से अधिक एथलीट पहली बार इस आयोजन में भीड़ के सामने आए।

एथलीट परेड का नेतृत्व ऑस्ट्रेलिया द्वारा किया गया, जो 2018 में खेलों के पिछले मेजबान थे। ऑस्ट्रेलिया इस बार आयोजन में अपनी अब तक की सबसे बड़ी टीम को लाया है।

जब 2010 राष्ट्रमंडल खेलों के मेज़बान भारतीय दल की बारी आयी, तो उसका नेतृत्व दो बार की ओलंपिक पदक विजेता शटलर पीवी सिंधु और पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने किया।

मेज़बान इंग्लैंड ने 400 से अधिक एथलीटों की एक विशाल टीम के साथ वी विल वी विल रॉक यू! के शोर में अंतत: प्रवेश किया।

प्रिंस चार्ल्स ने तब महारानी के संदेश को पढ़ा जो सात अक्टूबर को कॉमनवेल्थ बैटन के साथ बकिंघम पैलेस से रवाना हुआ था।

बाद में उन्होंने आधिकारिक तौर पर खेलों के 22वें संस्करण की घोषणा की, और शानदार आतिशबाजी के प्रदर्शन के साथ समारोह का अंत हुआ।

इजरायल के सुप्रीम कोर्ट ने आतंकियों की नागरिकता रद्द करने का दिया आदेश

एजेंसी

यरुशलम। इजरायल के सुप्रीम कोर्ट से सरकार को आतंकवाद और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल दोषियों की नागरिकता रद्द करने की इजाजत मिल गई है। एससी चीफ एस्तेर हयूत के नेतृत्व में सात जजों के पैनल ने इस संबंध में फैसला सुनाया। बेंच ने कहा कि एक व्यक्ति को इजरायल के खिलाफ विश्वास के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। इस तरह के दोषी जो आतंक, देशद्रोह, जासूसी, या शत्रुतापूर्ण जैसे कामों में लिप्त मिलते हैं, उनकी नागरिकता रद्द की जा सकती है।

अदालत ने कहा कि नागरिकता रद्द होने के बाद दोषियों को देश में रहने की इजाजत देने के लिए एक निवास परमिट जारी करने की व्यवस्था होगी। दरअसल, इजरायल के आंतरिक मंत्रालय से सऊदी अरब के दो नागरिकों की नागरिकता से इनकार करने की अपील की गई थी। कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया। मालूम हो कि इन दोनों को अलग-अलग हमलों को अंजाम देने का दोषी पाया गया था।

इन आरोपियों के मामले की सुनवाई के दौरान आया फैसला

सऊदी अरब के इन दोनों नागरिकों की पहचान मोहम्मद मफराजा और अला जिउद के तौर पर हुई है। मोहम्मद मफराजा 2012 में तेल अवीव में एक बस में विस्फोटक उपकरण लगाने का दोषी पाया गया, जिसमें 24 लोग घायल हुए थे। वहीं, अला जिउद ने 2015 में उत्तरी इजराइल के शमूएल जंक्शन पर आम लोगों के ऊपर छुरा घोंपकर हमला किया था, जिसमें चार लोग घायल हो गए थे। SC ने इन्हीं के मामले पर यह फैसला सुनाया।

क्या पत्थर फेंकने वालों पर भी होगी यह कार्रवाई?

इजरायल के लीगल डिपार्टमेंट में एसोसिएशन फॉर सिविल राइट्स के डायरेक्टर ऑडेड फेलर ने एससी के इस फैसले को और विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि भले ही सुप्रीम कोर्ट राज्य के प्रति अपनी निष्ठा का उल्लंघन करने पर नागरिकता समाप्त करने की इजाजत दे रहा है। लेकिन, इसका मतलब यह नहीं है कि हर पत्थर फेंकने वाले या सार्वजनिक रूप से राज्य के प्रति निष्ठा की कमी दिखाने वाले की नागरिकता रद्द कर दी जाएगी।

आतंरिक मंत्री के हाथ में होगा सब कुछ?

सुप्रीम कोर्ट के नए आदेश में नागरिकता रद्द करने को लेकर कई तरह की पाबंदियां भी लगाई गई हैं। इसके बावजूद फेलर इसे लेकर चिंतित हैं। उनका कहना है कि आखिरकार आंतरिक मंत्री के फैसले के आधार पर ही नागरिकता तय होगी। ऐसे में इसके गलत इस्तेमाल की भी आशंका है। आंतरिक मंत्री ऐयलेट शेक अपने एक बयान में यह कह भी चुकी हैं कि वह आतंकवादियों की इजरायल की नागरिकता को रद्द करने के प्रयासों को बढ़ाने का इरादा रखती हैं।

मंकीपॉक्स की चपेट में आई प्रेग्नेंट महिला, स्वस्थ बच्चे को दिया जन्म

वॉशिंगटन। अमेरिका में मंकीपॉक्स से संक्रमित एक प्रेग्नेंट महिला ने स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया है। सेंटर्स फॉर डिसीज कंट्रोल ऐंड प्रिवेंशन के अधिकारियों के मुताबिक बच्चे का जन्म सुरक्षित तरीके से हो गया और जच्चा-बच्चा दोनों ही ठीक हैं। सीडीसी के डॉ. जॉन ब्रुक्स ने कहा, एक केस प्रेग्नेंट महिला का भी था जिसने स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। अधिकारियों ने बताया कि पहले ऐसा हो चुका है कि मां से पेट में पल रहे बच्चे को संक्रमण हो गया। हालांकि इस बार ऐसा नहीं हुआ। सीडीसी के मुताबिक प्रेग्नेंट महिलाओं में मंकीपॉक्स वायरस कई बार बहुत बुरा असर डालता है और इसकी टेस्टिंग करना भी एक चुनौती होती है। एजेंसी ने कहा है कि प्रेग्नेंट या फिर दूध पिलाने वाली महिलाओं को पहले इलाज उपलब्ध करवाना चाहिए।

'आग से खेलने वाला खुद जल जाता है', ताइवान को लेकर जिनपिंग ने दी बाइडन को चेतावनी

एजेंसी

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को ताइवान के मुद्दे पर कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि आग से खेलने वाला खुद जल जाता है। जिनपिंग ने बाइडन से कहा कि अमेरिका ताइवान के मुद्दे पर आग से न खेले। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके चीनी समकक्ष शी चिनफिंग ने गुरुवार को करीब ढाई घंटे वर्चुअल बैठक की।

इसी दौरान जिनपिंग ने बाइडन को ताइवान मुद्दे पर आग से न खेलने की चेतावनी दी।

व्हाइट हाउस ने बताया कि दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच बातचीत अमेरिकी समय के अनुसार, सुबह 8:33 बजे शुरू हुई और सुबह 10:50 बजे खत्म हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने जटिल रिश्तों के भविष्य पर चर्चा की। चीन की ये चेतावनी ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी कांग्रेस (संसद) के निम्न सदन हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव की स्पीकर नैंसी पेलोसी ताइवान जाने की योजना बना रही हैं।

ताइवान स्वशासित द्वीप है जिसे चीन अपना हिस्सा मानता है। चीन ने कहा कि वह इस यात्रा को उकसावे की कार्रवाई के तौर पर देखेगा। करीब ढाई घंटे तक हुई बातचीत में चीन ने अमेरिका के सामने ताइवान को लेकर अपनी चिंताएं रखीं। नैंसी पेलोसी की संभावित ताइवान यात्रा के मद्देनजर अमेरिका को चेतावनी देते हुए चीनी राष्ट्रपति ने कहा, आग से खेलने वाले अंतत: खुद जल जाते हैं। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक जिनपिंग ने उसी बात को दोहराया जब उन्होंने पिछले नवंबर में बाइडन से बात की थी।

जिनपिंग ने कहा, मुझे उम्मीद है कि अमेरिकी पक्ष इस बात को पूरी तरह से समझेगा। चीनी राष्ट्रपति ने कहा, ताइवान मुद्दे पर चीनी सरकार और लोगों की स्थिति सुसंगत बनी हुई है।

यह चीन की राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की मजबूती से रक्षा करने के लिए 1.4 बिलियन से अधिक चीनी लोगों की दृढ़ इच्छा है।

बीजिंग ने सैन्य अभ्यास किया शुरु

बीजिंग। चीन ने दक्षिणी ग्वांगडोग प्रांत के तट पर दक्षिण चीन सागर में दो दिवसीय सैन्य अभ्यास शुरु किया है। यह जानकारी चीन के समुद्री सुरक्षा प्रशासन ने शुक्रवार को दी। बयान के अनुसार यह सैन्य अभ्यास 29 एवं 30 जुलाई को किओंग्झौ के पश्चिमी भाग में होगा। यह अभ्यास इन खबरों के बीच हो रहा है जब अमेरिकी प्रतिनिधि सभा भवन की अध्यक्ष नेंसी पिलोसी ताइवान की संभावित यात्रा पर आ रही हैं। बीजिंग की योजना उन्हें एक बड़ा झटका देने की है और अमेरिका और ताइवान के बीच आधिकारिक सम्पर्क की निंदा की है। वाइट हाउस ने पिलोसी के योजना के बारे में सार्वजिनक रुप से कोई टिप्पणी नहीं की है। चीन के मंत्रालय ने कहा कि सुश्री पिलोसी की यात्रा पर बीजिंग निश्चित रुप से राज्य की संप्रभुता और क्षेत्र की सुरक्षा के लिए निर्णयाक कदम उठाएगा और यात्रा के परिणामों के लिए अमरीका पूरी तरह से जिम्मेदार होगा।

पाक में हेपेटाइटिस 'बी' और 'सी' के मामले बढ़े

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में हेपेटाइटिस 'बी' और 'सी' के काफी अधिक संख्या में मामले सामने आये हैं। समाचार पत्र 'डान' ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में करीब 1.50 करोड लोग हेपेटाइटिस सी और अन्य 50 लाख लोग हेपेटाइटिस बी से संक्रमित हैं। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार दुनिया में हेपेटाइटिस बीमारी के कारण हर 30 सेकंड में एक व्यक्ति की मौत होती है। पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र (ईएमआर) में हेपेटाइटिस सी के 80 प्रतिशत रोगी मिस्र और पाकिस्तान में हैं। उन्होंने कहा कि 2021 के अनुमान के अनुसार पाकिसतान में प्रत्येक 13 वयस्क में से एक व्यक्ति हेपेटाइटिस सी पॉजिटिव पाया गया है। लगभग 97 लाख 75 हजार लोग हेपेटाइटिस सी संक्रमित हैं और लगभग 27,000 लोगों की इस बीमारी के कारण मौत हो जाती है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक बयान में कहा कि सरकार ने वर्ष 2030 तक इस बीमारी को खत्म करने का लक्ष्य रखा है और मरीजों की पहचान की व्यवस्था की जा रही है।

फिलीपींस में मंकीपॉक्स का पहला मामला

मनीला। फिलीपींस में मंकीपॉक्स को पहला मामला सामने आया है। स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग प्रभारी अपर सचिव बेवेर्ली लोरेन हो ने कहा कि 31 वर्षीय व्यक्ति में मंकीपॉक्स वायरस के लक्षण पाए गए है। जो 19 जुलाई को विदेश से स्वदेश लौटा है। अधिकारियों ने मरीज की पहचान नहीं बतायी है। रोगी के संपर्क में आये 10 करीबियों को पता लगाया गया है और उनमें अभी मंकीपॉक्स के लक्षण नहीं दिखाई दिए हैं। मरीज के संपर्क में आये सभी लागों को क्वारंटीन किया गया और उनकी निगरानी की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को मंकीपॉक्स के संदिग्ध मामलों के साथ यौन संबंध बनाने से बचने की सलाह दी है, खासकर उन लोगों से जिनके शरीर पर लाल रंग के चकत्ते और घाव दिखाई दे रहे हों। इसके अलावा लोगों से लगातार हाथ धोने, मास्क पहनने तथा छींक आने पर कोहनी से ढककर छींकने की सलाह दी है।

पीटीआई के खिलाफ कार्रवाई करने में देरी को लेकर शहबाज नाराज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान के खिलाफ प्रतिबंधित फंडिंग मामले में फैसले की घोषणा में देरी पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपनी नाराजगी व्यक्त की। डॉन की शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। श्री शरीफ ने ट्वीट किया,विदेशी फंडिंग मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। इस मामले में नवाज शरीफ दोषी माना गया था फिर इमरान खान को क्यों अछूते हैं। आठ साल बीत जाने के बाद भी निर्णय नहीं लिया गया है। इमरान नियाज़ी ने आईएचसी में नौ रिट याचिकाएँ दायर कीं और एफएफ मामले में 50 स्थगन प्राप्त किए। उन्होंने कहा कि इमरान नियाज़ी को राज्य के संस्थानों पर बार-बार हमलों के बावजूद लंबे समय से मुफ्त पास दिया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

अदरक उत्पादन तकनीक

जलवायु

अदरक गर्म एवं नम जलवायु में अच्छी तरह उगाया जाता है। इसकी खेती समुद्र तट से 1500 मीटर तक की ऊंचाई पर भी की जा सकती है। अदरक की खेती वर्षा आधारित एवं सिंचित अवस्था में की जा सकती है। इसकी खेती के लिए बुवाई के समय मध्यम वर्षा, वृद्धि तक अधिक वर्षा की आवश्यकता होती है। कटाई एवं एक महीना पहले शुष्क वातावरण की आवश्यकता होती है।

भूमि

अदरक विभिन्न प्रकार की मिट्टी में उगाई जा सकती है। लेकिन इसकी खेती के लिए अच्छे जल निकास वाली जीवांश युक्त दोमट या बलुई दोमट मिट्टी उपयुक्त रहती है।

उन्नत किस्में

सुप्रभा, सुरूचि, सुरभि

अन्य किस्मों में वर्दा, हिमगिरी, महिमा, रेजाता आदि है।

भूमि की तैयारी

अदरक की अच्छी खेती के लिए भूमि को गर्मी के शुरू में अच्छी गहरी जुताई करके मिट्टी भुरभुरी बना ली जाती है।

बीज दर

अदरक का बीज प्रकंद होता है। बुवाई के लिए 2.5-5.0 सेमी लम्बे, 20-25 ग्राम वजन के जिनमें कम से कम 2-3 अंकुरित आंखें हो बोने के लिए उपयुक्त होते हैं। एक हैक्टेयर में बुवाई हेतु 15-20 क्विंटल प्रकंदों की आवश्यकता होती है।

बीजोपचार

अदरक के बीज प्रकंद को 30 मिनट तक मेंकोजेब 3 ग्राम/ लीटर पानी के साथ उपचारित करके, 3-4 घंटे छायादार जगह पर सुखाते हैं।

बुवाई की विधि

वर्षा आधारित क्षेत्रों के लिए प्रकंदों की बुवाई के लिए 4 सेमी ऊंची, 1 मीटर चौड़ी तथा आवश्यकतानुसार लम्बी क्यारियों को तैयार कर बुवाई करते हैं। प्रकंदों को 15-20 सेमी की दूरी पर 3-4 सेमी की गहराई पर बो देते हैं। सिंचित क्षेत्रों में क्यारियों बनाकर उनमें 40 सेमी की दूरी पर मेड़ बना ली जाती है तथा 20-25 सेमी की दूरी पर 3-4 सेमी गहराई पर प्रकंदों की बुवाई कर देते हैं।

सिंचाई

बुवाई के समय पर्याप्त नमी रहे। अंकुरण के बाद शीघ्र सिंचाई कर दें। इसके बाद वर्षा होने तक नमी बनाये रखने के लिए 10-10 दिन के अंतर पर सिंचाई करते रहें।

निराई-गुड़ाई एवं मिट्टी चढ़ाना

अदरक की फसल में आवश्यकतानुसार 2-3 बार खरपतवार निकाल दें।

प्रकंदों की खुदाई

हरी अदरक के लिए इसकी खुदाई बुवाई के 180 दिन बाद करें तथा सूखी अदरक के लिए इसकी बुवाई के 240-260 दिन बाद तब पत्तियां पीली पड़ जाये तथा धीरे-धीरे सूखने लगे तब की जाये। खुदाई करते समय ध्यान रखें कि प्रकंद फटने न पाये। पौधों को सावधानी पूर्वक फावड़े या कुदाली की सहायता से उखाड़ कर प्रकंद को जड़ और मिट्टी से अलग कर लेते हैं। खुदाई के बाद प्रकंद को अच्छी तरह पानी से धोकर एक दिन के लिए धूप में सुखा लें।

उपज

ताजा अदरक की उपज लगभग 15-25 टन/ हेक्टेयर प्राप्त होती है, जो सूखाने के बाद 20-25 प्रतिशत तक प्राप्त होती है।

भण्डारण बीज संग्रहण के लिए अदरक को पेड़ के नीचे छाया में गड्ढा खोदकर कंदों को इस प्रकार रखा जाता है कि इसमें हवा के लिए काफी जगह बनी रहे। बीज प्रकंदों को 0.3 प्रतिशत मेंकोजेब या रीडोमिल के घोल में 30 मिनट तक उपचारित करके छायादार जगह पर सुखा लेते हैं। गड्ढों को गोबर से लेप देते हैं। फिर एक परत प्रकंद फिर 2 सेमी रेत/ बुरादा की परत में रखते हैं। इस तरह भरने के बाद ऊपर से गड्ढों को लकड़ी के तखते से ढक देते हैं। इन तख्तों को हवादार बनाने के लिए एक या दो छेद करते हैं।

पलवार

बुवाई के तुरंत बाद घास फूस पत्तों की पलवार बिछाना लाभप्रद रहता है। पलवार से मिट्टी का कटाव कम होता है। तथा भूमि में जीवांश पदार्थ की वृद्धि होती है तथा भूमि में नमी भी संरक्षित रहती है। पलवार से खरपतवार भी कम उगते है। पहली पलवार बुवाई के समय तथा दूसरी व तीसरी पलवार 40 एवं 90 दिन बाद बिछायें। प्रथम पलवार के लिए 5-7 टन/ हैक्टेयर हरे पत्तों की आवश्यकता रहती है।

रबी प्याज उत्पादन तकनीक

सामान्यत

रबी मौसम में बुवाई अक्टूबर-नवम्बर माह में तथा रोपाई दिसंबर से जनवरी के पहले सप्ताह तक की जाती है। यह मौसम प्याज की खेती के लिए सर्वोत्तम है। यह प्याज अधिकतर ग्रीष्मकाल में आने के कारण इसे ग्रीष्मकालीन प्याज भी कहते हैं। प्याज के अंतर्गत क्षेत्रफल का 60 प्रतिशत इसी मौसम में लगाया जाता है। महाराष्ट्र के कोकन का तटीय भाग, चंद्रपूर तथा भंडारा के क्षेत्र को छोड़कर संपूर्ण राज्य में रबी मौसम में प्याज की खेती होती है।

उत्तर भारत के सभी राज्यों में इसी मौसम में प्याज की खेती की जाती है। नवम्बर माह के अंत में लगायी फसल मार्च-अप्रैल में निकाली जाती है। इस समय पत्तियाँ अच्छी तरह सूखती है तथा अच्छी तरह सूखा हुआ प्याज अधिक समय भण्डारित होता है। रबी प्याज की रोपाई में जितनी देर होती है, उतनी ही उपज घटती है तथा प्याज का आकार छोटा रह जाता है। रबी प्याज लगाने में अधिक देरी होने से यह जून में तैयार होता है और उस समय वर्षा होने से प्याज को नुकसान होता है तथा यह अच्छी तरह सूख नहीं पाता है।

फलस्वरुप भण्डारण में अधिक सड़ने लगता है। रबी प्याज को अप्रैल से जून तक निकाला जाता है। इस दौरान अधिक उत्पादन होने से अगस्त माह तक बाजार भाव अच्छे नहीं मिलते हैं। इस दौरान अधिक उत्पादन होने से अगस्त माह तक बाजार भाव अच्छे नहीं मिलते है। इन परिस्थितियों में प्याज का भण्डारण करना लाभदायक रहता है। भण्डारण के लिए नवम्बर माह के अंत से दिसम्बर माह के मध्य तक की गयी रोपाई सर्वोत्तम होती है।

नर्सरी में पौध तैयार करना

रबी प्याज की उन्नत किस्म के बीज को 3 मीटर लम्बी, 1 मीटर चौड़ी व 20-25 से.मी. ऊंची उठी हुई क्यारियां बनाकर बोनी करें। 500 मीटर वर्गक्षेत्र में तैयार की गई नर्सरी की पौध एक हेक्टेयर क्षेत्र के लिए पर्याप्त होती है। प्रत्येक क्यारी में 40 ग्राम डी.ए.पी., 25 ग्राम यूरिया, 30 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश व 10-15 ग्राम फ्यूराडान डालकर अच्छी तरह मिट्टी में मिला दें। सितम्बर अक्टूबर माह में क्यारीयों को तैयार कर क्लोरोपाईरीफॉस (2 मिली./ लीटर पानी) कार्बेन्डाजिम (1 ग्राम/लीटर पानी) को धोलकर क्यारी की मिट्टी को तर कर 250 गेज मोटी सफेद पॉलिथिन बिछाकर 25-30 दिनों तक मिटटी का उपचार कर लें। इस विधि से मिटटी को उपचारित करने को मृदा शौर्यीकरण कहतें है। ऐसा करने पर मिटटी का तापमान बढने से भूमि जनित कीटाणु एंव रोगाणु नष्ट हो जाते है। बीजों को क्यारियों में बोने से पूर्व थायरम या कार्बोसिन/बाविस्टीन नामक फफूंदनाशक दवा से 2-3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। उपचारित बीजों को 5-10 सेमी. के अंतर पर बनाई गई कतारों 1 सेमी. की गहराई पर बोएं। अंकुरण के पश्चात पौध को जडग़लन बीमारी से बचाने के लिए 2 ग्राम थायरम 1 ग्राम बाविस्टीन दवा को 1 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। बुआई के लगभग 7-8 सप्ताह बाद पौध खेत में रोपण के लिए तैयार हो जाती है।

रोगों से बचाव

रोगों से बचाव के लिए बीज और पौधशाला की मिट्टी को कवक नाशी या थीरम आदि से उपचारित कर लेना चाहिए। बीज और पौधशाला को ट्राइकोडर्मा से भी उपचारित किया जा सकता है। उसके बाद बीज की नर्सरी डालकर पुवाल आदि से ढक देना चाहिए। जमाव के बाद पुवाल हटाकर हल्की सिंचाई करनी चाहिए। रबी में प्याज की नर्सरी आठ से नौ सप्ताह में रोपाई करने की स्थिति में हो जाती है। रोपाई से पूर्व पौधों की जड़ों को कार्बेंडाजिम, नौ प्रतिशत के घोल में डूबा देना चाहिए। प्याज लगाने से पूर्व मिट्टी की जांच करा लेनी चाहिए। एक हेक्टेयर खेत में 20 से 25 तक गोबर की खाद रोपाई से एक माह पूर्व ही खेत में मिला देना चाहिए। अच्छे उत्पाद के लिए प्रति हेक्टेयर 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 50 किलोग्राम फास्फोरस और 60 किग्रा पोटाश की आवश्यकता पड़ती है। गंधक और जिंक की कमी होने पर ही उपयोग करें।

भण्डारण

आमतौर पर खरीफ की तुलना में रबी प्याज में भण्डारित करने की आवश्यकता ज्यादा होती क्योंकि यह बाजार में तुरंत कम बिकता है। प्याज को भण्डारित करते समय निम्न सावधानियां रखना चाहिए।

1. भण्डारण से पहले कंदों को अच्छी तरह सुखा लें, अच्छी तरह से पके हुए स्वस्थ (4-6 सेमी आकार) चमकदार व ठोस कंदों का ही भण्डारण करें।

2. भण्डारण नमी रहित हवादार गृहों में करें। भण्डारण में प्याज के परत की मोटाई 15 सेमी. से अधिक न हों।

3. भण्डारण के समय सड़े गले कंद समय-समय पर निकालते रहना चाहिए।

उर्वरकों का खेती में सही उपयोग कब?

खेती में उर्वरकों का सही उपयोग कब - खरीफ फसलों का उत्पादन बढ़ाने में बीज के बाद उर्वरकों का योगदान सबसे अधिक रहा है। परंतु किसान अभी भी उर्वरकों का प्रयोग फसलों की आवश्यकता तथा पोषक तत्वों की उनके खेत में उपलब्धता के आधार पर नहीं कर रहे हैं। इसका एक मुख्य कारण उनकी भूमि पोषक तत्वों की मात्रा ज्ञात करने की जटिलता तथा उसके प्रति किसानों की उदासीनता मुख्य कारण है।

आशा है भारत सरकार द्वारा स्वाइल हेल्थ कार्ड योजना किसानों की इस उदासीनता को तोडऩे में सक्षम होगी। स्वाइल हेल्थ कार्ड द्वारा किसान को उसकी भूमि की सही स्थिति तथा उसमें उपलब्ध पोषक तत्वों की जानकारी मिलेगी जिसके आधार पर वह अपनी फसलों में संतुलित पोषक तत्वों का प्रयोग कर फसल की लागत को भी कम कर पायेगा परंतु मिट्टी के नमूने से लेकर प्रयोगशाला उसके विश्लेषण में जाने - अनजाने में हुई भूल या लापरवाही इस पूरी योजना की सफलता पर प्रश्न चिन्ह लगा सकती है जिसके परिणाम सिर्फ और सिर्फ किसान को ही भुगतने होंगे। इसलिए इस योजना की सफलता किसान की जागरूकता पर ही निर्भर करती है।जागरुक किसान नत्रजन व फास्फोरस का महत्व समझने लगे हैं और वह विभिन्न फसलों में इनके सही अनुपात को उपयोग में ला रहे हैं। परंतु अभी बहुत से किसान ऐसे भी है जो फास्फोरस युक्त उर्वरकों को खड़ी फसल में दे रहे हैं। इस ओर भी जागरूकता लाना भी आवश्यक है। उर्वरकों के उपयोग के आरंभ के वर्षो में तीसरे प्रमुख तत्व पोटाश की प्रदेश के अधिकांश जिलों की भूमि में देने की आवश्यकता नहीं थी क्योंकि यह मिट्टी में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध था। अधिक उपज देने वाली जातियां आने के बाद पोटाश की मिट्टी में शनै=शनै= मात्रा कम होती चली गयी और अब उपज के स्तर को बनाये रखने के लिये इसकी भूमि में आपूर्ति आवश्यक हो गयी है। इसकी कमी के लक्षण भी सोयाबीन व अन्य फसलों में दिखने लगे हैं, पत्तियों के बाहरी ओर पीलापन आने से इसकी कमी को पहचाना जा सकता है। गहरी जड़ों वाली फसलों में इसका उपयोग बीज बोने के पूर्व या बीज बोते समय करना चाहिए। खरीफ में प्रदेश में सोयाबीन फसल का रकबा लगभग 55-58 लाख हेक्टर रहता है। तिलहनी फसल होने के कारण इस फसल में अन्य तत्वों के अतिरिक्त गंधक की भी आवश्यकता होती है क्योंकि गंधक में तेल बनाने की प्रक्रिया में एक आवश्यक तत्व है। इसके प्रति सोयाबीन उगाने वाला किसान सोचता भी नहीं। वह अधिकतर फास्फोरस तथा नत्रजन की आपूर्ति डीएपी द्वारा कर लेता है। गंधक की आपूर्ति किसान बिना लागत बढ़ाये कर सकता है इसके लिए उसे डीएपी का मोह छोड़कर फास्फोरस की आपूर्ति सिंगल सुपर फास्फेट से करनी होगी जिससे फसल को 16 प्रतिशत फास्फोरस के अतिरिक्त 12 प्रतिशत गंधक तथा 21 प्रतिशत कैल्शियम भी मिल जाता है। स्वाइल हेल्थ कार्ड किसानों को एक दिशा-निर्देश तो दे सकता है परंतु यह समाधान नहीं। इसके लिए किसी निर्धारित क्षेत्र के स्वाइल हेल्थ कार्ड का वैज्ञानिक अध्ययन करना होगा। उसके बाद निकले निष्कर्षो के आधार पर किसान को उचित सलाह देनी होगी तभी इस योजना का लाभ होगा। एक क्षेत्र के मिट्टी के नमूनों को 4-5 विभिन्न प्रयोगशाला में भिजवा कर उनका परीक्षण करना होगा तभी हम किसी निष्कर्ष पर पहुंच पायेंगे अन्यथा शंका में ही घिरे रहेंगे।